https://www.facebook.com/jantaunion

झाँसी
बुधवार, 8 अप्रैल 2026
वर्ष 18 अंक 204
पृष्ठ 8 मूल्य ₹ 3.00

www.epaperjantaunion.com

जनता यूनियन

अधिकतम : 37° से.
न्यूनतम : 24° से.

jantaunion@gmail.com

45 घंटे बाद वेदांश का शव बरामद...- 3 | देहदान से बड़ा कोई दान नहीं : मण्डलायुक्त...-8

सार संक्षेप

डोनाल्ड ट्रंप के बाद जेडी वैंस की ईरान को सीधी चेतावनी, हमारे सीक्रेट हथियार अभी बाकी हैं

वाशिंगटन (जीएनएस)। डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान को दी गई चेतावनी के कुछ ही मिनट बाद, अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका के पास ऐसे उपाय मौजूद हैं जिनका इस्तेमाल अभी तक तय नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि ट्रंप इनका इस्तेमाल करने का फैसला कर सकते हैं, और अगर ईरानी अपना रुख नहीं बदलते हैं तो वे इनका इस्तेमाल जरूर करेंगे। वैंस ने कहा कि हमारे पास ऐसे उपाय मौजूद हैं जिनका इस्तेमाल अभी तक तय नहीं किया गया है। ट्रंप इनका इस्तेमाल करने का फैसला कर सकते हैं, और अगर ईरानी अपना रुख नहीं बदलते हैं तो वे इनका इस्तेमाल जरूर करेंगे। वैंस ने यह भी कहा कि अमेरिका को अब भी भरोसा है कि वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा निर्धारित समय सीमा, रात 8 बजे तक ईरान से जवाब प्राप्त कर सकता है। दिन की शुरुआत में, ट्रंप ने चेतावनी दी कि अगर ईरान होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने से संबंधित समझौते पर सहमत होने के लिए तय की गई नवीनतम समय सीमा का पालन नहीं करता है, तो पूरी सभ्यता आज रात नष्ट हो जाएगी।

तुर्की में इजरायली कॉन्सुलेट के पास फायरिंग, 3 हमलावरों को मार गिराया गया

तुर्की (जीएनएस)। इस्तांबुल में इजरायली वाणिज्य दूतावास के बाहर हुई गोलीबारी में तीन हमलावर मारे गए। तुर्की मीडिया के अनुसार, हमलावरों के पास लंबी बंदूकें और बैग थे, जिन्हें तुर्की सुरक्षा बलों ने मुठभेड़ में मार गिराया। इस घटना में दो पुलिस अधिकारी भी घायल हो गए। लगभग 10 मिनट तक गोलियों की आवाज गूंजती रही, जिसके दौरान पुलिस अधिकारियों ने बंदूकें निकाल लीं और छिप गए। रॉयटर्स के अनुसार, एक व्यक्ति खून से लथपथ था। घटना के समय वाणिज्य दूतावास के अंदर कोई इजरायली राजनयिक मौजूद नहीं था। सूत्रों के अनुसार, तुर्की में कोई इजरायली राजनयिक तैनात नहीं है और 7 अक्टूबर, 2023 को गाजा युद्ध के बाद इजरायल और तुर्की के बीच बिगड़ते संबंधों के चलते वाणिज्य दूतावास दो साल के लिए बंद कर दिया गया था। तुर्की ने इजरायल द्वारा गाजा पर आक्रमण की आलोचना की थी और विरोध में वाणिज्य दूतावास को बंद कर दिया था।

नोएडा के बाद अब दिल्ली की बारी? आईएमडी का येलो अलर्ट, तेज आंधी-पानी का बढ़ा खतरा

नई दिल्ली (जीएनएस)। मंगलवार को नोएडा में भारी बारिश और आंधी-तूफान आया, जिससे कई इलाकों में जलभराव और यातायात बाधित हो गया। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें आने वाले घंटों में हल्की बारिश और आंधी-तूफान की चेतावनी दी गई है, हालांकि शहर में अभी तक कोई महत्वपूर्ण बारिश दर्ज नहीं की गई है। इसके विपरीत, नोएडा में दिन भर भारी बारिश हुई, जिससे कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया। जल निकासी की समस्या के कारण प्रमुख सड़कों पर यातायात धीमा रहा और यातायात में देरी हुई। एनसीआर में मौसम की बदलती परिस्थितियों के बीच, इंडिगो ने यात्रा संबंधी सलाह जारी करते हुए यात्रियों को क्षेत्र में खराब मौसम के कारण संभावित व्यवधानों के बारे में आगाह किया है।

फतह और खैबर शिकन लेकर बैठे हैं, आइए तो जरा... ट्रंप की सभ्यता खत्म वाली धमकी पर ईरान का पलटवार

ईरान (जीएनएस)। ट्रंप की चेतावनी के तुरंत बाद, ईरान ने जवाबी चेतावनी जारी करते हुए कहा कि वह नए लॉन्च प्लेटफॉर्मों से हमले करने में जरा भी संकोच नहीं करेगा। ईरान ने यह भी कहा कि ट्रंप की हालिया धमकियों के बाद सभी राजनयिक और अप्रत्यक्ष वार्ताएं ठप कर दी गई हैं। ईरान ने अमेरिका को चेतावनी देते हुए कहा कि हम अपने हमले डबल करेंगे। आईआरजीसी एयरोस्पेस फोर्स के कमांडर ने एक संदेश में कहा हम फतह और खैबर शेकान मिसाइलों के लिए नए प्रक्षेपण प्लेटफार्मों के साथ अपने हमले दोगुने करेंगे। ईरान के विशिष्ट गार्ड, इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने की समय सीमा से पहले तेहरान की ऊर्जा संपत्तियों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमले तेज करने वाले अमेरिका को चेतावनी देते हुए युद्ध को मध्य पूर्व से आगे ले जाने की धमकी दी है। आईआरजीसी ने अपने नवीनतम संदेश में कहा कि यदि अमेरिकी आतंकवादी सेना लाल रेखा पार करती है, तो हमारी प्रतिक्रिया इस क्षेत्र से परे होगी। हमने गैर-नागरिक ठिकानों पर हमला नहीं किया है और न ही करेंगे; हालांकि, हम नागरिक सुविधाओं पर घृणित हमलों का जवाब देने में संकोच नहीं करेंगे। यह चेतावनी तब आई जब ईरान में हवाई हमलों में दो पुल और एक रेलवे स्टेशन को निशाना बनाया गया, और ईरानी अधिकारियों ने युवाओं से बिजली संयंत्रों की रक्षा के लिए मानव श्रृंखला बनाने का आग्रह किया। ट्रंप ने पहले भी समय सीमा बढ़ाई थी, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि वाशिंगटन में रात 8 बजे तक की समय सीमा अंतिम है, और दोनों पक्षों की बयानबाजी चरम पर पहुंच गई, जिससे ईरानी लोग चिंतित हो गए। ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अब हमने ईरान में सत्ता बदल दी है। अब वहां पहले की तुलना में स्मार्ट और कम कट्टरपंथी लोग हैं। किसे पता कि कुछ क्रांतिकारी कदम उठा लिया जाए? हमें आज रात पता चल जाएगा। यह दुनिया के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण पल हो सकता है। 47 साल की उगाही, भ्रष्टाचार और मौत का तांडव आखिरकार खत्म होगा। ईश्वर महान है. ईरानी जनता पर कृपया बनाए रखे। बता दें कि ट्रंप का यह बयान ऐसे समय पर सामने आया है, जब एक दिन पहले ही ट्रंप ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर ईरान में फंसे अमेरिकी एयरमैन के रेस्क्यू ऑपरेशन की डिटेल जानकारी दी थी।

पश्चिम एशिया संकट के बीच विदेश मंत्रालय का बड़ा एक्शन, ईरान से 1862 भारतीयों की सुरक्षित वापसी में मदद की

नई दिल्ली (जीएनएस)। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि उसने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच हजारों भारतीय नागरिकों की आवाजाही में सहायता की है। अंतर-मंत्रालयी प्रेस ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए अतिरिक्त सचिव (खाड़ी) असीम आर महाजन ने कहा कि तेहरान स्थित हमारे दूतावास ने अब तक ईरान से आर्मेनिया और अजरबैजान होते हुए भारत जाने के लिए 1862 भारतीय नागरिकों की आवाजाही में सहायता की है। इनमें 935 भारतीय छात्र और 472 भारतीय मछुआरे शामिल हैं। उन्होंने कहा कि विदेश मंत्रालय खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में हो रहे घटनाक्रमों पर लगातार नजर रख रहा है। हमारा पूरा प्रयास इस क्षेत्र में रहने वाले विशाल भारतीय समुदाय की सुरक्षा, संरक्षा और कल्याण सुनिश्चित करने पर केंद्रित है। महाजन ने बताया कि सरकार राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ मिलकर काम कर रही है और इसके लिए एक विशेष नियंत्रण कक्ष भी संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा, हम नवीनतम सलाह साझा करने और अपने दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों के साथ समन्वय स्थापित करने के लिए राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ लगातार संपर्क में हैं।

डोनाल्ड ट्रंप के अल्टीमेटम का खौफ, ईरान के बिजली संयंत्रों के आगे इंसानी दीवार बने लोग

ईरान (जीएनएस)। इलाम शहर के नागरिकों ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हालिया धमकियों के विरोध में मानव श्रृंखला बनाई। ईरानी समाचार एजेंसी तसनीम के अनुसार, यह जनसभा विशेष रूप से अमेरिकी प्रशासन द्वारा ईरान के महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे, जिनमें पुल और बिजली संयंत्र शामिल हैं, पर संभावित हमलों की चेतावनी की निंदा करने के लिए आयोजित की गई थी। घटनास्थल से प्राप्त तस्वीरों में पुरुषों, महिलाओं और बच्चों सहित विभिन्न पृष्ठभूमि के निवासी सड़क किनारे एक प्रतीकात्मक अवरोध बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं। प्रतिभागियों को ईरानी झंडे और राष्ट्रीय नेताओं की तस्वीरों वाले पोस्टर पकड़े हुए देखा गया, जबकि कई लोगों ने एक मुख्य सड़क पर एक निरंतर पंक्ति बनाने के लिए हाथ मिलाए। यह प्रदर्शन वाशिंगटन की बढ़ती बयानबाजी का सीधा जवाब था। इलाम के लोगों ने देश की नागरिक और रसद सुविधाओं को निशाना बनाने वाली किसी भी नियोजित सैन्य कार्रवाई के विरोध में मानव श्रृंखला का इस्तेमाल किया। प्रदर्शनकारियों ने बड़े-बड़े बैनर भी प्रदर्शित किए, और कई लोगों ने राष्ट्रीय एकता का प्रतीक देशभक्ति के नारे लगाए।

मणिपुर में फिर दहला बिष्णुपुर, रॉकेट हमले में दो मासूमों की मौत, माँ गंभीर रूप से घायल

मणिपुर (जीएनएस)। मणिपुर में जारी जातीय संघर्ष ने एक बार फिर खौफनाक मोड़ ले लिया है। मंगलवार, 7 अप्रैल की सुबह बिष्णुपुर जिले के एक रिहायशी इलाके पर हुए संदिग्ध रॉकेट या मोर्टार हमले में दो मासूम बच्चों की जान चली गई। इस हमले ने घाटी वाले इलाकों में भारी जनाक्रोश पैदा कर दिया है, जिससे राज्य में तनाव एक बार फिर चरम पर पहुँच गया है। यह हृदयविदारक घटना मोइरांग के ट्रोंगलाओबी अवांग लेइकाई गाँव में हुई। निशाना बनाया गया घर सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान ओइनम मालेमंगनबा का था, जो वर्तमान में राज्य से बाहर तैनात हैं। सुबह का समय, जब परिवार घर के भीतर था। शुरुआती जांच के अनुसार, पास की पहाड़ियों से एक लंबी दूरी का गोला (प्रोजेक्टाइल) दागा गया।

ट्रोंगलाओबी में हुए बम हमले के बाद मणिपुर में बड़ा एक्शन, जांच एनआईए के हाथ, चॉपर से सर्च ऑपरेशन जारी

मणिपुर (जीएनएस)। मणिपुर के मुख्यमंत्री युमनाम खेमचंद सिंह ने 7 अप्रैल को घोषणा की कि राज्य सरकार ने ट्रोंगलाओबी में हुए बम हमले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) को सौंपने का फैसला किया है। मंगलवार तड़के हुए इस विस्फोट में दो बच्चों की मौत हो गई थी। अपने आधिकारिक आवास पर प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने हमले की कड़ी निंदा की और इसे राज्य में शांति भंग करने के उद्देश्य से गठित व्यक्तियों या समूहों का कृत्य बताया। मुख्यमंत्री सचिवालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि गृह मंत्री और अन्य विधायकों के साथ विस्तृत चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया।

पाकिस्तान में ईंधन की बढ़ती कीमतों से हाहाकार, कफन ओढ़कर सड़कों पर लोग, बोले- जीना हुआ मुश्किल

कराची (जीएनएस)। सिंध प्रांत में व्यापक प्रदर्शन हुए, कराची, हैदराबाद, सुक्कुर और जैकबबाद सहित कई शहरों में नागरिक और राजनीतिक कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और ईंधन की बढ़ती कीमतों और मुद्रास्फीति का विरोध किया। डॉन अखबार के अनुसार, सुक्कुर में सिंध यूनाइटेड पार्टी (एसयूपी) ने प्रेस क्लब के बाहर विरोध प्रदर्शन किया, जहां प्रतिभागियों ने कफन ओढ़कर प्रतीकात्मक भूख हड़ताल की। समर्थकों को संबोधित करते हुए, एसयूपी नेता ईदैन जगिरानी ने पेट्रोल की कीमतों में 80 पेसो की भ्रामक कटौती की आलोचना की, जबकि हाल के हफ्तों में इसमें 137 पेसो प्रति लीटर की भारी वृद्धि हुई थी। उन्होंने कहा कि मुद्रास्फीति बेकाबू हो गई है, जिससे आम नागरिकों के लिए आवश्यक वस्तुएं भी महंगी होती जा रही हैं।

योगी मंत्रिमंडल का बड़ा फैसला: अंबेडकर स्मारकों का होगा सौंदर्यीकरण, शिक्षा मित्रों के मानदेय में बंपर बढ़ोतरी

लखनऊ (जीएनएस)। अंबेडकर जयंती से पहले, योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल ने राज्य भर में सामाजिक न्याय के प्रतीक माने जाने वाले स्मारकों के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण पहल को मंजूरी दी है। एक महत्वपूर्ण निर्णय में, सरकार ने बी.आर. अंबेडकर की प्रतिमाओं को सजावटी छतरियों, चारदीवारी और व्यापक सौंदर्यीकरण उपायों के साथ उन्नत बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस कदम का उद्देश्य इन स्मारकों के सौंदर्य और सांस्कृतिक महत्व को बढ़ाना और साथ ही उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना है। एक व्यापक विकास योजना के तहत, उत्तर प्रदेश सरकार राज्य भर के प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 10 स्मारक स्थलों का जीर्णोद्धार करेगी। इसके लिए कुल 403 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है। यह योजना केवल अंबेडकर तक ही सीमित नहीं रहेगी। इसमें रविदास, कबीर, ज्योतिराव फुले और वाल्मीकि जैसे प्रमुख समाज सुधारकों की प्रतिमाओं और स्मारकों को भी शामिल किया जाएगा, ताकि सामाजिक समानता और सुधार में उनके योगदान को मान्यता दी जा सके। पहले चरण में, सार्वजनिक स्थानों पर स्थापित प्रतिमाओं के व्यापक सौंदर्यीकरण पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा, जिससे बेहतर बुनियादी ढांचा, रखरखाव और दृश्य सौंदर्य सुनिश्चित हो सके। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल ने शिक्षा मित्रों और अंशकालिक प्रशिक्षकों के मासिक मानदेय में महत्वपूर्ण वृद्धि को मंजूरी दे दी है। बुनियादी शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह के अनुसार, शिक्षा मित्रों का मानदेय 10,000 रुपये से बढ़ाकर 18,000 रुपये प्रति माह कर दिया गया है, जबकि अंशकालिक प्रशिक्षकों का मानदेय 9,000 रुपये से बढ़कर 17,000 रुपये प्रति माह हो जाएगा।

पश्चिम एशिया संकट के बीच सरकार का बड़ा बयान, देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं

नई दिल्ली (जीएनएस)। सरकार ने कहा है कि देशभर में पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और प्राकृतिक गैस (पीजी) की आपूर्ति सामान्य बनी हुई है। आज नई दिल्ली में पश्चिम एशिया के हालिया घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने कहा कि किसी भी एलपीजी वितरक केंद्र पर पेट्रोल की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है। उन्होंने बताया कि सभी पेट्रोल पंप सामान्य रूप से चल रहे हैं और पेट्रोल और डीजल की पर्याप्त उपलब्धता है, तथा किसी भी प्रकार की कमी की सूचना नहीं मिली है। सुजाता शर्मा ने कहा कि एलपीजी सिलेंडरों की डिलीवरी भी सुचारू रूप से जारी है और ऑनलाइन एलपीजी बुकिंग लगभग 96% तक बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि कुल वाणिज्यिक एलपीजी आवंटन संकट-पूर्व स्तर के लगभग 70% तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि 5 किलो सिलेंडरों की बिक्री बढ़ाने के लिए सरकार ने इनकी बिक्री दोगुनी करने का नया आदेश जारी किया है।

असम, केरलम और पुडुचेरी में थमा चुनावी शोर, 9 अप्रैल को अब जनता करेगी अपना फैसला

नई दिल्ली (जीएनएस)। असम, केरलम और केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार आज शाम समाप्त खत्म हो गया। असम में 126, केरल में 140 और पुडुचेरी में 30 सीटों पर मतदान गुरुवार को एक ही चरण में होगा। कल, भाजपा के वरिष्ठ नेता और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने असम के बारपेटा, होजाई और डिब्रूगढ़ में जनसभाएं कीं। मोदी ने विश्वास व्यक्त किया कि भाजपा असम में लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी। उन्होंने दोहराया कि राज्य के प्रत्येक जिले और क्षेत्र का विकास उनकी पार्टी और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में असम में शांति और समृद्धि रही है। राज्य में सत्ताधारी पार्टी ने दावा किया कि उसने चाय बागान में काम करने वालों को ज़मीन के मालिकाना हक दिए, महिलाओं के लिए सशक्तीकरण योजनाएं लाई गईं, लड़कियों को वित्तीय मदद दी, और बाल विवाह में 84 प्रतिशत की कमी लाई। भाजपा नेताओं ने दावा किया कि राज्य में बहुविवाह को रोकने के लिए समान नागरिक संहिता लागू की जाएगी। विपक्षी कांग्रेस और उसके गठबंधन के साथियों ने भाजपा पर नफ़रत की राजनीति करने, बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार करने, खासकर मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा और उनके परिवार के सदस्यों पर भ्रष्टाचार के, और गायक जुबिन गर्ग को न्याय दिलाने के लिए गंभीर न होने का आरोप लगाया है।

डीजीसीए का बड़ा फैसला: लंबी दूरी की उड़ानों के लिए पायलटों के उड़ान ड्यूटी समय सीमा में मिली अस्थायी ढील

बैंगलुरू (जीएनएस)। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने मंगलवार को लंबी दूरी की उड़ानों के लिए पायलटों की उड़ान ड्यूटी समय सीमा (एफडीटीएल) में अस्थायी रूप से ढील दी है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। नागरिक उड्डयन मंत्रालय के संयुक्त सचिव, असंगबा चुबा आओ ने एक मीडिया ब्रीफिंग के दौरान पत्रकारों को बताया कि डीजीसीए का यह कदम सुचारू संचालन के लिए पायलटों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से उठाया गया है। डीजीसीए ने हाल ही में वीआईपी और वीवीआईपी यात्रियों को ले जाने वाले विमान संचालकों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं। हाल ही में डीजीसीए ने मुख्यमंत्रियों और राज्यपालों सहित वीआईपी और वीवीआईपी यात्रियों को ले जाने वाले विमान संचालकों के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं और इस बात पर जोर दिया है कि चालक दल पर किसी भी प्रकार का अनावश्यक दबाव नहीं डाला जाना चाहिए जिससे सुरक्षा प्रभावित हो सकती है।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को राहत!

संसद के दोनों सदनों में महाभियोग प्रस्ताव खारिज

नई दिल्ली (जीएनएस)। राज्यसभा के सभापति और लोकसभा अध्यक्ष दोनों ने ही विचार-विमर्श के बाद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने के लिए दायर महाभियोग प्रस्ताव को खारिज कर दिया है। सदस्यों को सूचित किया गया कि भारत के संविधान के अनुच्छेद 324(5), अनुच्छेद 124(4), मुख्य चुनाव आयुक्त एवं अन्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा शर्तें एवं कार्यकाल) अधिनियम, 2023 की धारा 11(2) और न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत राज्यसभा के 63 सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित 12 मार्च, 2026 का एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था, जिसमें कुमार को पद से हटाने की मांग की गई थी। सभी प्रासंगिक पहलुओं और संबंधित मुद्दों का सावधानीपूर्वक और वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करने के बाद, राज्यसभा के अध्यक्ष ने न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 की धारा 3 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए प्रस्ताव की सूचना को स्वीकार करने से इनकार कर दिया। लोकसभा सचिवालय ने कहा किभारत के संविधान (अनुच्छेद 324(5) व 124(4)) और मुख्य चुनाव आयुक्त (नियुक्ति, सेवा की शर्तें और कार्यकाल) अधिनियम, 2023 के तहत धारा 11(2) और न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत लोकसभा के 130 सदस्यों द्वारा हस्ताक्षरित दिनांक 12 मार्च, 2026 के एक प्रस्ताव संबंधी नोटिस लोकसभा अध्यक्ष को सौंपा गया था जिसमें मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग की गई थी। सचिवालय ने कहा, प्रस्ताव के नोटिस पर उचित विचार-विमर्श करने और उसमें शामिल सभी प्रासंगिक पहलुओं और मुद्दों के सावधानीपूर्वक और वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन के बाद, लोकसभा अध्यक्ष ने न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 की धारा 3 के तहत उन्हें प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, प्रस्ताव के उक्त नोटिस को स्वीकार करने से इनकार कर दिया है।

सबरीमाला मामला सुप्रीम कोर्ट सुनवाई : जैसी सबकी अलग प्रथा, वैसी सबरीमाला की भी...सबरीमाला मंदिर मामले में एसजी मेहता ने दी दमदार दलील

नई दिल्ली (जीएनएस)। सुप्रीम कोर्ट की नौ जजों की बेंच 7 अप्रैल से सबरीमाला मंदिर समेत धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव और धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे से संबंधित याचिकाओं पर अंतिम सुनवाई की। संविधान पीठ की अध्यक्षता मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत कर रहे हैं। यह मामला 2018 के उस फैसले से जुड़ा है, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने 4-1 के बहुमत से 10 से 50 वर्ष की महिलाओं को सबरीमाला मंदिर में प्रवेश की अनुमति दी थी और इस प्रतिबंध को असंवैधानिक बताया था। 2019 में एक अलग पांच जजों की बेंच ने महिलाओं के प्रवेश और विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता से संबंधित व्यापक प्रश्नों को विचार के लिए एक बड़ी बेंच के पास भेज दिया था।

लश्कर का फरार आतंकी अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा समेत कई गिरफ्तार

जम्मू-कश्मीर (जीएनएस)। जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों ने एक महत्वपूर्ण संयुक्त अभियान में लश्कर-ए-तैयबा के एक अंतरराज्यीय आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस कार्रवाई को सुरक्षा व्यवस्था के लिए बड़ी सफलता माना जा रहा है, क्योंकि पकड़े गए लोगों में अब्दुल्ला उर्फ अबू हुरैरा भी शामिल है, जो पिछले सोलह वर्षों से फरार चल रहा था और इस दौरान उसने जम्मू-कश्मीर के बाहर भी अपने ठिकाने स्थापित कर लिए थे।
जांच एजेंसियों को इस कार्रवाई में एक ऐसे नेटवर्क का पता चला है जो लंबे समय से आतंकी गतिविधियों को रसद और आर्थिक सहायता उपलब्ध करा रहा था। यह नेटवर्क विभिन्न राज्यों में फैला हुआ था और आतंकियों को छिपने, खाने और अन्य आवश्यक सुविधाएं प्रदान करता था। इस मामले में गिरफ्तार पांच लोगों में से तीन श्रीनगर के निवासी हैं, जिनकी पहचान मोहम्मद नकीब भट, आदिल राशिद भट और गुलाम मोहम्मद मीर उर्फ मामा के रूप में हुई है। इन पर आरोप है कि इन्होंने आतंकियों को शरण देने के साथ-साथ उन्हें भोजन और अन्य सहायता उपलब्ध कराई।

श्रीराम ही भारत के सनातन आदर्श, आस्था और संस्कृति के केंद्र : योगी

जनता यूनियन मथुरा । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वृंदावन में कहा कि भारत का सनातन राजा केवल भगवान श्रीराम हैं, कोई विधर्मी नहीं हो सकता। संत मलूक दास जयंती कार्यक्रम में उन्होंने तुलसीदास के उदाहरण से रामभक्ति और सनातन परंपरा की महत्ता बताई। वंशीवट क्षेत्र स्थित मलूक पीठ पहुंचकर सीएम योगी ने समाधि पूजन किया और शिवलिंग पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत का राजा कोई विधर्मी नहीं हो सकता। भारत का एक ही सनातन राजा है। वह भगवान श्रीराम है। उन्होंने कहा कि कहते हैं तुलसी दासजी एक गरीब ब्राह्मण थे, लेकिन उनसे बड़ा धनी कौन जो सबसे बड़े बादशाह के प्रस्ताव को ठुकरा देते हों कि नहीं वह बादशाह को नहीं जानते। वह एक ही राजा को जानते हैं। वह है भारत का सनातन राजा श्रीराम है। उन्होंने श्रीरामचरित मानस के अंदर रामलीला के माध्यम से जिस जन चेतना को जागृत किया। वह हर भारतीय के लिए एक नई प्रेरणा बनी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरा सौभाग्य है कि आज मुझे भारत भूमि के एक ऐसे दिव्य संत की समाधि और उनकी स्मृतियों को जीवंत बनाये रखने के लिये उनके प्राकट्य उत्सव पर दर्शन का सौभाग्य मिला है। याद करिये 452 वर्ष पहले भारत का मध्य काल, विदेशी आक्रांताओं की बर्बरता, सनातन पर छाये अंधकार, तब भक्ति की अलग धारा लेकर मलूक दास महाराज ने जनजागरण किया। प्रयागराज में जन्म लेकर उन्होंने ब्रज, चित्रकूट, जगन्नाथ पुरी समेत भारत वर्ष में आध्यात्मिक चेतना जाग्रत की। उन्होंने उस समय की क्रूरता भी देखी, लेकिन अपने मूल्यों और आदर्शों पर चले, उसी पर आधारित है आज का सांस्कृतिक भारत। तुलसीदासजी को भी अकबर ने खूब लालच दिया, नवरत्न उनको मुग़ल बादशाह के पास ले जाना चाहते थे, लेकिन उन्होंने कहा कि हम बादशाह को नहीं जानते, मैं एक ही राजा को जानता हूँ और वह भारत के राजा हैं राजा रामचंद्र। भारत का राजा कोई विधर्मी नहीं हो सकता है। मुख्यमंत्री ने रामानंदाचार्य महाराज और उनके शिष्यों का भी स्मरण किया और कहा कि उन्होंने भारत और सनातन के बारे में सोचा है तब भारत भारत बना है। जब सब संत एक मंच पर आये तो राम मंदिर बना है।

गौ हत्या कलंक से मुक्त हो भारत : डॉ राजेंद्र दास महाराज

वृंदावन। भारत भूमि को गौ हत्या कलंक से मुक्ति दिलवाना अत्यंत आवश्यक है। उक्त विचार स्थानीय पानीघाट स्थित श्री पहाड़ी बाबा भक्तमाली गौशाला में श्रीमद्जगदगुरु द्वाराचार्य मलूक दास जी महाराज के 452वें जयंती महोत्सव के समापन अवसर पर अपने उद्बोधन में श्री मलूक पीठाधीश्वर डॉ राजेंद्र दास देवाचार्य महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि गौ संरक्षण, संवर्धन, हेतु गौ आधारित शिक्षा, कृषि एवं चिकित्सा के माध्यम से ही यह कार्य संभव है। उन्होंने मलूक दास जी महाराज के विषय में अवगत कराते हुए कहा कि श्री मलूक दास जी का वैशाख कृष्ण पंचमी को आविर्भाव हुआ और ठीक 108 वर्ष के उपरांत इसी तिथि पर उनका तिरोभाव हुआ। यही नहीं, अपितु अपनी अंगुलियों के आधार पर उनका शरीर भी 108 उंगल का था और वे अजानबाहु भी थे। उन्होंने अकबर से लेकर औरंगजेब तक 4 मुगल बादशाहों का शासनकाल देखा ही नहीं, अपितु चारों को अलग अलग बार सनातन धर्म और मानवता विरोधी कार्यों के लिए बलपूर्वक रोका भी। उनको उड़ीसा में विदुर जी का अवतार भी कहा जाता है। इस अवसर पर राज्यसभा सासन घनश्याम तिवाड़ी ने मलूक पीठाधीश्वर स्वामी राजेंद्र दास जी महाराज को मलूक सा जी के साधना सिद्धांत को पालन करने और सनातन ध्वजा को आगे बढ़ाने वाला बताया। गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज ने मलूक दास जी के विषय में बताते हुए कहा कि मैंने जितना जितना मलूक दास जी महाराज के विषय में पढ़ा, मैं उतना ही प्रभावित होता चला गया। उन्होंने वर्तमान मलूक पीठाधीश्वर राजेंद्र दास जी को मलूक दास जी की परंपरा का सच्चा संवाहक बताया।

भारत अपनी आध्यात्मिक परंपराओं और संतों के मार्गदर्शन से विश्व को नई दिशा देने में सक्षम : भागवत

जनता यूनियन मथुरा । वृंदावन में आयोजित संत मलूक दास महाराज के 452वें जयंती महोत्सव में संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत अपनी आध्यात्मिक परंपराओं और संतों के मार्गदर्शन से विश्व को नई दिशा देने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि देश की प्राचीन संस्कृति और संतत्व ही दुनिया को सुख, शांति और सुंदरता का मार्ग दिखा सकते हैं। भागवत ने पश्चिम एशिया में बढ़ती अशांति का उल्लेख करते हुए कहा कि अब समय आ गया है जब भारत विश्व गुरु की भूमिका निभाए। इसके लिए संतों की शिक्षाओं, करुणा और सत्य के मूल्यों को अपनाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत की रीति-नीति आध्यात्मिक आधार पर होनी चाहिए, जिससे समाज में समरसता और सद्भाव बढ़े। उन्होंने यह भी कहा कि हर व्यक्ति संत नहीं बन सकता, लेकिन सभी को शुद्ध और नैतिक जीवन जीने का प्रयास करना चाहिए। करुणा तभी आती है जब हम दूसरों के दुख को अपना समझें। गौ हत्या के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि यदि समाज में भक्ति की भावना जागृत हो जाए, तो यह समस्या स्वतः समाप्त हो सकती है। इसके लिए जनजागरण आवश्यक है, जिससे सरकार भी जनभावना का सम्मान करे।

प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी समारोह में शामिल हुए। मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद उनका कार्यक्रम यथावत रहा और प्रशासन पूरी तरह सतर्क नजर आया। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर पवन हंस हेलीपैड पर उतरा जहां पहले से ही सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। उनके आगमन को लेकर प्रशासनिक अमले के साथ-साथ बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि और पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे। हेलीपैड पर मुख्यमंत्री का स्वागत योग गुरु बाबा रामदेव, कैबिनेट मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण, राज्यसभा सांसद तेजवीर सिंह, विधायक राजेश चौधरी, पूरन प्रकाश, ठाकुर मेघश्याम, योगेश नौहवार, महापौर विनोद अग्रवाल, पूर्व मेयर मुकेश आर्य बंधु, भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे, महानगर अध्यक्ष राजू यादव, उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजा कांत मिश्रा तथा जिलाधिकारी सीपी सिंह सहित अन्य अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों द्वारा किया गया। मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर क्षेत्र में उत्साह का माहौल देखने को मिला। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों ने पूरे क्षेत्र को पहले ही घेराबंदी कर सुरक्षित कर लिया था वहीं यातायात व्यवस्था को भी सुचारु बनाए रखने के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे। हेलीपैड से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सीधे मलूक पीठ में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए रवाना हो गए। वहां उनके स्वागत और कार्यक्रम को लेकर व्यापक तैयारियां की गई थीं। मुख्यमंत्री कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम में ब्रज के साधु संत और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री जी ने समाधि स्थल पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना किया

जनता यूनियन मथुरा । मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का जनपद मथुरा के वृन्दावन स्थित पवनहंस हेलीपैड पर आगमन हुआ। पवनहंस हेलीपैड पर माननीय मुख्यमंत्री जी का स्वागत माननीय जनप्रतिनिधियों द्वारा पुष्प देकर किया गया। स्वागत में माननीय मंत्री गन्ना विकास एवं चीनी मिलें श्री लक्ष्मी नारायण चौधरी जी, माननीय राज्यसभा सांसद श्री तेजवीर सिंह जी, माननीय महापौर श्री विनोद अग्रवाल जी, माननीय विधायक बल्देव श्री पूरन प्रकाश जी, माननीय विधायक गोवर्धन श्री मेघश्याम सिंह जी, माननीय विधायक मांट श्री राजेश चौधरी जी, माननीय सदस्य विधान परिषद श्री योगेश नौहवार जी, जिलाध्यक्ष श्री निर्भय पाण्डेय जी, महानगर अध्यक्ष श्री हरिशंकर राजू यादव जी, श्री मालूकपीठ आश्रम से श्री गंगा दास जी, श्री अनुराग दास जी, श्री राम चंद्र दास जी, श्री राम लखन दास जी सहित अन्य माननीय जनप्रतिनिधिगण उपस्थित रहे। स्वागत के दौरान उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष श्री शैलजा कांत मिश्र जी, अपर पुलिस महानिदेशक श्रीमती अनुपम कुलश्रेष्ठ जी, पुलिस उप महानिरीक्षक श्री शैलेश कुमार पाण्डेय जी, जिलाधिकारी श्री चंद्र प्रकाश सिंह जी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री श्लोक कुमार जी उपस्थित रहे।

माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने श्री मलूक पीठ आश्रम (समाधि स्थल) के दर्शन किए। श्री मलूक पीठ आश्रम (समाधि स्थल) पर माननीय मुख्यमंत्री जी का स्वागत श्री राधे श्याम दास जी, श्री धनंजय दास जी, श्री सियाराम दास जी, श्री अनिरुद्ध दास जी एवं श्री वासुदेव दास जी द्वारा किया गया।

माननीय मुख्यमंत्री जी ने भगवान शंकर जी के मंदिर (श्री मलूकेशवर महादेव मंदिर) के दर्शन किए, जहां पर 21 बटुक ब्राह्मणों के द्वारा स्वस्ति वाचन किया गया। माननीय मुख्यमंत्री जी ने समाधि स्थल पर विधि-विधान से पूजा-अर्चना किया तथा पुष्पांजली अर्पित करते हुए माल्यार्पण किया। समाधि स्थल पर पुरोहित श्री योगेन्द्र मिश्रा जी और श्री निशांत शास्त्री जी द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ पूजा संपन्न कराई गई तथा पूजा के दौरान श्री किशोर देव दास जी महाराज एवं श्री राजेंद्र दास जी महाराज उपस्थित रहे।

माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने श्री मलूक पीठ आश्रम (समाधि स्थल) के दर्शन के उपरांत श्री मलूकपीठ गौशाला, श्रीमद् जगतगुरू द्वाराचार्य श्री मलूकदास जी महाराज का 452वां पावन जयन्ती महोत्सव कार्यक्रम स्थल पहुंचे। कार्यक्रम स्थल पर माननीय मुख्यमंत्री जी का स्वागत श्री रसिक माधव जी, श्री विष्णुदास जी, श्री गंगादास जी, श्री सज्जन जी, श्री मनुराम दास जी, श्री रामचन्द जी, श्री कन्हैया लाल जी, श्री गुड्डू सिंह जी, श्री रसिया लाल जी श्री दीनबन्धू दास जी एवं श्री देव ज्योति द्विवेदी जी द्वारा किया गया। माननीय मुख्यमंत्री जी ने श्री हनुमान जी के मंदिर के दर्शन किए। उन्होंने गौ-पूजन/गौ-सेवा किया तथा विधि-विधान से पूजा-अर्चना किया एवं माला पहनाया। उन्होंने गौ-माता को गुड एवं केला खिलाया।

श्रीमलूक पीठ गौशाला कार्यक्रम स्थल पर मंचासीन पूज्य संतो, महापुरुषों एवं अन्य गणमान्यजनों ने माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी का स्वागत किया तथा उन्हें श्री बांके बिहारी जी की आकर्षक चित्रपट तथा चांदी की बासुरी भेट की। माननीय मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी ने मंचासीन समस्त पूज्य संतो को माला एवं शॉल पहनाकर सम्मानित किया, जिसमें श्रीमदजगदगुरु द्वाराचार्य श्री अग्रपीठाधीश्वर एवं मलूक पीठाधीश्वर परम पूज्य स्वामी श्री राजेन्द्र दास देवाचार्य जी महाराज, श्रीमद जगदगुरु पीपापीठाधीश्वर परम पूज्य श्री बलराम दास देवाचार्य जी महाराज (वृन्दावन), चतुः सम्प्रदाय श्रीमहान्त परम पूज्य श्री फूलडोल बिहारी जी महाराज (चैतन्य कुटी वृन्दावन), परम पूज्य श्री रामरिछपाल दास जी महाराज, परम पूज्य श्री किशोर देवदास देवजू महाराज (गोरे लाल कुन्ज वृन्दावन), परम पूज्य श्री रसिक माधव दास जी महाराज (प्रेम गली वृन्दावन), परम पूज्य श्री मदनमोहन दास जी महाराज (वृन्दावन), परम पूज्य श्री रसिया बाबा (शरणागति आश्रम वृन्दावन), परम राधाबल्लभ निर्मोही अखाडा महामंडेलश्वर परम पूज्य श्री लाडली शरण जी महाराज तथा श्री घनश्याम तिवाडी जी राज्य सभा सांसद (जयपुर, राजस्थान) थे।

स्कूल चलो अभियान रैली का सफल संचालन

जनता यूनियन मथुरा । मथुरा -शैक्षिक सत्र के नवीन शुरुआत के सफल संचालन एवं नामांकन बढ़ाने के उद्देश्य को लेकर शासन प्रशासन के आदेश के अनुपालन में स्कूल चलो अभियान के अन्तर्गत एक विशाल ब्लाक स्तरीय रैली निकाली गई। इस रैली में क्षेत्र के विभिन्न विधालयों के करीब एक हजार छात्र छात्राओं एवं पचास से अधिक शिक्षक शिक्षिकाओं ने बड़े ही उत्साह पूर्वक प्रतिभाग किया। स्कूल चलो अभियान रैली का सफल संचालन ब्लाक खंड शिक्षा अधिकारी नरेंद्र तंवर के मार्गदर्शन में किया गया। उक्त रैली का सफल संचालन मुख्य अतिथि बीईओ द्वारा शिक्षा विभाग के ब्लाक संसाधन केंद्र से किया गया तदुपरांत रैली ओजस्वी वाणी एवं नारों के मध्य गोवर्धन के मुख्य बाजार एवं व्यस्तम चौराहे से होते हुए निकाली गई।इस दौरान नवीन नामांकन के प्रति अभिवावकों को प्रेरित किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों में बीईओ नरेंद्र तंवर, एआरपी कपिल देव चौधरी,देव कुमार, हरवीर सिंह, मुरारीलाल उपाध्याय, प्रधानाध्यापक अशोक कुमार बौद्ध, सीमा रानी,अंतिमा गर्ग, स्वीटी कुमारी, अंजली शर्मा, एवं अन्य अध्यापक एवं ब्लाक कार्यालय कर्मचारी सहित बहुत ही संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। इस अवसर पर एआरपी देव कुमार एवं स्थानीय प्रधानाध्यपकों ने घर-घर जाकर उन अभिवावकों से संपर्क किया जिनके छात्र अभी तक स्कूल नहीं जा रहे हैं। एआरपी कपिल देव चौधरी ने डीबीटी माध्यम से धनराशि से निशुल्क शासन की सुविधाओं पर विस्तृत प्रकाश डाला वहीं एआरपी हरवीर सिंह ने कहा कि गुणवत्ता पूर्ण शिक्षा प्रत्येक छात्र का अधिकार है। वहीं एआरपी मुरारीलाल उपाध्याय ने शिक्षा के लिए मिलने वाली सुविधाओं पर महत्व डाला। वहीं एआरपी देव कुमार ने गणित एवं विज्ञान किट से उपयोग होने वाली गतिविधियों पर प्रकाश डाला। वहीं मुख्य अतिथि बीईओ नरेंद्र तंवर ने कहा कि इस वर्ष हमारा लक्ष्य ब्लाक के प्रत्येक छात्र को विधालय की मुख्य धारा से जोड़ना है।

रेलवे स्टेशनों पर चोरी करने वाले तीन युवक पकडे

जनता यूनियन मथुरा । जंक्शन पर राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) ने ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 3 लाख 15 हजार रुपये मूल्य के 7 मोबाइल फोन, 1 टैबलेट और 1 लैपटॉप बरामद किए हैं। जीआरपी प्रभारी जितेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने प्लेटफॉर्म नंबर 8 पर आगरा की ओर जाने वाले बोर्ड के पास घेराबंदी कर इन आरोपियों को पकड़ा। गिरफ्तार किए गए अभियुक्तों की पहचान आगरा के अछनेरा थाना क्षेत्र निवासी लखन, बरेली के भोजीपुरा थाना क्षेत्र निवासी वाजिद खान और मथुरा के कोतवाली थाना क्षेत्र निवासी कादर खान के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने स्वीकार किया कि वे ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर यात्रियों के मोबाइल फोन और लैपटॉप चुराते थे। चोरी किए गए सामान को वे राहगीरों या अन्य व्यक्तियों को बेचकर अपनी जरूरतें पूरी करते थे। पुलिस जांच में सामने आया है कि तीनों अभियुक्तों पर पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें चोरी और अवैध हथियार रखने जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। जीआरपी ने इनके खिलाफ विभिन्न धाराओं में कुल आठ मुकदमे दर्ज किए हैं और आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। पुलिस का कहना है कि इस गिरफ्तारी से रेलवे स्टेशनों पर होने वाली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगेगा। यात्रियों को भी सलाह दी गई है कि वे सतर्क रहें और अपने सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

चोरी की 11 मोटरसाइकिल बरामद की

जनता यूनियन मथुरा। पुलिस ने दो वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। वाहन चोरी में शामिल अन्य 03 बाल अपचारी को नियमानुसार पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। अभियुक्त व बाल अपचारियों के कब्जे से चोरी की 11 मोटर साइकिलों को बरामद किया गया। थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर अलवर पुल के बराबर मे पास कच्ची रास्ते पर रेलवे लाइन की ओर से नासिर पुत्र पप्पू निवासी खामनी गोवर्धन रोड थाना हाईवे व साकिर पुत्र बुध्दा निवासी नई बस्ती डीग गेट थाना गोविंद नगर को गिरफ्तार किया। तीन बाल अपचारियों को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। अभियुक्तों व बाल अपचारी के कब्जे से चोरी की 11 मोटरसाइकिल बरामद हुई। जिसके सम्बन्ध में थाना कोतवाली पर अभियोग पंजीकृत किया गया है। कार्यवाही करने वाली पुलिस टीम में प्रभारी निरीक्षक विनोद बाबू मिश्रा थाना कोतवाली, एसआई विपिन तोमर, एसआई नितिन तेवतिया, एसआई मुस्ताक मेहदी, एसआई रविन्द्र बाबू आदि पुलिसकर्मी थे।

भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया

जनता यूनियन मथुरा । राज्यसभा सांसद एवं उत्तर प्रदेश आम आदमी पार्टी के प्रभारी संजय सिंह ने आज बलदेव अवैरनी चौराहे पर स्थित भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किया।

अवैरनी चौराहे पर स्थित भारी जल समूह के साथ पूर्व जिला अध्यक्ष रवि प्रकाश भारद्वाज के नेतृत्व में बालाजी अखाड़ा के अध्यक्ष अजीत पहलवान, सत्येंद्र पहलवान, मोहन पाराशर पहलवान आदि पहलवानों ने साफा, पटुका पहनते हुए माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत किया । अवैरनी चौराहे पर भारी संख्या में स्थानीय लोग आम आदमी पार्टी की टोपी एवं पटुका पहन कर संजय सिंह के स्वागत के लिए बड़े उत्साह के साथ खड़े हुए थे। संजय सिंह जी के साथ-साथ इस यात्रा में चल रहे दिल्ली से चार बार के विधायक चौ सुरेंद्र सिंह जी रवि प्रकाश भारद्वाज ने जोरदार स्वागत किया गया। रोजगार दो, सामाजिक न्याय दो के नारे को लेकर चल रही पद यात्रा में प्रदेश के निवर्तमान अध्यक्ष सभाजीत सिंह, निवर्तमान महासचिव दिनेश सिंह पटेल, ब्रज प्रांत अध्यक्ष डॉ हृदेश चौधरी पश्चिमी प्रांत अध्यक्ष सोमेंद्र ढाका प्रदेश प्रमुख प्रवक्ता वंशराज दुबे विनय पटेल यूथ विंग प्रदेश अध्यक्ष पंकज अवाना ,किसान प्रकोष्ठ प्रांतीय अध्यक्ष अशोक कमांडो मथुरा जिला प्रभारी अश्वनी मिश्रा आगे बड़े नेता चल रहे थे।

मथुरा के रवि प्रकाश भारद्वाज जिला अध्यक्ष सिंह भगत सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष अजय गौतम, महानगर अध्यक्ष प्रवीण भारद्वाज, उपाध्यक्ष राकेश अग्रवाल, निर्मल शर्मा, मधुर सेठ ,चेतन

कृष्णा,हरिश्चंद्र, सोनू फौजी,राजेंद्र सिंह आदि पदयात्रा व्यवस्था में बड़े उत्साह के साथ लगे हुए हैं।

न्यूज ब्रीफ

सीएम को ज्ञापन देने निकले कांग्रेसियों को पुलिस ने होली गेट पर रोका

जनता यूनियन मथुरा । बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए भारी नुकसान को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को जोरदार विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर के नेतृत्व में कार्यकर्ता प्रदेश के मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने जा रहे थे लेकिन पुलिस ने उन्हें रास्ते में ही रोक दिया जिससे पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच तीखी नोकझोंक हो गई। बताया गया कि होली गेट चौराहे पर रोके जाने के बाद कांग्रेस नेताओं ने एसडीएम सुशील कुमार को ज्ञापन सौंपा। जिलाध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि हाल ही में हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से किसानों की फसल पूरी तरह नष्ट हो गई है जिससे वे गंभीर आर्थिक संकट में हैं। उन्होंने कहा कि किसान पहले से ही कर्ज और आर्थिक तंगी से जूझ रहे थे अब इस आपदा ने उनकी स्थिति और खराब कर दी है। उन्होंने आरोप लगाया कि गंग नहर और अपर केनाल में जलकुंभी व सिल्ट जमा होने से सिंचाई व्यवस्था प्रभावित है और विभाग द्वारा केवल खानापूर्ति की जाती है। वहीं कृषि विभाग पर भी पक्षपात के आरोप लगाए गए। कांग्रेस नेताओं ने स्मार्ट मीटर के नाम पर किसानों और गरीबों के उत्पीड़न, बिजली आपूर्ति में कटौती, तथा अधिकारियों के खराब व्यवहार का भी मुद्दा उठाया। उनका कहना था कि सरकार के 24 घंटे बिजली देने के दावे हकीकत से कोसों दूर हैं। पूर्व महानगर अध्यक्ष विक्रम वाल्मीकि ने यमुना प्रदूषण का मुद्दा उठाते हुए कहा कि गंदे नाले सीधे यमुना में गिर रहे हैं, जिससे आस्था को ठेस पहुंच रही है। उन्होंने इसे तत्काल रोकने की मांग की। इसके अलावा शहर में लगने वाले जाम, प्राइवेट स्कूलों की मनमानी फीस और अव्यवस्थित यातायात को लेकर भी नाराजगी जताई गई। इस दौरान बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीएम के आने से पहले सेवायतों को किया गया हाउस अरेस्ट

जनता यूनियन मथुरा । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन से पूर्व में बांके बिहारी मंदिर के दो सेवायतों को पुलिस ने हाउस अरेस्ट कर लिया है। सुबह से ही पुलिस उनके घरों पर पहुंच गई और मुख्यमंत्री के जाने तक घर में ही रहने को कहा, इस पर सेवायतों ने सवाल खड़े किए है। बांकेबिहारी कॉरिडोर के विरोध में आवाज मुखर करने वाले सेवायत हिमांशु गोस्वामी और रजत गोस्वामी को पुलिस ने सुबह ही उनके घर में कैद कर लिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आने से पूर्व ही घर में कैद करने पर सेवायत हिमांशु गोस्वामी का कहना है कि सरकार पता नहीं है, क्योंकि हम सेवायतों से डर रही है। हम कोई गलत काम तो नहीं कर रहे। संविधान ने विरोध करने का अधिकार दिया है। उन्होंने कॉरिडोर का विरोध किया था, सरकार का नहीं। पहले वृंदावन में जब योगी जी आए तब भी उन्हें घर में कैद कर लिया और इस बार भी ऐसा ही किया गया।

शराब के ठेके का विरोध करने वाले नौ ग्रामीणों को भेजा जेल

जनता यूनियन मथुरा । थाना बलदेव पुलिस द्वारा कम्पोजिट देशी व अग्रेजी के शराब के ठेके पर एक राय होकर लाठी डण्डों से तोडफोड करना व सेल्समेनों पर जान से मारने की नीयत से ईट डण्डों से हमला करने के अभियोग में पांच पुरूष व चार महिला आरोपितों को गिरफ्तार किया गया है। थाना बलदेव पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर ग्राम भरतिया को जाने वाले रास्ते पानी की टंकी से करीब 50 मीटर आगे से थाना बलदेव पर पंजीकृत अभियुक्त श्याम वीर पुत्र श्रीपत, सत्तो उर्फ सतेन्द्र पुत्र इन्दरजीत, रिषीपाल पुत्र बिजेन्द्र, फतेह सिह पुत्र टीकम, विकास पुत्र कुमर पाल व चार महिला अभियुक्ताओं को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्तों व अभियुक्तों के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की गयी। सोमवार को चार दर्जन से अधिक ग्रामीण महिला, पुरूषों द्वारा एक राय होकर गांव की कम्पोजिट देशी व अग्रेजी के शराब के ठेके पर ईट डण्डों से हमला करना व ठेके चलाने के लिये दस दस हजार रूपये प्रति महीने की मांग करना न देने पर जान से मारने की धमकी देना के सम्बन्ध में पंजीकृत हुआ था। कार्यवाही करने वाली टीम में थानाध्यक्ष पुष्पेन्द्र कुमार थाना बल्देव, एसआई दयाशंकर, एसआई अरविन्द कुमार, एसआई सज्जन पाल सिह, एसआई देवदत्त सिह थाना बल्देव आदि पुलिसकर्मी थे।

टेलर की दुकान में लगी आग, लाखों का नुकसान

जनता यूनियन मथुरा । कस्बा फरह के बाजार में स्थित एक टेलर की दुकान में बीती रात अज्ञात कारणों से आग लग गई। जिससे ग्राहकों के दर्जनों जोड़ी सिले हुए एव बिना सिले हुए कपड़े जलकर राख हो गए। फरह के आवंला सुल्तानपुर निवासी लोटन सिंह पुत्र किशन सिंह की बाजार में कृष्णा टेलर नाम से दुकान है। बीती रात लोटन सिंह दुकान बंद कर अपने घर चले गए थे। देर रात दुकान से धुआं और आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया और पुलिस को सूचित किया लेकिन आग से दुकान में रखे सिले हुए कपड़े, बिना सिले कपड़ो के अलावा सिलाई मशीनें आदि जलकआर राख हो गये।

राया में नारकोटिक्स टीम की बड़ी कार्रवाई, डोडापोस्त से भरा ट्रक पकड़ा, छह हिरासत में

जनता यूनियन मथुरा । कस्बा राया में मंगलवार सुबह नारकोटिक्स टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए डोडापोस्त से भरा एक ट्रक पकड़ लिया। राजस्थान से पंजाब जा रहे इस ट्रक को हाईवे कट पर घेराबंदी कर रोका गया। सूचना के आधार पर पहुंची नारकोटिक्स टीम ने ट्रक संख्या पीबी 11 सीआर 6535 की तलाशी ली। जांच में ट्रक के अंदर केमिकल के बोरो के पीछे छिपाकर रखे गए करीब साढ़े तीन सौ किलो डोडापोस्त के छिलके बरामद हुए। इन छिलकों का इस्तेमाल अवैध रूप से नशीले पदार्थ बनाने में किया जाता है। कार्रवाई के दौरान टीम ने ट्रक चालक सहित कुल छह लोगों को हिरासत में लिया है। आरोपियों के पास से 65 हजार रुपये नकद भी बरामद किए गए हैं। यह संयुक्त कार्रवाई एएनटीएफ टीम भरतपुर और जयपुर की नारकोटिक्स टीम द्वारा की गई। टीम में निरीक्षक अमरसिंह और पूरनमल मीणा शामिल रहे।

cmyk

45 घंटे बाद वेदांश का शव बरामद

झांसी जयूसं। रक्सा थाना क्षेत्र के ग्राम डोंगरी बांध में 45 घंटे बाद वेदांश का शव बरामद कर लिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया। प्रेमनगर थाना क्षेत्र के महावीरन पुरा मोहल्ले में रहने वाला श्रवण तिवारी, सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के लहर गिर्द कालौनी में रहने वाला शौर्य, सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के प्रेमगंज निवासी वेदांश यादव व प्रेमनगर थाना क्षेत्र के बड़ाकुआं पुलिया नंबर नौ निवासी आतिफ मंसूरी माउंट जी लिट्रा स्कूल में 11 वीं के छात्र थे। उनकी परीक्षाएं खत्म हो चुकी है। चारों प्रेमनगर क्षेत्र में एक स्थान पर ट्यूशन पढ़ते थे। बीती शाम चारों ट्यूशन के लिए घर से निकले थे, लेकिन ट्यूशन न जाकर मोटर साइकिल से चारों डोंगरी बांध पहुंचे थे। डूबने से वेदांश व आतिफ की मौत हो गई। सूचना मिलते ही सीओ सदर रामवीर सिंह, रक्सा थानाध्यक्ष रुपेश कुमार मय स्टॉफ के साथ मौके पर पहुंचे थे। वहीं मंगलवार दोपहर करीब 45 घंटे बाद वेदांश का भी शव बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

एसडीआरएफ टीम ने दोनों दोस्तों का शव बरामद किया

सोमवार को सर्च ऑपरेशन के करीब 15 घंटे बाद आतिफ मंसूरी का शव बरामद हुआ था। वहीं स्थानीय गोताखोरों की मदद से मंगलवार को 45 घंटे बाद वेदांश यादव का शव बरामद कर लिया गया। जहां छात्र डूबे थे, वहां डैम में करीब 30 फीट गहराई बताई जा रही है। घटना के बाद परिजन रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। उनका रो-रोकर बुरा हाल है। थाना प्रभारी रक्सा रूपेश कुमार के अनुसार शव को बरामद कर लिया गया है और उसे पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया।

महिला के शव की शिनाख्त नहीं, एसटीआई टीम गठित

झांसी जयूसं। लहचूरा थाना क्षेत्र के ग्राम बराठा के पास एक युवती का शव पड़ा मिला था। हत्या करने के बाद युवती के शव को यहां फेंका गया था। अब तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। शव की शिनाख्त करने के लिए एसटीआई टीम का गठन किया गया।

लहचूरा थाने के बराठा जाने वाले मार्ग के किनारे गिट्टी पर युवती का शव पड़ा मिला था। युवती की शिनाख्त मिटाने के लिए चेहरे को पत्थर से बुरी तरह कुचल दिया गया था। उसकी उम्र 30 से 35 वर्ष के बीच आंकी जा रही है। वह सलवार सूट पहने थी और पैरों में बिछिया व पायल होने से उसके विवाहित होने की संभावना जताई जा रही है। हत्या करने के बाद युवती के शव को यहां फेंका गया था। अभी तक शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। एसएसपी बीबी जीटीएस मूर्ति ने बताया कि हत्या के खुलासे के लिए एक टीम गठित की गई है। इस टीम में लहचूरा थाना प्रभारी सरिता मिश्रा, स्वॉट प्रभारी जितेंद्र तक्खर समेत चार सदस्य शामिल है। जल्द शिनाख्त करके खुलासा किया जाएगा।

सड़क हादसों में चार की मौत

झांसी जयूसं। अलग - अलग स्थानों पर सड़क हादसों में चार लोगों की मौत हो गई। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम भिजवा दिया।

मध्य प्रदेश के बसई थाना क्षेत्र के सांकुली गांव निवासी अभिषेक लोधी बबीना बाजार से अपने घर लौट रहे थे। इसी दौरान एक तेज रफ्तार वाहन ने बबीना थाना क्षेत्र के गुरु नानक पेट्रोल पंप के पास बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अभिषेक की बाइक वाहन में फंस गई और वे गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की मदद से उन्हें तुरंत बबीना स्थित सरकारी स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। अभिषेक की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बबीना थाना प्रभारी विनय कुमार साहू के अनुसार, शिकायत मिलने के बाद भारतीय दंड संहिता की धारा 281, 125 और 106 के तहत मुकदमा पंजीकृत कर लिया गया है।

वहीं, कोतवाली थाना क्षेत्र के हजरयाना बड़ागांव गेट बाहर निवासी रामसेवक कुशवाहा, एरच थाना क्षेत्र के रामगंज निवासी कुंजन देवी, सदर बाजार थाना क्षेत्र के खिरकपट्टी निवासी राजेंद्र उर्फ टपोरी व मोंठ थाना क्षेत्र के ग्राम टपरियन निवासी परमात्मा अलग- अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए मेडिकल कालेज लाया गया। यहां उपचार के दौरान सभी ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने सभी शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

गरीबी से तंग आकर ग्रामीण ने की आत्महत्या

रक्सा थाना क्षेत्र के ग्राम वाजना निवासी पातीराम ने बीती शाम कच्चे कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के परिजनों व ग्रामीणों से बातचीत की। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक का बेटा दिल्ली में काम करता है। घर पर पति-पत्नी रहते थे। खेती की जमीन भी बेच चुके हैं। इससे पातीराम काफी गरीब हो गया था। खाना खाने के मोहताज रहता था। इन्हीं कारणों के चलते पातीराम ने फांसी लगाकर आत्महत्या की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

स्टूडेंट्स कैरियर काउंसलिंग आयोजित

झांसी जयूसं। प्रेम नगर क्षेत्र में सेंट उमर कॉलेज में स्टूडेंट्स कैरियर काउंसलिंग का आयोजन किया गया जिसमें इंफोसिस कंपनी से आए हुए मजहर अंजुम, एवं अन्य वक्ता समीर, इमरान, सादिक आदि ने स्टूडेंट्स को उनके भविष्य से संबंधित जिज्ञासाओं के उत्तर दिए एवं उन्हें भविष्य में सफलता के टिप्स व उससे संबंधित जानकारी दी। इस अवसर पर जावेद अहमद, तरुण अरोड़ा, शाहिद उल्ला, मनोज श्रीवास्तव, गोपाल रावत, राजेश श्रीवास्तव, मृदुल शुक्ला, आसिफ खान, अजय , विपिन यादव, वरुण कुमार, नब्बन हुसैन, रोज मोहम्मद, अंजय खरे, कंचन गुप्ता, वंदना पांडे आदि उपस्थित रहे। इस काउंसलिंग में स्टूडेंट्स ने अनेकों जानकारियां प्राप्त की।

वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों पर बुन्देलखंड विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय सेमिनार आयोजित

झांसी जयूसं। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर बुन्देलखंड विश्वविद्यालय, झांसी में 21वीं सदी में वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियां% विषयक अंतरराष्ट्रीय वेबिनार का भव्य आयोजन किया गया। इस सेमिनार ने स्वास्थ्य क्षेत्र के राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों को एक मंच पर लाकर वैश्विक महामारी, जलवायु परिवर्तन तथा स्वास्थ्य असमानताओं से निपटने की रणनीतियों पर गहन चर्चा कराई। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मुकेश पांडे ने कहा कि भारत आज आर्थिक प्रगति के पथ पर अग्रसर है, लेकिन बढ़ती जनसंख्या के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को बनाए रखना हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि प्रॉपर लाइफस्टाइल, गुड हेल्थ हैबिट्स, प्रॉपर थिंकिंग तथा वर्क के साथ सस्टेनेबल लाइफस्टाइल और ग्रोथ पर ध्यान देना आवश्यक है। कुलपति ने क्वालिटी ऑफ लाइफ, ओजोन प्रदूषण, कार्बन एमिशन की चर्चा करते हुए युवाओं को स्वस्थ खाद्य पदार्थ ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया। कुलसचिव ज्ञानेंद्र कुमार ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिव्यस की शुरुआत 1948 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की स्थापना के साथ हुई। उन्होंने कहा कि इस वर्ष की थीम %टुगेदर फॉर हेल्थ, स्टैंड विद साइंस% है। उन्होंने फूड हाइजीन, क्लाइमेट चेंज तथा प्रदूषण के स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभावों पर अपने विचार रखे। परीक्षा नियंत्रक श्री राज बहादुर ने कहा कि मानव विकास की यात्रा हजारों वर्षो से चली आ रही है, लेकिन आज स्वास्थ्य बड़ी चुनौती बन गया है। उन्होंने बैलेंस्ड डाइट का उपयोग करते हुए शारीरिक गतिविधियां बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्य अतिथि पूर्व आयुक्त श्री पवन कुमार सिंह ने कहा कि नॉन-कम्युनिकेबल डिसीजेज 40 वर्ष से ऊपर के लोगों में तेजी से फैल रही हैं। हमें दवाओं के भरोसे न रहकर प्राकृतिक तरीकों को अपनाना होगा। पूर्व विभागाध्यक्ष एमएलबी मेडिकल कॉलेज डॉ. दिनेश प्रताप ने चिंता जताई कि आज स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता से हट गया है। त्वरित लाभ व सुख के चक्कर में हम अपने स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं।

मुख्य वक्ताओं में डॉ. मारिया एमिलिया (फेडरल यूनिवर्सिटी ऑफ साओ मेनास, ब्राजील), डॉ. वीटा मेयलिना (इंडोनेशिया), प्रो. डी. कुमार जय (एग्रीकल्चर एंड फॉरेस्ट्री यूनिवर्सिटी, चितवन, नेपाल), डॉ. रवीन्द्रन विवेकानंदन (ओपन यूनिवर्सिटी, श्रीलंका) शामिल हुए। इन्होंने महामारी, जलवायु परिवर्तन तथा स्वास्थ्य असमानताओं पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम में प्रो. ए.के. श्रीवास्तव (चीफ एडिटर, फ्लोरा एंड फॉना मैगजीन), डॉ. सी.एल. बघेल (बायोलॉजिस्ट), प्रो. ए.के. सिंह, प्रो. जे.पी. त्रिपाठी, प्रो. पी.सी. सिंघल, डॉ. योगेश पांडे (बीबीसी), डॉ. सुरेंद्र श्रीवास्तव (बीईआईटी), डॉ. डी.एस. गुप्ता (जिला अस्पताल), डॉ. प्रदीप यादव (जिला अस्पताल), डॉ. बलबीर सिंह (बायो मेडिकल साइंस) ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन सह-आयोजन सचिव डॉ. पूनम मेहरोत्रा एवं डॉ. सत्यवीर सिंह ने किया। आभार आयोजन सचिव डॉ. सत्यवीर सिंह ने ज्ञापित किया। सह-संयोजक डॉ. सचिन उपाध्याय, डॉ. राजीव सिंह, डॉ. रवि कुमार, डॉ. राजेश वर्मा, डॉ. शुभांगी निगम, डॉ. सुमिरन श्रीवास्तव, डॉ. पी.के. सिंह, डॉ. बृजेंद्र कश्यप, डॉ. धर्मेंद्र मणि त्रिपाठी, डॉ. कौशल त्रिपाठी उपस्थित रहे। छात्रों में लाखन सिंह, सोनम यादव, सोनम योगी, खुशी पाठक, लवी यादव, रेखा ने सहयोग किया।

न्यूज ब्रीफ

तलैया में गन्दगी का अम्बार

झांसी जयूसं। हिन्दू मुस्लिम एकता समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष संस्थापक मोहम्मद इमरान खान ने बताया है कि बार्ड नम्बर 47 के तलैया मोहल्ला में जगह-जगह गन्दगी का अम्बार लगा हुआ है सफाई व्यवस्था के लिए कई बार क्षेत्रिय हवलदार व जन सुनवाई पोर्टल के माध्यम से नगर निगम झांसी का ध्यान आकर्षित कराया है परन्तु जिम्मेदार अधिकारियों के कानों में जूह तक नहीं रेंगती। हिन्दू मुस्लिम एकता समिति पुनः नगर निगम झांसी का ध्यान आकर्षित किया गया अगर अब भी शहर की सफाई व्यवस्था पर ध्यान नहीं दिया गया तो हिन्दू मुस्लिम एकता समिति लिखेंगी मुख्यमंत्री कोलिखित ज्ञापन देगी।

एसआर मेक ओवर एण्ड एकेडमी का शुभारंभ

झाँसी जयूसं। जनपद के सीपरी बाजार क्षेत्र स्थित मसीहागंज में एसआर मेकओवर एण्ड एकेडमी यूनीसैक्स सैलून का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम में ब्यूटी इंडस्ट्री से जुड़े लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. संदीप सरावगी ने फीता काटकर सैलून का उद्घाटन किया ।

सैलून की संचालिका शशि राज एवं उनके पति संदीप कुमार ने बताया कि यह संस्थान आधुनिक तकनीक और प्रशिक्षित स्टाफ के साथ शहरवासियों को उच्चस्तरीय ब्यूटी सेवाएं प्रदान करेगा।

इस अवसर पर डॉ. संदीप सरावगी ने कहा कि आज के समय में ब्यूटी और ग्रूमिंग इंडस्ट्री तेजी से आगे बढ़ रही है।कार्यक्रम में संघर्ष सेवा समिति की ओर से आनंद सिंह चौहान, मीना मसीह, अनीता यादव, खुशी यादव धर्मेंद्र कुमार, सोनिया, दीपांशी, रोशनी सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सघन मजिस्ट्रेट चेकिंग में 161 अनियमित यात्री पकड़े

झांसी जयूसं। झांसी रेल मंडल द्वारा आज रायरू रेलवे स्टेशन पर बिना टिकट एवं अनियमित यात्रा करने वालों के विरुद्ध विशेष मजिस्ट्रेट चेकिंग अभियान संचालित किया गया। इस अभियान का नेतृत्व मजिस्ट्रेट अतुल यादव एवं सहायक वाणिज्य प्रबंधक अनिल श्रीवास्तव द्वारा किया गया। इस दौरान सहायक वाणिज्य प्रबंधक आर.के वर्मा मंडल मुख्य टिकट निरीक्षक मनोहर लाल मीणा एवं अरुण सचान भी अपनी टीम के साथ सक्रिय रूप से मौजूद रहे। अभियान के दौरान बिना टिकट एवं अनियमित रूप से यात्रा कर रहे कुल 161 यात्रियों को पकड़ा गया। इन पर कुल 1,04,232 का जुर्माना लगाया गया, जिसमें 80,395 कोर्ट फाइन तथा 23,840 रेल किराये के रूप में मौके पर ही वसूल किए गए। मजिस्ट्रेट चेकिंग के दौरान ट्रेन संख्या 12715 सचखंड एक्सप्रेस, 12617 मंगला एक्सप्रेस, 18238 छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस, 12646 मिलेनियम एक्सप्रेस, 11902 आगराङ्कझांसी एक्सप्रेस एवं 11807 झांसीङ्कआगरा मेमू सहित विभिन्न ट्रेनों में यात्रियों के टिकटों की गहन जांच की गई। इस अभियान को सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने हेतु आरपीएफ एवं जीआरपी के जवान सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे। इसके अतिरिक्त लगभग 33 चेकिंग स्टाफ के सदस्यों ने स्टेशन पर सक्रिय रूप से अपनी जिम्मेदारी निभाई।

उपनिरीक्षक अरुण कुमार तिवारी बने निरीक्षक

झांसी जयूसं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बीबीजीटीएस मूर्ति एवं क्षेत्राधिकारी सदर रामवीर सिंह द्वारा उप निरीक्षक अरुण कुमार तिवारी को निरीक्षक पद पर प्रोन्नत होने पर स्टार लगाकर पदोन्नति की बधाई एवं उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई । इस अवसर पर अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

दो वारंटी गिरफ्तार

झांसी जयूसं। बबीना थाने की पुलिस ने आबकारी अधिनियम के तहत वारंट पर बबीना थाना क्षेत्र के मथुरापुरा निवासी राजाराम और गोपालपुरा निवासी लखन लाल को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को अदालत में पेश किया। यहां से उनको जेल भेजा गया।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

झांसी जयूसं। सीपरी बाजार थाने की पुलिस ने आत्महत्या को प्रेरित करने के मामले में वांछित चल रहे आरोपी को पकड़ लिया। पुलिस के मुताबिक सीपरी बाजार थाना क्षेत्र के ग्राम सिमरधा निवासी दिनेश कुमार अहिरवार को गिरफ्तार कर लिया। उसे अदालत में पेश किया। यहां से उसे जेल भेजा गया।

छह अभियुक्तों को अदालत उठने तक की सजा

झांसी जयूसं। अलग - अलग अदालतों ने विभिन्न मामलों में छह अभियुक्तों को अदालत उठने तक की सजा व अर्थदंड से दंडित किया है। न्यायालय एसीजे (एसडी) की अदालत ने टोड़ीफतेहपुर थाना क्षेत्र के ग्राम बेरबई निवासी हंसराज को दफा 379,411 में दोषी मानते हुए जेल में बिताई गई अवधि की सजा व दो हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। मालूम हो कि नवाबाद थाने की पुलिस ने चोरी की मोटर साइकिल समेत गिरफ्तार कर जेल भेजा था। न्यायालय विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम ने बरुआसागर थाना क्षेत्र में रहने वाले धनीराम कुशवाहा को दफा 279,337,338 में दोषी मानते हुए न्यायालय उठने तक की सजा व 1500 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। सदर बाजार थाने की पुलिस ने धनीराम के खिलाफ सड़क हादसे का मुकदमा दर्ज किया था। वहीं,विशेष न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम ने कोतवाली थाना क्षेत्र के तिलयानी बजरिया मोहल्ले में रहने वाले जाकिर खान को दफा 279,338, 427 में दोषी मानते हुए न्यायालय उठने तक की सजा व 1200 रुपये, बड़ागांव थाना क्षेत्र के ग्राम गौरारी निवासी फूल सिंह कुशवाहा को दफा 323, 504 में दोषी मानते हुए न्यायालय उठने तक की सजा व दो हजार रुपये, रक्सा थाना क्षेत्र के ग्राम बसाई निवासी बलवान को दफा 323,504 में दोषी मानते हुए अदालत उठने तक की सजा व दो हजार रुपये के अर्थदंड, न्यायालय एसीजे (एसडी) ने गरौठा थाना क्षेत्र के ग्राम खड़ौरा निवासी वीरेंद्र कुमार उर्फ विनोद कुशवाहा को 25 आर्म्स एक्ट में दोषी मानते हुए जेल में बिताई गई अवधि व पांच सौ रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

दो युवकों ने युवती से किया बलात्कार, धमकाया

- नौकरी का झांसा देकर युवती को बिहार से लाया गया झांसी
- पीड़ित महिला ने आरोपियों के खिलाफ की कार्रवाई की मांग

झांसी जयूसं। नौकरी का झांसा लाकर बिहार से लायी गई युवती के साथ दो लोगों ने बलात्कार किया। विरोध करने पर युवती के खिलाफ उल्टा मुकदमा दर्ज करने की धमकी दी। पीड़ित ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र देकर न्याय की मांग की। बिहार की रहने वाली एक महिला ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसके पति का स्वर्गवास वर्ष 2023 में हो जाने के कारण वह अपने भरण पोषण के लिए गोरखपुर में एक बिस्कुट फैक्ट्री में नौकरी करने लगी। जनवरी 2024 को वहीं उसकी मुलाकात दिगारा झांसी निवासी एक युवक से हुई। युवक ने महिला को अपने प्रेमजाल में फंसा कर गोरखपुर में किराए से कमरा लेकर महिला को अपने साथ किराए के मकान में अपने साथ रखा और शादी का झांसा देकर उसके साथ संबंध बनाता रहा। युवक नवम्बर 2025 को शादी करने का कहकर महिला को अपने साथ झांसी ले आया और दिगारा में किराए से कमरा लेकर उसको अपने साथ रख लिया।

महिला ने आरोप लगाया कि युवक अपने मिलने वाले को भी अक्सर कमरे में साथ लेकर आता था और युवक का मिलने वाला महिला को अपने ढाबे पर नौकरी का झांसा देकर उसकी मर्जी के बिना शारीरिक संबंध करने लगा। युवक के मिलने वाले ने दिगारा स्थित एक ढाबे पर साफ साफई की नौकरी महिला को दिलवा दी। जिसके आधार पर उक्त दोनों युवक महिला के साथ शारीरिक संबंध बनाने लगे और धमकी देने लगे कि महिला ने किसी के सामने मुंह खोला तो जान से मार देंगे। डर की वजह से महिला ने उक्त दोनों युवकों की कही शिकायत नहीं की। फरवरी 2026 मे युवक ने दिगारा वाला किराए का मकान छोड़कर गुमनावारा में एक स्कूल के सामने किराए से मकान लेकर रखवा दिया। वहां पर भी युवक महिला को शादी का झांसा देकर शारीरिक संबंधित बनाता रहा, लेकिन युवक ने शादी नहीं की और युवक उसको छोड़कर भाग गया और उसका फोन भी नहीं उठाता। महिला ने आरोप लगाया कि बड़ागांव थाना पुलिस को उसने प्रार्थना पत्र दिया लेकिन पुलिस ने दोनों युवकों के खिलाफ कोई कार्रवाई नही की गई है। शिकायती पत्र के माध्यम से दोनों युवकों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

गहोई महासभा। 113 वां का स्थापना दिवस मनाया

झाँसी जयूसं। आज अखिल भारतीय गहोई वैश्य महासभा के केंद्रीय कार्यालय झांसी में अखिल भारतीय महासभा के 113 वां स्थापना दिवस पर महासभा संस्थापक नाथूराम रेजा एवं बलदेव प्रसाद महतेले के चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया और महासभा के स्थापना में उनके उल्लेखनीय योगदान को सराहा, स्थापना दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गहोई गौरव के संस्थापक अध्यक्ष ,भाजपा वरिष्ठ नेता मनमोहन गेडा ने कहा कि महासभा के संस्थापकों के बताए हुए रास्ते पर चलकर गहोई समाज के विकास एवं उत्थान का संकल्प लेते हैं ।इंजी जगदीश कटारे की अध्यक्षता में आयोजित स्थापना दिवस कार्यक्रम में भाजपा के पूर्व अध्यक्ष गहोई समाज कोंच के संरक्षक सुनील लोहिया , राकेश गेंडा,गोपाल मर्, केदार पहारिया ,देवेंद्र नगरिया कोयला वाले, राजेश गुप्ता , कामता प्रसाद बडोनिया ,सुभाष खर्द , के सी नीखरा ,साकेत गांधी, ओमप्रकाश मर, ऋषि लोहिया, रामकुमार लोहिया ,मनोज लोहिया ,अनु गांधी, बंटी सेठ, सुशील गुप्ता ,राजेश गुप्ता ठेकेदार ,नीरज तीतबिलासी मंगल मिलन हेल्प डेस्क एवं परशुराम डेंगरे आदि उपस्थिति रहे। महासभा केंद्रीय कार्यालय मंत्री भरत सेठ ने सभी का आभार व्यक्त किया।

अधिवक्ता को मिली जान से मारने की धमकी

झांसी जयूसं। नवाबाद थाना क्षेत्र के वीरांगना नगर निवासी सुरेश खैरा ने नवाबाद थाने में सूचना दी कि वह अधिवक्ता है। वह अपने चैम्बर सीजीएम कंपाउंड में बैठा था, तभी उसके मोबाइल फोन पर एक कॉल आई और उससे गाली देकर जान से मारने की धमकी दी। उसने फोन पर जान से मारने की धमकी देने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

लापता छात्रा का शव कुएं में मिला

झांसी जयूसं। उल्दन थाना क्षेत्र के ग्राम निमोनी से लापता छात्रा का शव कुएं में पड़ा मिला है। मुंह में कपड़ा ठूंसा हुआ था। इसकी जानकारी लगते ही आस पड़ोस के लोग इकट्ठा हो गए। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

उल्दन थाना क्षेत्र के ग्राम निमोनी निवासी हर्षिता आर्य परिवार समेत रहती थी। उसके पिता का लगभग दस साल पूर्व गंभीर बीमारी के कारण निधन हो गया था। वह इंटरमीडिएट कक्षा 12 की छात्रा थी। दो अप्रैल को वह कोचिंग पढ़ने की बात कहकर निकली थी। इसके बाद उसका पता नहीं चला था। इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर ली थी। इसके बाद लापता हुई छात्रा की तलाश की जा रही थी।

मंगलवार की सुबह गांव के पास स्थित एक पुराने और अनुपयोगी कुएं में झाड़ियों के बीच बदबू आना शुरु हो गई। इसकी जानकारी लगते ही गांव के लोग इकट्ठा हो गए। कुएं के पास जाकर देखा तो वह छात्रा का शव था। इसकी सूचना मिलते ही मृतक के परिजन व पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने मामले की जांच की। ग्रामीणों की मदद से शव को कुएं से बाहर निकाला गया। इसके बाद उसकी पहचान हर्षिता के रुप में की गई। इस मामले में ग्राम प्रधान राजकुमार मिश्रा ने बताया कि शव मिलने के दौरान छात्रा के मुंह में कुछ कपड़े जैसा बंधा हुआ प्रतीत हो रहा था, जिससे ग्रामीणों ने तमाम आशंकाएं जताई। ग्रामणों ने यह भी बताया कि शव के कुछ हिस्सों पर कपड़े नहीं थे, जिससे घटना को लेकर संदेह गहरा गया। परिजनों ने हत्या की आशंका जताई। उन्होंने दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

दो अप्रैल से गायब थी छात्रा, परिजनों ने जताई हत्या की आशंका

एसपी सिटी प्रीति सिंह का कहना है कि अभी उसकी मौत की वजह मालूम नहीं चल सकी है। मामले की जांच कराई जा रही है। परिजनों की आशंका के आधार पर कुछ लोगों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमाटम को भिजवा दिया।

विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया

झांसी जयूसं। मंडल रेल प्रबंधक अनिरुद्ध कुमार के निर्देशन में एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुलदीप स्वरूप मिश्रा तथा अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (प्रशासन) डॉ. सुनीता तिर्की के नेतृत्व में डिविजनल रेलवे हॉस्पिटल के ऑडिटोरियम में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. कुलदीप स्वरूप मिश्रा ने बताया कि विश्व स्वास्थ्य दिवस, विश्व स्वास्थ्य संगठन की स्थापना (1948) के उपलक्ष्य में प्रतिवर्ष मनाया जाता है। इसका उद्देश्य लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

कार्यक्रम के दौरान डॉ. गौरव श्रीवास्तव ने विश्व स्वास्थ्य दिवस एवं वर्ष 2026 की थीम स्वास्थ्य के लिए एकजुट रहें और विज्ञान के साथ खड़े रहें के बारे मेंजानकारी दी। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दिवस शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक स्वास्थ्य के महत्व को समझाने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने बताया कि इस दिवस के माध्यम से लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता बढ़ाने तथा विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों पर जानकारी प्रदान करने हेतु विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस अवसर पर डॉ. सिद्धार्थ कुमार केसरवानी, बृजेंद्र कुशवाहा, श्रीमती गीता चौधरी, श्रीमती पी. जयमणि, श्रीमती सलमा, मुख्य नर्सिंग अधीक्षक, लोकेश (मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक), हरभजन, सुश्री नेहा (एक्स-रे सहायक), सुश्री निशा (फिजियोथैरेपिस्ट) सहित समस्त पैरामेडिकल स्टाफ उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अंत में सहायक नर्सिंग अधिकारी सुश्री सुनीता अहमद ने सभी उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया।

कृषि विश्वविद्यालय व आयुर्वेद संस्थान के बीच एमओयू, शोध व प्रशिक्षण को मिलेगा बढ़ावा

झांसी जयूसं। रानी लक्ष्मी बाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, झांसी और केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान, झांसी के बीच आज एक महत्वपूर्ण मेमोरेंडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह एवं सहायक निदेशक डॉ. रविंद्र सिंह की उपस्थिति रही। विश्वविद्यालय की ओर से कुलसचिव डॉ. एस.एस. कुशवाह तथा केंद्रीय आयुर्वेद अनुसंधान संस्थान की ओर से डॉ. रविंद्र सिंह ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते के माध्यम से दोनों संस्थानों ने साझा शैक्षणिक एवं अनुसंधान हितों पर सहमति व्यक्त करते हुए कृषि, आयुर्वेद एवं संबद्ध विज्ञानों के क्षेत्र में संयुक्त रूप से कार्य करने का निर्णय लिया है। एमओयू का उद्देश्य प्राकृतिक संसाधनों के सतत उपयोग को बढ़ावा देना तथा मध्य भारत, विशेषकर बुंदेलखंड क्षेत्र के लोगों की आजीविका में सुधार लाना है।

इस सहयोग से विद्यार्थियों के शोध कार्यों को नई दिशा मिलेगी, साथ ही रोजगारोन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन के अवसर भी बढ़ेंगे। कुलपति डॉ. अशोक कुमार सिंह ने कहा कि विश्वविद्यालय का मुख्य उद्देश्य कृषि एवं संबद्ध विज्ञानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार सेवाओं को बढ़ावा देना है। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय संस्थानों के साथ सहयोग इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। वहीं, सहायक निदेशक डॉ. रविंद्र सिंह ने बताया कि इस एमओयू के तहत दोनों संस्थान मिलकर बुंदेलखंड क्षेत्र में औषधीय पौधों के गुणों की पहचान, उनके सक्रिय घटकों के निष्कर्षण एवं उससे संबंधित प्रशिक्षण विद्यार्थियों को प्रदान करेंगे। दोनों संस्थानों के प्रमुखों ने वैज्ञानिकों के चयन एवं कार्य बिंदुओं की रूपरेखा तैयार कर संयुक्त शोध कार्यों को प्रभावी रूप से लागू करने पर भी जोर दिया।

इस अवसर पर डॉ. आर.के. सिंह -अधिष्ठाता कृषि, डॉ. एस.के. चतुर्वेदी -निदेशक शोध, डॉ. मनीष श्रीवास्तव-अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी, डॉ. प्रशांत जाम्भुलकर -प्राध्यापक, पादप रोग, डॉ. संजीव कुमार लाले, डॉ. विजय कुमार, डॉ सौरभ मिश्रा, डॉ. हेमंत सोनी सहित अन्य वैज्ञानिक एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

'भाबीजी घर पर हैं फन ऑन द रन' में किरदार को नया आयाम देने का मौका मिला : शुभांगी अत्रे

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' में 'अंगूरी भाभी' का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री शुभांगी अत्रे के लिए फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं।

फन ऑन द रन' बेहद खास और शानदार अनुभव देने वाला रहा। शुभांगी ने बताया कि फिल्म से उनके किरदार को नया आयाम देने का मौका मिला। अभिनेत्री शुभांगी अत्रे ने अपनी फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं। फन ऑन द रन' में अंगूरी भाभी के किरदार को तैयार करने के बारे में खुलकर बात की है। शुभांगी ने बताया कि उन्होंने अपने इस पसंदीदा किरदार को कैसे निभाया और दर्शकों की उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए क्या ख्याल रखा। शुभांगी अत्रे 'भाबीजी घर पर हैं' टीवी सीरीज में अंगूरी भाभी के रोल के लिए खासा लोकप्रिय हैं। अब इसी किरदार के साथ वे बड़े पर्दे पर भी आ चुकी हैं। फिल्म 'भाबीजी घर पर हैं फन ऑन द रन' टीवी शो 'भाबीजी घर पर हैं' पर आधारित है, लेकिन इसमें नई कहानी, नई जगहें और नया रोमांच है। जब शुभांगी से पूछा गया कि टीवी शो से फिल्म में आने के बाद उनके अभिनय के तरीके में कोई बदलाव आया या नहीं, तो उन्होंने साफ कहा कि नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता।

साक्ष्य आधारित स्वास्थ्य

आज की जरूरत, कल की सुरक्षा

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। आज के दौर में हम सब एक ऐसी दुनिया में जी रहे हैं जहां जानकारी की कोई कमी नहीं है। मोबाइल खोलते ही स्वास्थ्य से जुड़ी हजारों सलाह हमारे सामने होती हैं। कभी कोई घरेलू नुस्खा वायरल होता है, तो कभी कोई नई दवा या डाइट ट्रेंड बन जाती है। लेकिन सवाल ये है कि क्या ये सारी जानकारी सही होती है? क्या हम जो मान रहे हैं, वो सच में हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है? ऐसे में जरूरी है साक्ष्य आधारित स्वास्थ्य की जानकारी।

साक्ष्य आधारित स्वास्थ्य का मतलब है ऐसा स्वास्थ्य ज्ञान और इलाज जो वैज्ञानिक शोध, प्रमाण और ठोस तथ्यों पर आधारित हो। यानी जो बातें डॉक्टर, वैज्ञानिक और शोधकर्ता लंबे समय तक अध्ययन करके साबित करते हैं, वही

हमारी सेहत के लिए सबसे भरोसेमंद होती हैं। इसलिए विश्व स्वास्थ्य दिवस 2026 का थीम भी इस बार कुछ ऐसा ही रखा गया है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की स्थापना की वर्षगांठ के उपलक्ष्य में हर साल 7 अप्रैल को विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। सार्वजनिक स्वास्थ्य संबंधी

- रोजमर्रा की आदतों में भी साक्ष्य आधारित सोच जरूरी
- संतुलित आहार लेना, नियमित व्यायाम करना, पर्याप्त नींद लेना स्वस्थ्य के लिए लाभकारी

प्राथमिकता वाले क्षेत्र को उजागर करने के लिए एक विषय का चयन किया जाता है। साल 2026 के लिए 'स्वास्थ्य के लिए एकजुट। विज्ञान के साथ खड़े रहें' थीम रखा गया है। यह वैज्ञानिक उपलब्धियों और साक्ष्यों को कार्रवाई में बदलने पर जोर देता है।

कई बार लोग सोशल मीडिया पर देखी हुई सलाह को तुरंत अपना लेते हैं, बिना ये जाने कि ये उनके शरीर के लिए सही है या नहीं। इसका नतीजा कभी-कभी उल्टा भी पड़ सकता है। वहीं दूसरी तरफ, जब हम साक्ष्य आधारित जानकारी पर भरोसा करते हैं, तो हम न सिर्फ सही इलाज चुनते हैं, बल्कि अपने शरीर को अनावश्यक जोखिम से भी बचाते हैं। आज की सबसे बड़ी जरूरत यही है कि हम सुनी-सुनाई बातों से आगे बढ़ें और तथ्यों पर भरोसा करें। उदाहरण के लिए, टीकाकरण को ही ले लीजिए। कई बार इसके बारे में गलतफहमियां फैलाई जाती हैं, लेकिन वैज्ञानिक शोध साफ बताते हैं कि टीके लाखों जिंदगियां बचाते हैं।

सिर्फ इलाज ही नहीं, हमारी रोजमर्रा की आदतों में भी साक्ष्य आधारित सोच जरूरी है। संतुलित आहार लेना, नियमित व्यायाम करना, पर्याप्त नींद लेना ये सब बातें वैज्ञानिक रूप से साबित हैं कि ये हमें स्वस्थ रखते हैं।

हार्मोनल बदलावों की वजह से गर्भावस्था में कब्ज की परेशानी

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। गर्भावस्था में कब्ज होना आम बात है, लेकिन कुछ महिलाओं को इससे काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसा ज्यादातर हार्मोनल

बदलावों और शारीरिक दबाव की वजह से होता है। ऐसे में कुछ आसान घरेलू उपायों की मदद से इस समस्या से राहत मिल सकती है।

गर्भावस्था के दौरान शरीर में प्रोजेस्टेरोन हार्मोन बढ़ जाता है, जो आंतों की मांसपेशियों को ढीला कर देता है। इसके कारण भोजन को पचाने और मल को निकालने में समय ज्यादा लगता है। इसके अलावा, बढ़ते हुए गर्भाशय का पेट पर दबाव भी आंतों की गति को धीमा कर देता है। कुछ महिलाओं में लो-फाइबर डाइट, पर्याप्त पानी न पीना या बहुत ज्यादा कैफीन (कॉफी और चाय) लेना भी कब्ज की वजह बन सकता है। कई बार डॉक्टर द्वारा दिए जाने वाले आयरन टेबलेट भी कब्ज बढ़ा देते हैं।

अगर आहार में बदलाव किया जाए और पर्याप्त पानी पीया जाए, तो यह मदद कर सकता है। कोशिश करें कि दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीएं। अत्यधिक चाय या कॉफी से बचें, क्योंकि यह शरीर को डीहाइड्रेट कर सकती है और कब्ज बढ़ा सकती है। खाने में हल्का और आसानी से पचने वाला खाना शामिल करें, जैसे साबुत अनाज, दालें, हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल और ताजा सब्जियां। खाने को हमेशा ताजा और गर्म ही खाएं। हल्की-फुल्की एक्सरसाइज या थोड़ी वॉक भी आंतों की गति को बढ़ाने में मदद कर सकती है।

- महिलाओं में लो-फाइबर डाइट कब्ज की बड़ी वजह
- साबुत अनाज, दालें, हरी पत्तेदार सब्जियां, मौसमी फल खाने से मिलेगी राहत

इसके साथ ही शौचालय का समय नियमित करने की कोशिश करें। सुबह उठकर या खाने के बाद शौचालय जाना चाहिए। हालांकि आंतरिक दबाव डालने या जोर लगाने से बचें।

अगर घरेलू उपायों से आराम नहीं मिलता है, तो कुछ आयुर्वेदिक नुस्खे भी मददगार हो सकते हैं। जैसे त्रिफला चूर्ण या अविपत्तिकर चूर्ण। 2 ग्राम त्रिफला चूर्ण को गर्म पानी के साथ रात में सोने से पहले लिया जा सकता है। अविपत्तिकर चूर्ण भी दिन में दो बार 2 ग्राम की मात्रा में लिया जा सकता है। ये नुस्खे पाचन को सुधारते हैं और कब्ज से राहत दिलाने में कारगर हैं।

अगर मल त्याग के दौरान तेज दर्द हो, खून निकलने लगे या समस्या लंबे समय तक बनी रहे, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना चाहिए। कभी-कभी ये गंभीर समस्या का संकेत भी हो सकता है।

स्तन कैंसर इलाज के बाद भी कैंसर का रहता है खतरा

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। कैंसर ट्रीटमेंट के लिए प्रयोग में लाई जा रही थेरेपी से क्या कैंसर का खतरा बढ़ सकता है? सोमवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट ऐसी ही खौफनाक सच्चाई सामने लाती है। जापान में आबादी आधारित एक अध्ययन से पता चला है कि हाल के वर्षों में थेरेपी-रिलेटेड एक्यूट मायलॉइड ल्यूकेमिया (टीएएमएल) की दरों में बढ़ोत्तरी हुई है। खासकर ब्रेस्ट कैंसर के इलाज के बाद!

अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा

अमेरिकन कैंसर सोसाइटी की एक पीयर-रिव्यू पत्रिका, वाइले ऑनलाइन इन कैंसर द्वारा ऑनलाइन प्रकाशित नतीजों से पता चला है कि कैंसर के इलाज के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कुछ थेरेपी बाद में कैंसर का खतरा बढ़ा देती हैं जो सीधे रक्त पर असर डालती हैं। यानी इलाज के बाद दूसरे प्रकार के कैंसर (सेकंडरी प्राइमरी कैंसर) का खतरा सामान्य आबादी की तुलना में बढ़ रहा है।

'टीएएमएल' रक्त और बोन मैरो का एक गंभीर कैंसर है जो पहले हुए किसी प्राइमरी कैंसर के लिए की गई कीमोथेरेपी या रेडिएशन के बाद होता है, इसकी एक वजह इन इलाजों से डीएनए को होने वाला नुकसान हो सकता है। ओसाका इंटरनेशनल कैंसर इंस्टीट्यूट के मुख्य लेखक केन्जी किशिमोटो ने कहा कि यह स्टडी इस बात को बेहतर ढंग से समझने की दिशा में एक अहम कदम है कि कैंसर से बचने वालों की बढ़ती संख्या के साथ टीएएमएल की प्रकृति कैसे बदल रही है।

क्या कैंसर सर्वाइवर्स (उत्तरजीवियों) के साथ-साथ कैंसर इलाज के बाद 'टीएएमएल' के मामले भी बढ़ रहे हैं? इस सवाल का पता लगाने के लिए शोधकर्ताओं ने ओसाका कैंसर रजिस्ट्री के डेटा का विश्लेषण किया। यह डेटा जापान के उन मरीजों से जुड़ा था जिन्हें 1990 से 2020 के बीच एएमएल होने का पता चला था।

एएमएल के लगभग 9,841 मरीजों में से 636 (6.5 प्रतिशत) को टीएएमएल था। टीएएमएल होने की सालाना दर 1990 में प्रति 100,000 आबादी पर 0.13 से बढ़कर 2020 में प्रति 100,000 आबादी पर 0.36 हो गई। कुल एएमएल मामलों में टीएएमएल मामलों का अनुपात लगभग दोगुना हो गया। टीएएमएल होने से पहले जिस प्राइमरी कैंसर का इलाज किया गया।

एक इंसान के अहम ने पूरी दुनिया को मुश्किल में डाला : सुनील लहरी

मुंबई, (एजेंसियां)। टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर अभिनेता सुनील लहरी अक्सर देश-दुनिया की घटनाओं पर अपनी राय साझा करते रहते हैं। सोमवार को उन्होंने कुछ ऐसा ही करते हुए खास वीडियो पोस्ट किया। इस वीडियो में उन्होंने दुनिया में चल रही उथल-पुथल पर विचार शेयर किए।

वीडियो में सुनील कहते हैं, 'नमस्ते दोस्तों, आप लोग देख रहे हैं कि एक व्यक्ति के गलत फैसले ने पूरी दुनिया को मुसीबत में डाल दिया। अब हालात इतने बुरे हैं कि अगर कोई व्यक्ति पीछे हटे, तो उसके देश को करोड़ों डॉलर का भारी नुकसान झेलना पड़ेगा और उसे मजबूरन समझौता करना पड़ेगा। वहीं, अगर वह आगे बढ़ता रहता है, तब भी उसे करोड़ों डॉलर नुकसान ही उठाना पड़ेगा।'

उन्होंने आगे कहा कि वर्तमान स्थिति यह है कि न तो हम आगे बढ़ सकते हैं और न ही पीछे हट सकते हैं। दोनों तरफ नुकसान ही नुकसान है। ऐसे में मेरा मानना है कि ईगो नाम की चीज होनी भी नहीं चाहिए। कोई भी फैसला लेने से पहले कम से कम हजार बार सोचना चाहिए। क्योंकि एक छोटा-सा गलत फैसला बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा सकता है। अभिनेता ने अपनी बात को खत्म करते हुए कहा कि भगवान से बस यही प्रार्थना है कि सब कुछ जल्द ही शांत हो जाए और हर कोई जागरूक रहे। खुश, स्वस्थ और सुरक्षित रहे क्योंकि हालात बहुत खराब हैं। कुछ भी हो सकता है।

अभिनेता ने वीडियो पोस्ट कर लिखा कि एक इंसान का अहम और पूरी दुनिया पर राज करने का सपना, पूरी दुनिया और खुद के देश के लिए मुसीबत का कारण बनता है।

सुनील लहरी रामानंद सागर के मशहूर धारावाहिक रामायण में लक्ष्मण के किरदार से दर्शकों के दिलों में बसे हैं। वह आज भी अपने संदेशों से लोगों को प्रेरित करते हैं। फैंस उनके इस वीडियो को काफी पसंद कर रहे हैं। वे कमेंट सेक्शन पर प्रतिक्रिया देते हुए तारीफों के पुल बांध रहे हैं।

डॉक्टर गूगल और एआई से नहीं, असली डॉक्टर से करें इलाज

ग्रेटर नोएडा, (एजेंसियां)। तेजी से बढ़ते डिजिटल दौर में 'डॉ. गूगल' और एआई पर निर्भरता लोगों के स्वास्थ्य के लिए जोखिम बनती जा रही है। विश्व स्वास्थ्य दिवस के मौके पर यथार्थ सुपर स्पेशियलिटी हॉस्पिटल के डॉ. विनय लाबरू ने

चेतावनी दी कि अधूरी और अप्रमाणित जानकारी के कारण लोग गलत तरीके से सेल्फ डायग्नोसिस कर रहे हैं, जिससे इलाज में देरी और बीमारी के बढ़ने का खतरा बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन जानकारी केवल सामान्य मार्गदर्शन दे सकती है, लेकिन सही निदान के लिए डॉक्टर की सलाह जरूरी है, क्योंकि हर मरीज की स्थिति अलग होती है। जिसके आधार पर हर डॉक्टर हर मरीज के लिए लाइन ऑफ ट्रीटमेंट चुनता है, जो गूगल एआई के द्वारा संभव नहीं है। डॉ. लाबरू के अनुसार, डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर और दिल की बीमारियां अब कम उम्र में तेजी से बढ़ रही हैं, जिनका कारण खराब लाइफस्टाइल, तनाव और शारीरिक गतिविधि की कमी है। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे सोशल मीडिया या इंटरनेट के बजाय विशेषज्ञों की सलाह पर भरोसा करें, नियमित जांच कराएं और स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं।

- विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विशेषज्ञों की चेतावनी
- ऑनलाइन भ्रम से बचें, समय पर सही इलाज अपनाएं

ठंडक, ताजगी और एनर्जी का खजाना 'खसखस'

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। गर्मियों में जब तेज धूप और लू शरीर को थका देती है, तब एक पुराना और असरदार घरेलू उपाय खसखस का शरबत याद आता है। छोटे-छोटे सफेद दानों से बना यह पेय न सिर्फ ठंडक पहुंचाता है, बल्कि ताकत और ताजगी भी देता है। दादी-नानी की रसोई में हमेशा मौजूद खसखस वाकई गर्मी के लिए अमृत समान है। खसखस, जिसे वैज्ञानिक भाषा में पैपावर सोम्नीफेरम कहते हैं, हजारों सालों से हमारे खान-पान और आयुर्वेद में इस्तेमाल होता आ रहा है। आयुर्वेद में इसे पित्त दोष शांत करने वाली जड़ी-बूटी माना गया है। इसकी ठंडी प्रकृति शरीर की अतिरिक्त गर्मी को कम करती है।

आयुर्वेदाचार्यों के अनुसार, गर्मी में बढ़े पित्त के कारण होने वाली पेट की जलन, पैरों में जलन और त्वचा की परेशानियों में खसखस का दूध या शरबत तुरंत आराम देता है। यह मन को शांत रखने में भी मदद करता है। खसखस पोषक तत्वों से भरपूर है। इसमें प्रोटीन, फाइबर, कैल्शियम, मैग्नीशियम,

जिंक और आयरन जैसे पोषक व महत्वपूर्ण तत्व अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं, जिससे गर्मियों में अच्छी नींद आती है। यह मौसमी बीमारियों से बचाव करता है, हृदय के स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद और फ्री रैडिकल्स के नुकसान से भी बचाता है।

गर्मियों में खसखस सबसे ज्यादा उपयोगी इसलिए है क्योंकि इसकी ठंडी तासीर शरीर का तापमान नियंत्रित रखती है और डिहाइड्रेशन से बचाती है। खसखस का पानी पेट के एसिड को

- मैग्नीशियम, जिंक और आयरन जैसे पोषक तत्वों से भरपूर

संतुलित करता है, जिससे एसिडिटी और जलन जैसी समस्याएं कम होती हैं। फाइबर से भरपूर होने के कारण यह पाचन सुधारता है और कब्ज की शिकायत दूर करता है।

यही नहीं, खसखस का तेल जोड़ों के दर्द और सूजन कम करने में भी कारगर है। इसे दूध के साथ पीसकर लगाने से गर्मी की वजह से होने वाले मुंहासे और जलन में राहत मिलती है। इसके एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण त्वचा की सूजन को शांत करते हैं। आधुनिक शोध भी खसखस के इन पारंपरिक फायदों की पुष्टि करते हैं। यह शरीर से विषाक्त पदार्थ निकालने में मदद करता है, रक्त को शुद्ध रखता है और मानसिक तनाव घटाता है। गर्मियों में रोजाना खसखस का सेवन शरीर को ठंडा, स्वस्थ और ऊर्जावान बनाए रखता है। हालांकि, खसखस का सेवन सीमित मात्रा में करें। किसी तरह की एलर्जी की शिकायत हो तो पहले डॉक्टर से सलाह जरूर लें।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है पवनमुक्तासन

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में अनियमित खानपान, व्यायाम की कमी और लगातार तनाव के कारण पेट से जुड़ी समस्याएं आम हो गई हैं। कब्ज, गैस, ब्लोटिंग और अपच जैसी समस्याएं रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित कर रही हैं। ऐसे में 'पवनमुक्तासन' लोगों के लिए प्राकृतिक उपाय बनकर उभरा है।

यह आसन न सिर्फ पाचन तंत्र को मजबूत बनाता है बल्कि पेट, जांघों और कमर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में भी मदद करता है। नियमित अभ्यास से शरीर हल्का और सक्रिय महसूस होता है।

'पवनमुक्तासन' नाम संस्कृत भाषा के तीन शब्दों से मिलकर बना है। 'पवन' का अर्थ 'वायु', 'मुक्त' का अर्थ छोड़ना और आसन का अर्थ मुद्रा है। यानी यह वह आसन है, जो शरीर की अंदरूनी वायु को मुक्त करने में मदद करता है।

पवनमुक्तासन पेट की गैस, कब्ज और पाचन संबंधी विकारों को दूर करने वाला एक अत्यंत प्रभावी योगासन है। यह पेट के अंगों की मालिश करता है, रीढ़ की हड्डी को मजबूत बनाता है

और वात विकारों में राहत देता है। यह पीठ दर्द कम करने और पेट की चर्बी घटाने में भी सहायक है।

यह केवल पेट की समस्याओं तक ही सीमित नहीं है बल्कि यह पेल्विक और प्रजनन अंगों की मांसपेशियों को भी मजबूत करता है। मजबूत पेल्विक मसल्स महिलाओं में मासिक धर्म को नियमित रखने में मदद करते हैं और प्रजनन स्वास्थ्य भी बेहतर होता है।

इस आसन को करना बहुत आसान है और इसके लिए किसी भी खास उपकरण की जरूरत नहीं होती। आप अपने योग मैट या फर्श पर लेटकर अपने घुटनों को धीरे-धीरे सीने की तरफ लाते हैं और हाथों से उन्हें पकड़ लेते हैं। कुछ सेकंड तक इस स्थिति में रहकर फिर धीरे-धीरे पैरों को जमीन पर छोड़ते हैं।

भीषण गर्मी में राहत का दूसरा नाम सूती कपड़े

गर्मियों में सफेद, हल्का गुलाबी, आसमानी और हल्का पीला रंग रहता है अच्छा

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। देश के कई हिस्सों का तापमान तेजी से बढ़ता जा रहा है। ऐसे में चिलचिलाती धूप, उमस और लू के थपेड़ों के बीच किस तरह के कपड़े पहनें, यह एक बड़ी समस्या है। भीषण गर्मी से बचने के लिए सूती कपड़ों से बेहतर विकल्प और कुछ नहीं है।

गर्मियों में अधिकतम तापमान 45 डिग्री तक पहुंच जाता है, तब गलत कपड़े पहनना पसीने, चिपचिपाहट और चिड़चिड़ेपन का कारण बन सकता है। एक्सपर्ट्स की सलाह है कि इस मौसम में हमेशा हल्के सूती (कॉटन) कपड़े ही पहनें। सही कपड़े सिर्फ शरीर को आराम नहीं देते, बल्कि मन को भी शांत रखते हैं। जब शरीर ठंडा और सूखा रहता है, तो चिड़चिड़ापन कम होता है। सूती कपड़े पहनने से मन हल्का और तरोताजा महसूस करता है, जिससे पूरा दिन बेहतर बीतता है। गर्मी के मौसम में सूती कपड़े न सिर्फ आराम देते हैं, बल्कि टिकाऊ और पर्यावरण के अनुकूल भी हैं। पुराने समय से दादी-नानी गर्मी के मौसम में सूती कपड़े पहनने की सलाह देती आ रही हैं।

अब सवाल है कि सूती कपड़ा ही क्यों? सूती कपड़ा पूरी तरह प्राकृतिक होता है। इसमें कोई रसायन या सिंथेटिक फाइबर नहीं होता। इसकी सबसे बड़ी खूबी यह है कि यह हवा को आसानी से आने-जाने देता है। कहने का मतलब है कि यह सांस लेने

योग्य फैब्रिक है। इससे तेज धूप में भी त्वचा ठंडी और सूखी रहती है। दूसरा बड़ा फायदा यह है कि सूती कपड़ा पसीने को बहुत अच्छी तरह सोख लेता है। पसीना कपड़े में फैल जाता है और हवा के संपर्क में आने से जल्दी सूख जाता है। इससे शरीर ठंडा रहता है और चिपचिपाहट नहीं होती। वहीं, पॉलिएस्टर या नायलन जैसे सिंथेटिक कपड़े पसीना नहीं सोखते। पसीना त्वचा पर ही जमा रहता है, जिससे घमौरियां, खुजली और पसीने की बदबू जैसी समस्याएं हो जाती हैं।

सूती कपड़े हल्के, मुलायम और त्वचा के अनुकूल होते हैं। ये रोजमर्रा के इस्तेमाल के लिए बहुत आरामदायक हैं। चाहे कैजुअल या फॉर्मल किसी भी तरह से पहन सकते हैं। सूती कपड़ों में धारियां, चेक और सादे डिजाइन उपलब्ध होते हैं, जो परंपरा और आधुनिक फैशन दोनों को जोड़ते हैं। गर्मी में कपड़ों के साथ ही रंगों का चुनाव भी बहुत जरूरी है। कपड़े का रंग भी गर्मी को प्रभावित करता है। गर्मियों में हल्के रंग जैसे सफेद, हल्का गुलाबी, आसमानी और हल्का पीला, क्रीम सबसे अच्छे माने जाते हैं। ये रंग सूरज की किरणों को वापस कर देते हैं।

महंगे लेजर या शॉक वेव नहीं, घुटनों के दर्द में हाइड्रोथेरेपी सबसे प्रभावी

नई दिल्ली, (एजेंसियां)। घुटनों का दर्द आज कई लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित कर रहा है। यह दर्द धीरे-धीरे बढ़ता है और हड्डियों और जोड़ों की कार्यक्षमता को कम कर देता है। इस समस्या से परेशान लोग अक्सर दवाओं और लेजर थेरेपी या शॉक वेव जैसी महंगी तकनीकी उपचारों की तरफ रुख कर लेते हैं। लेकिन हाल ही में एक स्टडी में इससे विपरीत चौंकाने वाले नतीजे सामने आए हैं। प्लॉस वन में प्रकाशित नई स्टडी में शोधकर्ताओं ने 139 क्लिनिकल ट्रायल्स के डेटा का विश्लेषण किया, जिसमें करीब 10,000 प्रतिभागियों की जानकारी शामिल थी। उनका उद्देश्य था विभिन्न नॉन-ड्रग उपचारों की तुलना करना और पता लगाना कि कौन से तरीके सबसे ज्यादा असरदार हैं। इस स्टडी में 12 तरह की थेरेपी शामिल की गईं, जिसमें साधारण एक्सरसाइज से लेकर हाई-टेक उपचार जैसे लेजर और इलेक्ट्रिकल थेरेपी तक सब शामिल थे।

संपादक की कलम से

संघर्ष की भट्ठी में तपकर ही कुंदन बनता है जीवन

धरती पर जीवन अगर बिना चुनौतियों के होता, तो क्या हर कोई सच में खुश होता? शायद नहीं। दरअसल, किसी लक्ष्य को पाने के बाद जो संतोष मिलता है, वह केवल परिणाम से नहीं, बल्कि उस तक पहुंचने की यात्रा से जन्म लेता है। असफलता के बाद खुद को तराशने का जो अवसर मिलता है और फिर सफलता के साथ जो अनुभूति होती है, वही जीवन को सार्थक बनाती है। अगर ये संघर्ष और ठोकरें न हों, तो जीवन नीरस, अधूरा और लक्ष्यहीन हो जाए।

आज रफ्तार में तेजी का समय है, जहां हर कोई जल्दी से जल्दी सब कुछ पाना चाहता है। चाहे बात करिअर की हो या रिश्तों की, धैर्य और निरंतर प्रयास की जगह अधीरता तथा त्वरित परिणामों की चाह ने ले ली है। विशेष रूप से नई पीढ़ी के सामने एक ऐसी दुनिया है, जहां हर प्रश्न का उत्तर एक 'क्लिक' पर उपलब्ध है। विद्यार्थी जब किसी प्रश्न में अटकते हैं, तो तुरंत कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआइ या इंटरनेट का सहारा ले लेते हैं। धीरे-धीरे यह सुविधा एक आदत बनती जा रही है- चुनौतियों से बचने की आदत। यह आदत देखने में आसान जरूर लगती है, लेकिन इसके परिणाम गंभीर हो सकते हैं। जब हम हर कठिनाई से बचने लगते हैं, तो हमारा मस्तिष्क भी कम सक्रिय होता जाता है। सोचने, समझने और समस्या-समाधान की क्षमता कमजोर पड़ने लगती है। इसके साथ ही, तुरंत पाने की तीव्र इच्छा भी बढ़ती जाती है, जो संतोष को कम और असंतोष को अधिक बढ़ाती है।

असफलता जीवन का एक अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन आज की पीढ़ी के लिए उसे स्वीकार करना और समझना एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। जब हम बिना प्रयास के सब कुछ पाने के आदी हो जाते हैं, तो छोटी-सी असफलता भी हमें तोड़ देती है। जबकि सच्चाई यह है कि असफलता ही हमें अपने भीतर झांकने और खुद को बेहतर बनाने का अवसर देती है। एक प्रसिद्ध कहावत है- 'करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।' यानी निरंतर अभ्यास से एक साधारण व्यक्ति भी बुद्धिमान बन सकता है। अगर अभ्यास के स्थान पर केवल 'एक क्लिक' रह जाए, तो यह विकास संभव नहीं है। ज्ञान केवल जानकारी से नहीं, बल्कि अनुभव और प्रयास से आता है।

जीवन का अर्थ यह नहीं कि सब कुछ आसानी से मिल जाए। वह जीवन ही क्या, जो चुनौतियों और संघर्षों से वंचित हो! असली सुंदरता इन्हीं उतार-चढ़ावों में छिपी होती है। चुनौतियां न केवल हमारे धैर्य की परीक्षा लेती हैं, बल्कि हमारे भीतर छिपी क्षमताओं को भी उजागर करती हैं। जिन क्षमताओं से हम अनजान रहते हैं, उनसे हमें यही चुनौतियां परिचित कराती हैं। जब हम किसी कठिन परिस्थिति से जूझते हैं, तब हमारे भीतर का साहस, विवेक और आत्मबल सक्रिय होता है। यही संघर्ष हमें मानसिक, भावनात्मक और आत्मिक रूप से परिपक्व बनाता है। जैसे हीरा तराशे जाने के बाद ही चमकता है, उसी प्रकार चुनौतियां हमारे व्यक्तित्व को निखारती हैं और हमें दमकने का अवसर देती हैं।

इसलिए चुनौतियों से घबराना नहीं चाहिए, बल्कि उन्हें एक अवसर के रूप में स्वीकार करना चाहिए। प्रत्येक संघर्ष हमें कुछ सिखाता है और सफलता की ओर एक कदम आगे बढ़ाता है। यही मार्ग हमें एक बेहतर, सशक्त और प्रेरणादायी व्यक्ति बनाता है। करिअर के क्षेत्र में भी यही बात लागू होती है। सफलता रातोरात नहीं मिलती। उसके पीछे निरंतर मेहनत, धैर्य और संघर्ष छिपा होता है। अगर थामस एडिसन तत्काल सफलता के पक्ष में होते, तो हमें आज बल्ब की रोशनी नहीं मिलती। उन्होंने हजारों बार असफलता का सामना किया। जब उनसे पूछा गया, तो उन्होंने कहा- 'मैं असफल नहीं हुआ, मैंने एक हजार ऐसे तरीके खोजे, जो काम नहीं करते।'

जो लोग चुनौतियों से भागते हैं, वे अक्सर अपनी ही संभावनाओं से दूर हो जाते हैं। वहीं, जो लोग कठिनाइयों का सामना करते हैं, वे धीरे-धीरे अपने लक्ष्य के करीब पहुंचते हैं और आत्मविश्वास से भर जाते हैं। आज के दौर में जिस तरह आत्महत्याओं के मामले बढ़ रहे हैं, उनमें छात्रों की संख्या चिंताजनक रूप से अधिक है। बढ़ती प्रतिस्पर्धा, परीक्षा का दबाव, करिअर को लेकर असमंजस और असफलता का डर युवाओं पर गहरा मानसिक दबाव बना रहे हैं। इसके साथ ही सोशल मीडिया पर तुलना, परिवार की अपेक्षाएं और तुरंत सफलता पाने की चाह भी तनाव को बढ़ाती हैं।

कई छात्र अपनी भावनाएं साझा नहीं कर पाते, जिससे अकेलापन और निराशा बढ़ती है। ऐसे समय में आवश्यक है कि हम मानसिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें, संवाद बढ़ाएं और असफलता को सीख के रूप में स्वीकार करना सिखाएं। यह एक दिन में संभव नहीं हो सकता। इसलिए अपने बच्चों में चुनौतियों का सामना करने का गुण बचपन से ही उनके भीतर डालना चाहिए, जिससे उनका जीवन संवर सके। आज संवाद की कमी, मोबाइल और सोशल मीडिया के अत्यधिक उपयोग, अवास्तविक अपेक्षाएं, तुलना और अहंकार की वजह से लोग एक-दूसरे को पर्याप्त समय नहीं दे पाते, जिससे भावनात्मक दूरी बढ़ती है। छोटी-छोटी बातों को नजरअंदाज करने या खुलकर बात न करने से गलतफहमियां बढ़ती हैं। अगर रिश्तों में धैर्य, समझ, सम्मान और खुला संवाद बनाए रखा जाए, तो इन टकरावों को सुलझाकर रिश्तों को अधिक गहरा बनाया जा सकता है। यह समझना आवश्यक है कि जीवन की बाधाएं टूटने का संकेत नहीं, बल्कि स्वयं को निखारने का अवसर हैं। हर चुनौती हमें पहले से बेहतर बनाती है। इसलिए चुनौतियों से डरकर नहीं, बल्कि उनका सामना करके ही हम जीवन को सही मायनों में जी सकते हैं। चुनौतियों से बचकर नहीं, उनसे निखरकर ही बनता है जीवन।

महेन्द्र तिवारी

उन्नीसवीं शताब्दी का वह कालखंड भारतीय समाज के लिए अत्यंत संवेदनशील था। आंग्ल शासक अपनी सत्ता के मद में चूर होकर भारतीय जनमानस की भावनाओं की निरंतर अनदेखी कर रहे थे। इसी बीच सेना में एक नई बंदूक का आगमन हुआ, जिसे भरने की प्रक्रिया ने विद्रोह की आधारशिला रख दी। उस समय यह समाचार तीव्र गति से फैला कि बंदूक के नए कारतूसों को चिकना बनाने के लिए गाय और सुअर की चर्बी का मिश्रण प्रयोग किया गया है। हिंदू धर्म में गाय को माता माना जाता है और वह परम पूज्य है, जबकि इस्लाम में सुअर को वर्जित माना गया है। ऐसे में यह केवल एक सैन्य परिवर्तन नहीं था, बल्कि प्रत्यक्ष रूप से सैनिकों के धर्म को भ्रष्ट करने का एक सोची-समझी षड्यंत्र प्रतीत होता था। मंगल पांडेय जैसे धर्मनिष्ठ सैनिक के लिए यह असहनीय था। उन्होंने इसे अपनी आस्था और पूर्वजों की मर्यादा पर एक भीषण प्रहार माना।

पराधीनता के विरुद्ध मंगल पांडेय का क्रांतिकारी उद्घोष

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों पर जब भी स्वाभिमान और बलिदान की बात होती है, तो मंगल पांडेय का नाम सबसे अग्रिम पंक्ति में उभरकर आता है। वे उस प्रचंड ज्वाला के प्रथम उद्घोष थे, जिसने दो शताब्दियों से चली आ रही दासता की बेड़ियों को पिघलाने का कार्य प्रारंभ किया था। मंगल पांडेय केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक विचार थे, जिसने सोए हुए राष्ट्र को उसकी अपनी शक्ति और अस्मिता का बोध कराया। उनका जन्म उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद के नगवा गाँव में एक प्रतिष्ठित ब्राह्मण परिवार में हुआ था। धार्मिक संस्कारों और मर्यादाओं के बीच पले-बढ़े मंगल के भीतर राष्ट्रवाद की भावना कूट-कूट कर भरी थी, किंतु परिस्थितियों के वश उन्होंने ईस्ट इंडिया कंपनी की सेना में प्रवेश किया। वे बंगाल की चौंतीसवीं वाहिनी के पैदल सैनिक के रूप में भर्ती हुए। प्रारंभ में उन्होंने अपनी सेवाएँ पूरी निष्ठा के साथ अर्पित कीं, किंतु जैसे-जैसे समय बीतता गया, उन्हें यह आभास होने लगा कि विदेशी शासकों का उद्देश्य केवल शासन करना नहीं, बल्कि भारतीयों की धार्मिक और सांस्कृतिक जड़ों पर प्रहार करना भी है।

उन्नीसवीं शताब्दी का वह कालखंड भारतीय समाज के लिए अत्यंत संवेदनशील था। आंग्ल शासक अपनी सत्ता के मद में चूर होकर भारतीय जनमानस की भावनाओं की निरंतर अनदेखी कर रहे थे। इसी बीच सेना में एक नई बंदूक का आगमन हुआ, जिसे भरने की प्रक्रिया ने विद्रोह की आधारशिला रख दी। उस समय यह समाचार तीव्र गति से फैला कि बंदूक के नए कारतूसों को चिकना बनाने के लिए गाय और सुअर की चर्बी का मिश्रण प्रयोग किया गया है। हिंदू धर्म में गाय को माता माना जाता है और वह परम पूज्य है, जबकि इस्लाम में सुअर को वर्जित माना गया है। ऐसे में यह केवल एक सैन्य परिवर्तन नहीं था, बल्कि प्रत्यक्ष रूप से सैनिकों के धर्म को भ्रष्ट करने का एक सोची-समझी षड्यंत्र प्रतीत होता था। मंगल पांडेय जैसे धर्मनिष्ठ सैनिक के लिए यह असहनीय था। उन्होंने इसे अपनी आस्था और पूर्वजों की मर्यादा पर एक भीषण प्रहार माना। सैनिकों के भीतर असंतोष की अग्नि सुलग रही थी, किंतु मंगल पांडेय ने उस अग्नि को मार्ग दिखाने का निर्णय लिया।

मार्च के अंतिम दिनों में बैरकपुर की छावनी में वातावरण अत्यंत तनावपूर्ण हो गया था। 26 मार्च 1857 का वह दिन भारत के भाग्य को बदलने वाला सिद्ध हुआ। मंगल पांडेय ने अपनी वर्दी पहनी, अपनी बंदूक उठाई और परेड के मैदान में पहुँच गए। उनका मुख मंडल क्रोध और संकल्प से दीप्तिमान था। उन्होंने अपने साथियों का आह्वान किया और चिल्लाकर कहा कि फिरंगियों के सामने झुकना बंद करो। उन्होंने अपने सहकर्मियों से अपनी धर्म-रक्षा के लिए शस्त्र उठाने को कहा। जब उनके वरिष्ठ अधिकारी मेजर ह्यूसन ने उन्हें रोकने का प्रयास किया, तो मंगल की बंदूक से निकली पहली गोली ने उस अधिकारी को धूल चटा दी। यह केवल एक गोली नहीं थी, बल्कि यह विदेशी साम्राज्य के अंत की घोषणा थी। इसके पश्चात लेफ्टिनेंट बॉघ भी उन्हें पकड़ने के लिए आगे बढ़े, किंतु मंगल के साहस के सामने वे भी टिक न सके। मंगल पांडेय ने अदम्य वीरता का परिचय देते हुए अकेले ही ब्रिटिश अधिकारियों का सामना किया।

छावनी के अन्य सैनिक इस दृश्य को देख रहे थे, किंतु उनमें से अधिकांश ने अपने ही साथी के विरुद्ध शस्त्र उठाने से इनकार कर दिया। यह इस बात का प्रमाण था कि मंगल की आवाज़ ने उनके भीतर सोए हुए राष्ट्रवाद को जगा दिया था। जब अंग्रेजी सेना के घेरे ने मंगल को चारों ओर से घेर लिया और उन्हें लगा कि वे अब शत्रुओं के चंगुल में फँस जाएंगे, तो उन्होंने आत्मसमर्पण करने के स्थान पर स्वयं के प्राणों की आहुति देने का निर्णय लिया। उन्होंने अपनी ही बंदूक से अपनी छाती पर गोली चला दी, ताकि वे जीवित रहते हुए अंग्रेजों के दास न बन सकें। यद्यपि वे इस प्रयास में केवल घायल हुए और उन्हें उपचार के बाद बंदी बना लिया गया, किंतु उनका यह कृत्य भारतीय इतिहास की एक युगांतकारी घटना बन गया। अस्पताल में रहने के दौरान और उसके बाद के परीक्षणों के समय भी मंगल पांडेय अडिग रहे। उनसे उन लोगों के नाम पूछे गए जो इस विद्रोह में उनके साथ थे, किंतु उन्होंने किसी भी साथी का नाम उजागर नहीं किया और सारा उत्तरदायित्व स्वयं पर ले लिया।

उन पर त्वरित सैन्य न्यायालय में अभियोग चलाया गया और उन्हें मृत्युदंड की सजा सुनाई गई। फांसी की तिथि 18 अप्रैल नियत की गई थी, किंतु ब्रिटिश शासन उनके प्रभाव से इतना भयभीत था कि उन्हें डर था कि कहीं पूरी सेना विद्रोह न कर दे। इसी आशंका और भय के कारण, निर्धारित तिथि से 10 दिन पूर्व ही 8 अप्रैल 1857 को मंगल पांडेय को बैरकपुर में फांसी दे दी गई। यह उल्लेख करना भी महत्वपूर्ण है कि बैरकपुर के जल्लादों ने मंगल पांडेय को फांसी देने से मना कर दिया था, जिसके कारण बाहर से जल्लाद बुलाए गए। फांसी के फंदे को चूमते समय उनके मुख पर कोई ग्लानि नहीं थी, बल्कि एक असीम शांति थी कि उन्होंने अपने धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर कर दिया।

मंगल पांडेय के बलिदान ने संपूर्ण भारत में एक ऐसी लहर पैदा की, जिसकी कल्पना आंग्ल शासकों ने कभी नहीं की थी। कुछ ही हफ्तों के भीतर, मेरठ, दिल्ली, कानपुर, लखनऊ और झांसी जैसे क्षेत्रों में विद्रोह की ज्वाला फैल गई। 1857 का महान विप्लव, जिसे भारत का प्रथम स्वतंत्रता संग्राम कहा जाता है, वास्तव में मंगल पांडेय की उसी एक गोली का विस्तार था। उन्हें अक्सर एक विद्रोही सैनिक के रूप में चित्रित किया जाता रहा, किंतु भारतीय दृष्टिकोण से वे एक राष्ट्रनायक और क्रांति के अग्रदूत थे। उनके द्वारा जलाई गई ज्योति ने आगामी नौ दशकों तक भारतीय स्वाधीनता सेनानियों का मार्ग प्रशस्त किया। सुभाष चंद्र बोस से लेकर भगत सिंह तक, प्रत्येक क्रांतिकारी ने मंगल पांडेय के बलिदान से प्रेरणा प्राप्त की।

इतिहासकारों का एक वर्ग यह तर्क देता है कि 1857 का विद्रोह केवल धार्मिक कारणों से हुआ था, किंतु मंगल पांडेय का कृत्य यह स्पष्ट करता है कि यह आत्म-सम्मान की लड़ाई थी। वे जानते थे कि एक शक्तिशाली साम्राज्य के विरुद्ध अकेले खड़ा होना मृत्यु को निमंत्रण देना है, फिर भी वे पीछे नहीं हटे। उनका यह साहस यह संदेश देता है कि जब बात धर्म, संस्कृति और राष्ट्र के गौरव की हो, तो संख्या बल कोई महत्व नहीं रखता। मंगल पांडेय ने भारतीय सैनिकों के मन से अंग्रेजों के अजेय होने का भ्रम तोड़ दिया था। उन्होंने सिद्ध कर दिया था कि शौर्य और संकल्प के बल पर किसी भी सत्ता को चुनौती दी जा सकती है।

आज भी मंगल पांडेय का नाम प्रत्येक भारतीय के हृदय में देशभक्ति का संचार करता है। वे केवल एक ऐतिहासिक पात्र नहीं हैं, बल्कि वे अन्याय के विरुद्ध प्रतिरोध के प्रतीक हैं। भारत की स्वतंत्रता के पश्चात, उन्हें वह सम्मान प्राप्त हुआ जिसके वे वास्तविक अधिकारी थे। उनकी स्मृति में स्मारक बनाए गए और उनके जीवन गाथा को विद्यालयों के पाठ्यक्रम में सम्मिलित किया गया ताकि आने वाली पीढ़ियां जान सकें कि आजादी की यह नींव किन पत्थरों पर टिकी है। मंगल पांडेय का जीवन हमें सिखाता है कि व्यक्ति नश्वर है, किंतु राष्ट्र के लिए दिया गया उसका बलिदान अमर होता है। उन्होंने जिस चिंगारी को जन्म दिया था, उसी ने अंततः 1947 में उस विशाल साम्राज्य को भस्म कर दिया जिसका सूर्य कभी अस्त नहीं होता था। भारत के इतिहास में मंगल पांडेय सदैव उस प्रथम सेनानी के रूप में पूजे जाएंगे, जिसने भारतीयता के गौरव को सर्वोपरि रखा और हंसते-हंसते मृत्यु का वरण किया। उनका वह गर्जन आज भी बैरकपुर की हवाओं में सुनाई देता है, जो हमें निरंतर स्मरण कराता रहता है कि स्वतंत्रता का मूल्य क्या है और इसे अक्षुण्ण रखने के लिए किस स्तर के त्याग की आवश्यकता होती है।

निष्कर्षतः, मंगल पांडेय ने 1857 में जो साहस दिखाया, वह किसी चमत्कार से कम नहीं था। एक ऐसे समय में जब संपूर्ण आर्यावर्त विदेशी शासन के नीचे दबा हुआ था, उन्होंने अकेले खड़े होकर उस व्यवस्था को झकझोर दिया। उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया; इसने देश की चेतना को ऐसा जगाया कि फिर भारत कभी चैन से नहीं बैठा जब तक कि अंतिम अंग्रेज यहाँ से चला नहीं गया। मंगल पांडेय मात्र एक नाम नहीं, अपितु भारतीय शौर्य की वह पराकाष्ठा है जिसे युगों-युगों तक विस्मृत नहीं किया जा सकता। वे सदैव हमारे वंदनीय रहेंगे।

पवन खेड़ा के घर पहुंची असम पुलिस को नहीं मिले नेताजी

संजय सक्सेना

असम के मुख्यमत्री की पत्नी के पास तीन पासपोर्ट की बात कहकर विवाद खड़े करने वाले कांग्रेस नेता पवन खेड़ा से पूछतांछ के लिये असम पुलिस पवन खेड़ा के दिल्ली आवास पर पहुंच गई। वहां पता चला कि पवन आवास पर नहीं हैं। पवन के विवादास्पद बयान ने राजनीतिक हलकों में तूफान मचा दिया है। इससे असम का चुनाव भी प्रभावित हो सकता है। पवन खेड़ा से पूछताछ के लिए विशेष टीम भेजी गई है, जो इस मामले को गहराई से जांचने का इरादा रखती है। यह घटना न केवल असम की राजनीति को प्रभावित कर रही है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी बहस छेड़ रही है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने हाल ही में एक सार्वजनिक बयान में दावा किया था कि असम के मुख्यमंत्रियों हिमंता बिस्वा सरमा की पत्नी के पास तीन पासपोर्ट हैं। उन्होंने इसे भ्रष्टाचार और अनियमितताओं का प्रतीक बताते हुए सरकार पर हमला बोला। इस बयान ने सोशल दुर्गा को हिला दिया और भाजपा समर्थकों ने तुरंत प्रतिक्रिया दी। असम सरकार ने इसे झूठा और अपमानजनक करार देते हुए कानूनी कार्रवाई की घोषणा कर दी। असम पुलिस की एक विशेष इकाई दिल्ली में पवन खेड़ा के आवास पर पहुंच गई है। वे उनसे औपचारिक पूछताछ करेंगे और उनके दावे के साक्ष्य मांगेंगे। पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि यह जांच निष्पक्ष होगी और यदि कोई सबूत नहीं मिला तो उचित कदम उठाए जाएंगे।

बता दें इस घटना की जड़ें कुछ दिनों पहले की हैं। पवन खेड़ा ने एक संवादाता सम्मेलन में कहा था कि मुख्यमंत्रियों की पत्नी रिनिकी भुयां सरमा के पास भारतीय, कनाडाई और अमेरिकी पासपोर्ट हैं। उन्होंने दावा किया कि यह जानकारी आधिकारिक स्रोतों से प्राप्त हुई है। कांग्रेस पार्टी ने इसे असम सरकार के खिलाफ बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश की, लेकिन भाजपा ने इसे राजनीतिक साजिश करार दिया। मुख्यमंत्रियों हिमंता बिस्वा सरमा ने व्यक्तिगत रूप से खंडन किया और कहा कि यह बेबुनियाद आरोप है। उन्होंने पत्नी के पास केवल एक वैध भारतीय पासपोर्ट होने की पुष्टि की। सरमा ने कहा कि ऐसे झूठे बयानों से असम की जनता को गुमराह करने की साजिश रुकनी चाहिए। असम पुलिस की दिल्ली यात्रा सोमवार को शुरू हुई। विशेषज्ञ टीम में वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं, जो राष्ट्रीय राजधानी में स्थानीय पुलिस के सहयोग से काम करेंगे। ताजा खबरों के अनुसार, पुलिस ने पवन खेड़ा को नोटिस जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया है। यदि वे हाजिर नहीं होते तो कोर्ट से वारंट लेने का विकल्प खुला है। कांग्रेस नेता ने अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है, लेकिन उनके करीबी स्रोतों का कहना है कि वे पूरे साक्ष्य के साथ पुलिस के सामने पेश होंगे। इस बीच, दिल्ली पुलिस ने असम टीम को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है।

यह मामला अब अदालत तक पहुंच सकता है। असम सरकार ने पहले ही मानहानि का मुकदमा दायर करने की बात कही है। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि यह विवाद लोकसभा चुनावों से पहले भाजपा और कांग्रेस के बीच जंग को तेज कर देगा। असम में भाजपा की मजबूत पकड़ है, और ऐसे आरोप सरकार की छवि को धूमिल करने की कोशिश हैं। दूसरी ओर, कांग्रेस इसे सत्ता के दुरुपयोग के खिलाफ आवाज बता रही है। पवन खेड़ा, जो कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता हैं, पहले भी कई विवादास्पद बयानों के लिए चर्चा में रहे हैं। उनकी यह टिप्पणी पार्टी की रणनीति का हिस्सा मानी जा रही है।

असम पुलिस की कार्रवाई से राज्य की कानून व्यवस्था पर सकारात्मक संदेश जाता है। पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने कहा कि झूठे आरोपों से जनता का भरोसा डगमगाता है, इसलिए जांच जरूरी है। टीम दिल्ली पहुंचते ही खोजबीन शुरू कर दी। वे पवन खेड़ा के सोशल संदेशों, बयानों के वीडियो और अन्य दस्तावेज इकट्ठा कर रही है। यदि दावा साबित झूठा पाया गया तो देशद्रोह या मानहानि के तहत कार्रवाई हो सकती है। ताजा अपडेट में पता चला है कि खेड़ा ने वकील के माध्यम से कहा है कि वे जांच में सहयोग करेंगे। इस प्रकरण ने असम की राजनीति को नई ऊंचाई दे दी है। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि कांग्रेस असम के विकास को रोकना चाहती है। रिनिकी भुयां सरमा, जो स्वयं एक प्रमुख सामाजिक कार्यकर्ता हैं, ने चुप्पी तोड़ी और कहा कि उनके पास केवल भारतीय नागरिकता का प्रमाण-पत्र है। उन्होंने तीन पासपोर्ट वाले दावे को हास्यास्पद बताया। यह विवाद अब मीडिया में प्रमुखता से छाया हुआ है, और हर नया अपडेट जनता की रुचि बढ़ा रहा है।विपक्षी दलों ने असम पुलिस की दिल्ली यात्रा पर सवाल उठाए हैं। वे इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई बता रहे हैं। आम आदमी पार्टी और अन्य ने कहा कि केंद्र सरकार का दबाव असम पुलिस पर है। लेकिन भाजपा ने इसे कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा बताया। ताजा खबरों के अनुसार, पूछताछ आज शाम तक शुरू हो सकती है। पवन खेड़ा के समर्थक उनके आवास के बाहर जमा हो रहे हैं, जबकि पुलिस सतर्कता बरत रही है। यह घटना भारतीय राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप की एक और मिसाल बन गई है।बहरहाल, यह देखना दिलचस्प होगा कि पूछताछ के बाद क्या होता है। यदि साक्ष्य मिले तो बड़ा खुलासा हो सकता है, वरना कांग्रेस नेता को कानूनी परेशानी झेलनी पड़ सकती है। असम पुलिस की यह पहल राज्य सरकार की संकल्पशक्ति को दर्शाती है। जनता अब सच्चाई का इंतजार कर रही है।

सच्चे ज्ञानी की विशेषता

व्यक्ति सत्संगति से तीन वस्तुओं को-शरीर, शरीर का स्वामी या आत्मा तथा आत्मा के मित्र को-एक साथ संयुक्त देखता है, वही सच्चा ज्ञानी है। जब तक आध्यात्मिक विषयों के वास्तविक ज्ञाता को संगति नहीं होती, वे अज्ञानी हैं, वे केवल शरीर को देखते हैं, और जब यह शरीर विनष्ट हो जाता है, तो समझते हैं कि सब कुछ नष्ट हो गया। लेकिन वास्तविकता यह नहीं है। शरीर के विनष्ट होने पर आत्मा तथा परमात्मा का अस्तित्व बना रहता है, और वे अनेक विविध चर तथा अचर रूपों में सदैव जाते रहते हैं। कभी-कभी संस्कृत शब्द परमेर का अनुवाद जीवात्मा के रूप में किया जाता है, क्योंकि आत्मा ही शरीर का स्वामी है और शरीर के विनाश होने पर वह अन्यत्र देहांतरण कर जाता है। इस तरह वह स्वामी है। लेकिन कुछ लोग इस परमेश्वर का अर्थ परमात्मा लेते हैं। प्रत्येक दशा में परमात्मा तथा आत्मा दोनों रह जाते हैं। वे विनष्ट नहीं होते। जो इस प्रकार देख सकता है, वही वास्तव में देख सकता है कि क्या घटित हो रहा है। जीव, अपना भौतिक अस्तित्व स्वीकार करने के कारण अपने आध्यात्मिक अस्तित्व से पृथक स्थित हो गया है। किंतु यदि वह यह समझता है कि परमेश्वर अपने परमात्मा स्वरूप में सर्वत्र स्थित हैं, अर्थात यदि वह भगवान की उपस्थिति प्रत्येक वस्तु में देखता है, तो वह विघटनकारी मानसिकता से अपने आपको नीचे नहीं गिराता, और इसीलिए वह प्रमश~ वैकुण्ठ-लोक की ओर बढ़ता जाता है। सामान्यतया मन इंद्रियतृप्तिकारी कार्यों में लीन रहता है, लेकिन जब वही परमात्मा की ओर उन्मुख होता है, तो मनुष्य आध्यात्मिक ज्ञान में आगे बढ़ जाता है। यह शरीर परमात्मा के निर्देशानुसार प्रकृति द्वारा बनाया गया है और मनुष्य के शरीर के जितने भी कार्य संपन्न होते हैं, वे उसके द्वारा नहीं किए जाते। मनुष्य जो भी करता है, चाहे सुख के लिए करे या दुख के लिए, वह शारीरिक रचना के कारण उसे करने के लिए बाध्य होता है।

पश्चिम बंगाल की नई वोटर लिस्ट से 91 लाख बाहर

अजय कुमार

सुप्रीम कोर्ट के सख्त आदेश के बाद चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल की फाइनल वोटर लिस्ट जारी कर दी है। छह अप्रैल को शीर्ष अदालत ने 24 घंटे में आयोग को फाइनल वोटर लिस्ट जारी करने का आदेश दिया था। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन संक्षिप्त पुनरीक्षण के बाद अब यह बड़ा कदम उठा। 91 लाख वोटर्स के नाम हटा दिए गए। यह संख्या किसी भूकंप से कम नहीं। हर जिले की अलग सूची जारी की गई ताकि पारदर्शिता बनी रहे। आयोग ने स्पष्ट किया कि 60 लाख से अधिक मतदाता जांच के दायरे में थे। इनमें से 27 लाख से ज्यादा के नाम कट गए। ये पहले से संदिग्ध सूची में थे। मृतकों के नाम भी बड़ी संख्या में शामिल हैं। यह कदम लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत करने वाला है या राजनीतिक खेल का हिस्सा? गौरतलब हो, पश्चिम बंगाल में वोटर लिस्ट लंबे समय से विवादों में थी। विधानसभा चुनावों के दौरान अवैध घुसपैठ के आरोप लगे। बांग्लादेश से आए कथित घुसपैठियों के नामों का मुद्दा गरमाता रहा। भाजपा ने बार-बार चेतावनी दी कि वोटर लिस्ट में फर्जी नाम भरे पड़े हैं। तृणमूल कांग्रेस ने इसे साजिश बताया। सुप्रीम कोर्ट ने दोनों पक्षों की सुनवाई की। अदालत ने कहा कि स्वच्छ वोटर लिस्ट बिना लोकतंत्र अधूरा है। आयोग को निर्देश दिया कि तत्काल कार्रवाई हो। 24 घंटे में लिस्ट जारी करो, वरना अवमानना का सामना करो। यह आदेश आयोग के लिए चुनौती था। पश्चिम बंगाल जैसे बड़े राज्य में लाखों नामों की जांच करना आसान नहीं। फिर भी आयोग ने कमर कस ली। विशेष पुनरीक्षण अभियान चलाया। क्षेत्रीय अधिकारियों को सक्रिय किया। परिणाम सामने आया 91 लाख नाम कट गए।

आंकड़ों पर नजर डालें तो तस्वीर साफ होती है। 60 लाख संदिग्ध मतदाता थे। जांच में 27 लाख कटे। बाकी 91 लाख में मृतक नाम प्रमुख हैं। आयोग ने कहा कि कई नाम ऐसे थे जो दशकों पुराने हैं। मालिक मर चुके, फिर भी लिस्ट में दर्ज। कुछ नाम डुप्लिकेट थे। एक ही व्यक्ति का कई जगह नाम। कुछ अवैध प्रवासियों के। जिले दर जिले सूची जारी हुई। कोलकाता में सबसे ज्यादा कटौती। उत्तर 24 परगना और दक्षिण 24 परगना जैसे सीमावर्ती जिलों में संख्या डरावनी। वहां घुसपैठ का खतरा हमेशा रहता है। आयोग ने दावा किया कि यह प्रक्रिया निष्पक्ष रही, राजनीतिक दबाव से मुक्त। हर नाम हटाने से पहले सत्यापन हुआ। जनप्रतिनिधियों को सूचना दी गई। फिर भी विपक्ष चिल्ला रहा है। तृणमूल का कहना है कि यह भाजपा की साजिश है। वोट बैंक कम करने का प्रयास। लेकिन आयोग के पास प्रमाण हैं। मृत्यु प्रमाण पत्र आधारित हटाए गए नाम। आधार कार्ड से जुटाई गई जानकारी। यह सफाई लोकतंत्र के लिए जरूरी थी। इस कदम के राजनीतिक निहितार्थ गहरे हैं। पश्चिम बंगाल में 23 और 29 अप्रैल को विधानसभा चुनाव के लिये मतदान होना है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल का वर्चस्व है। ममता बनर्जी की सरकार पर घुसपैठियों को संरक्षण देने का आरोप। भाजपा इसे बड़ा मुद्दा बनाएगी। 91 लाख नाम कटने से तृणमूल का वोट बैंक प्रभावित होगा, खासकर मुस्लिम बहुल इलाकों में। आयोग का यह फैसला भाजपा के पक्ष में जाता दिखता है। सुप्रीम कोर्ट का हस्तक्षेप स्वागतयोग्य है। लेकिन सवाल उठता है कि इतना बड़ा सफाया पहले क्यों नहीं हुआ। चुनाव आयोग पर पहले आलोचना हुई कि वह निष्क्रिय है। अब सक्रियता की तारीफ हो रही। फिर भी चुनौतियां बाकी हैं। हटाए गए नामों वाले लोग क्या करेंगे। अपील का रास्ता खुला है। आयोग ने कहा कि वैध साबित करने पर नाम वापस आ सकते हैं। लेकिन समय कम है। चुनावी माहौल में यह विवाद और भड़केगा। राजनीतिक दल सड़कों पर उतरेंगे। शांति भंग होने का खतरा। सामाजिक प्रभाव भी कम नहीं। पश्चिम बंगाल में गरीबी और बेरोजगारी ज्यादा। कई परिवार वोटर कार्ड पर निर्भर। नाम कटने से राशन कार्ड प्रभावित हो सकता।

स्वस्थ रहने के लिये अपनायें प्राकृतिक जीवन शैली

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर गोष्ठी आयोजित

ललितपुर। अधिकारियों से वार्ता करते डिप्टी सीएमओ।

ललितपुर। सीएमओ कार्यालय सभागार मेंविश्व स्वास्थ्य दिवस पर एक गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में प्रभारी सीएमओ डा.अमित तिवारी ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं, बल्कि मानवता के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश है कि हम अपने स्वास्थ्य को जीवन की सर्वोच्च प्राथमिकता बनाएं। कहा कि बीते वर्षों में वैश्विक स्वास्थ्य चुनौतियों ने यह सिखाया है कि मजबूत स्वास्थ्य प्रणाली के बिना सामाजिक और आर्थिक विकास संभव नहीं है। स्वास्थ्य केवल बीमारी का अभाव नहीं, बल्कि शारीरिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्ण स्वस्थ होने की अवस्था है। विशेषज्ञों ने बताया कि वर्तमान जीवनशैली में आए बदलावों के कारण मधुमेह, हृदय रोग और उच्च रक्तचाप जैसी गैर-संचारी बीमारियों का खतरा बढ़ रहा है। फास्ट फूड और प्रोसेस्ड डाइट के बढ़ते प्रचलन से पारंपरिक और पोषक आहार की उपेक्षा हो रही है, जिससे स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। विशेषज्ञों ने संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, पैदल चलने और योग को अपनाने की सलाह दी। कार्यक्रम में स्वच्छता, टीकाकरण, पर्यावरण संरक्षण और शुद्ध पेयजल की उपलब्धता को भी स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया गया। इस दौरान सीएमओ कार्यालय के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मंहगे दाम पर पुरानी किताबें बेचने का आरोप

ललितपुर। आजादपुरा निवासी विनोद कुमार मिश्रा ने जिलाधिकारी को शिकायती पत्र सौंपकर बताया कि उनकी पुत्री महाराजा अग्रसेन विद्यालय में कक्षा-1 की छात्रा है, उसे विद्यालय द्वारा निर्धारित कल्पना बुक डिपो से ही पुस्तकें खरीदने के निर्देश दिए गए थे। 1 अप्रैल 2026 को जब वह उक्त दुकान से किताबें लेने पहुंचे, तो दुकानदार ने उन्हें पुरानी (सेकेंड हैंड) किताबें दे दीं, जबकि उनसे नई पुस्तकों के बराबर या उससे अधिक मूल्य वसूला गया। पीड़ित ने बताया कि इस संबंध में कई बार दुकानदार से नई किताबें उचित मूल्य पर देने का अनुरोध किया गया, लेकिन न तो किताबें बदली गई और न ही संतोषजनक जवाब दिया गया। आरोप है कि दुकानदार ने उपभोक्ता के साथ अनुचित व्यवहार भी किया। जिलाधिकारी से की गई शिकायत में मामले की जांच कर संबंधित दुकान संचालक के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई करने तथा पीड़ित को न्याय दिलाने की मांग की गई है।

अंजनी माता मेला कुम्हैड़ी : धार्मिक आयोजनों ने किया भाव विभोर

हरे राम हरे कृष्णा की गूंज रही

ललितपुर। माँ अंजनी के मंदिर में संकीर्तन करते श्रद्धालु।

ललितपुर। तहसील महरौनी अंतर्गत कुम्हैड़ी के अंजनी माता मंदिर प्रांगण में चल रहे मेले में धार्मिक आयोजनों की धूम है। दिन में 'हरे राम हरे कृष्णा' की गूंज होती है, तो शाम को धार्मिक लोक गायन से माहौल धर्ममय हो जाता है।

माँ अंजनी धर्मार्थ ट्रस्ट के तत्वावधान में हनुमान जयंती पर पूर्णमासी से एक सप्ताह के लिए मेला आयोजित किया जाता है। जिसमें सांस्कृतिक व धार्मिक कार्यक्रम होते हैं। 51 प्रभात फेरी मंडलियों ने ग्राम स्थित बगीचा वाले हनुमानजी मंदिर से धर्म ध्वजा लेकर ग्राम में भ्रमण करते हुए अंजनी दरबार पहुंच कर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर भक्तों ने रामकृष्ण के भजन गाये। एमएलसी प्रतिनिधि, महिला आयोग सदस्य अर्चना पटेल ने प्रभात फेरी मंडलियों की अगवानी की। कमेटी द्वारा मंडलियों का स्वागत कर स्मृति चिन्ह भेंट किए। शाम को बुंदेली धार्मिक, सांस्कृतिक, लोकगीत एवं लोक गायन कार्यक्रम का आयोजन हुआ जिसका शुभारंभ कोतवाली प्रभारी राजा दिनेश सिंह ने फीता काटकर किया। जिसमें बलराम यादव विनीता कुशवाहा एंड पार्टी खरगापुर, विक्रम सिंह बुंदेला सहगायिका मीना राजपूत एंड पार्टी टीकमगढ़ आदि कलाकारों ने श्रीगणेश, माता सरस्वती, अंजनी माता की वंदना करते हुए एक से बढ़कर एक धार्मिक प्रस्तुतियाँ दीं। श्रद्धालुओं ने अंजनी माता के जयकारे लगाये। इस दौरान चौकी इंचार्ज अनुज कुमार अवस्थी, टीका सिंह, दिनेश बिदुआ, संतोष निरंजन नेता, मुकेश श्रीवास्तव, संतोष पटेल, धनीराम टिकरया, बलराम निरंजन, प्रमोद सिरोठिया, संजय रावत, ललित किशोर तिवारी, गिन्नी राजा, रामकुमार नायक, नारायन सिंह राजा, नोने राजा, सत्यदेव खरे, संजय मिश्रा, लक्ष्मीनारायन सोनी, संन्तोष कौशिक, प्रकाशनारायन निरंजन, मुन्नालाल निरंजन आदि मौजूद रहे।

श्रीदीपचन्द्र चौधरी महाविद्यालय में 5 किमी. मैराथन दौड़ सम्पन्न

युवाओं ने दिखाई जबरदस्त भागीदारी

ललितपुर। मैराथन दौड़ कराने आये एडीएम।

ललितपुर। विश्व स्वास्थ्य दिवस पर श्रीदीपचन्द्र चौधरी महाविद्यालय द्वारा पांच किलोमीटर मैराथन का भव्य आयोजन किया गया। यह दौड़ क्षेत्रपाल मंदिर से प्रारंभ होकर महाविद्यालय परिसर तक सफलता पूर्वक सम्पन्न हुई, जिसमें बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं एवं स्थानीय युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। दौड़ का शुभारंभ मुख्य अतिथि एडीएम अंकुर श्रीवास्तव द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस आयोजन प्रमुख रूप से सदर विधायक रामरतन कुशवाहा की गरिमामय उपस्थिति रही। उन्होंने विजेता प्रतिभागियों को शील्ड, मेडल एवं पुरस्कार प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करते हैं। संस्थापक प्रबंधक कमलेश चौधरी ने बताया कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएं न केवल शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देती हैं, बल्कि युवाओं में अनुशासन और प्रतिस्पर्धा की भावना भी विकसित करती हैं। इस दौरान प्रबंध समिति की ओर से डायरेक्टर प्रवीण चौधरी, प्रदीप चौधरी एवं प्रणव चौधरी मौजूद रहे। प्राचार्य जे.एस. तोमर, प्रो.आदित्य मिश्रा, प्रो.बृजेश पटेरिया, डा.राकेश राजन, प्रो.अभिषेक रावत, इंजी.मनीष रैकवार, एनसीसी पीटीआई अतुल सोनी, इंजी.राहुल चतुर्वेदी, प्रो.रोहित रावत, प्रो.आकाश राय, रवि पटेल, प्रो.नीतू शर्मा, प्रो.प्रीति तिवारी, जया जैन, आरजू जैन एवं भगवान दास ने सहयोग किया।

रास्ता रोककर युवक पर जानलेवा हमला, मुकदमा दर्ज

ललितपुर। नगर के मोहल्ला लेंडियापुरा निवासी राजा पुत्र आशाराम ने कोतवाली में दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 6 अप्रैल की सुबह करीब 10.30 बजे वह अपने मित्र शिवम के साथ मोटरसाइकिल से नई बस्ती स्थित अपनी बुआ के घर जा रहा था। जैसे ही वह नई बस्ती क्षेत्र में पहुंचा, पहले से घात लगाए बैठे आरोपियों ने उसकी बाइक रोक ली। आरोप है कि अर्जुन, शिवम कश्यप, शोभित समेत अन्य अज्ञात लोगों ने बिना किसी कारण गाली-गलौज करते हुए सरिया, चाकू, लाठी-डंडों से हमला कर दिया। हमलावरों ने जान से मारने की नीयत से ताबड़तोड़ वार किए, जिससे दोनों युवकों को सिर, चेहरे व शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई। पुलिस ने बीएनएस की धारा 115(2), 126(2), 191(2), 351(3) और 352 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

श्रीशान्तोदय तीर्थ में भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आज से

पदाधिकारियों ने प्रेसवार्ता कर दी जानकारी

ललितपुर। प्रेस वार्ता करते पदाधिकारी।

ललितपुर। जाखलौन थानान्तर्गत श्रीचाँदपुर-जहाजपुर स्थित श्रीशान्तोदय तीर्थ क्षेत्र में 8 से 13 अप्रैल 2026 तक भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा गजरथ महोत्सव एवं विश्व शांति महायज्ञ का महा आयोजन होगा। जिसमें जगत पूज्य निर्यापक श्रमण महामुनिराज सुधासागर महाराज ससंघ का मंगल सानिध्य रहेगा।

महोत्सव की शुरुआत 8 अप्रैल को सुबह मुनिश्री के तीर्थ में भव्य मंगल प्रवेश से होगी, जो घटयात्रा एवं शोभायात्रा के साथ रहेगी। इसी दिन ध्वजारोहण, आचार्य निमंत्रण एवं गर्भ कल्याणक, जन्म कल्याणक पूर्व की क्रियाएं संपन्न करायी जाएंगी। छह दिवसीय इस आयोजन में जन्म, तप, ज्ञान एवं मोक्ष कल्याणक महोत्सव आयोजित होंगे। प्रतिष्ठाचार्य बालब्रह्मचारी प्रदीप भैया सुयश का कुशल निर्देशन रहेगा। आयोजन का संयोजन सकल दिगंबर जैन समाज पंचायत समिति ललितपुर द्वारा किया जा रहा है। संचालन श्रीशान्तोदय तीर्थ क्षेत्र कमेटी धौर्रा कर रही है। महोत्सव का मुख्य आकर्षण 18 फीट ऊंची प्राचीन भगवान शांतिनाथ की प्राचीन प्रतिमा एवं 15 फीट की नवीन प्रतिमाऐं हैं, जिनकी भव्य प्रतिष्ठा सम्पन्न होनी है। यह कार्य मुनिराज सूर्यमंत्र देकर सम्पन्न करायेंगे। इस दौरान प्रतिदिन सुबह अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन विधान आयोजित होंगे, जबकि रात्रि में भव्य दरबार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए कलाकारों द्वारा नृत्य-नाटिका की प्रस्तुति दी जाएगी। आयोजन को सफल बनाने में समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य सक्रिय रूप से जुटे हुए हैं। आयोजकों ने समस्त श्रद्धालुओं से परिवार सहित महोत्सव में शामिल होकर धर्म लाभ अर्जित करने की अपील की है। इस दौरान महामहिम सिंघई डा.महेन्द्र जैन धौर्रा, अध्यक्ष अरविन्द्र जैन ऑप्टीशियन, महामंत्री सिंघई धन्यकुमार जैन एडवोकेट, कोषाध्यक्ष अनुपम अनौरा, कार्यकारी अध्यक्ष संतोष गोयल एडवोकेट, महोत्सव प्रभारी अमितप्रिय जैन, अभिषेक जैन, प्रचार-प्रसार मीडिया प्रमुख रवि जैन चुनगी, उपाध्यक्ष-अनूप सराफ, चक्रेश जैन, ममताजैन, रवीन्द्रजैन, शीलचंद्र, मरफी जैन, पुष्पेन्द्र जैन के साथ आयोजन समिति के पदाधिकारी मौजूद रहे।

ललितपुर से जायेंगी निःशुल्क बसें

श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए क्षेत्र कमेटी द्वारा ललितपुर से शान्तोदय तीर्थ तक जाने के लिये निःशुल्क और सशुल्क बस सेवा उपलब्ध कराई गई है, जो सुबह-शाम श्री अभिनंदनोदय तीर्थ क्षेत्र एवं जैन अटा मंदिरजी से संचालित होगी। मीडिया प्रमुख रवि जैन चुनगी ने बताया कि महोत्सव की सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं।

न्यूज ब्रीफ

स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता जरूरी

ललितपुर। पोस्टर्स दिखती कलाकर छात्राऐं।

ललितपुर। एसडीपीएस इंटरनेशनल स्कूल में विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

विद्यालय के प्रांगण में विद्यार्थियों ने 'स्वस्थ शरीर में स्वस्थ मन' तथा 'स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन है' जैसे विषयों पर आकर्षक पोस्टर बनाए। प्रतियोगिता में बच्चों ने रंगों और चित्रों के माध्यम से संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, स्वच्छता और मानसिक स्वास्थ्य के महत्व को दर्शाया। विद्यार्थियों की रचनात्मकता और संदेश देने की शैली ने सभी को प्रभावित किया।

विद्यालय के चेयरमैन कमलेश चौधरी ने कहा कि आज के समय में स्वास्थ्य के प्रति जागरूक होना अत्यंत आवश्यक है। प्रधानाचार्य जॉन अरुणेश लाल ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य दिवस हमें यह याद दिलाता है कि शारीरिक, मानसिक और सामाजिक स्वास्थ्य का संतुलन हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

निर्णायक मंडल द्वारा विद्यार्थियों के पोस्टरों का मूल्यांकन किया गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को विद्यालय की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।

प्रभारी मंत्री ने लाभार्थी को सौंपी उद्यम की साँकेतिक चाबी

ललितपुर। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान के तहत कलेक्ट्रेट सभागार के बाहर आयोजित एक कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री मो. दानिश आजाद अंसारी ने ट्रैक्टर संचालित आटा चक्की योजना के लाभार्थी को उसके उद्यम की साँकेतिक चाबी प्रदान की।

प्रभारी मंत्री ने लाभार्थी को अपने उद्यम को सफलता पूर्वक संचालित करने के लिए शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने लाभार्थियों से आह्वान किया कि वह मेहनत और लगन के साथ अपने कार्य को आगे बढ़ाएं। उपस्थित अधिकारियों एवं गणमान्य लोगों ने भी योजना की सराहना की और इसे युवाओं के लिए एक सकारात्मक पहल बताया।

वार्ड-26 में पानी की किल्लत, नहीं पहुँच रहा टेंकर

ललितपुर। भाजपा पार्षद गिरिश पाठक (सोनू) ने नगर पालिका परिषद, अपर जिला अधिकारी को पत्र लिखकर शहर के वार्ड-26 में पीने के पानी की भारी समस्या की ओर ध्यानाकर्षण कराया है।

पार्षद ने बताया कि भीषण गर्मी के मौसम में उनके वार्ड में पेयजल की आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई है। कई जगहों पर टैंकर भी नहीं पहुंच पा रहा है। निवासियों को पानी के लिए दूर-दूर तक भटकना पड़ रहा है। बताया कि यहाँ की गलियाँ इतनी संकरी हैं कि टैंकर वहां तक नहीं पहुंच पाता, जिससे लोग बेहाल हो जाते हैं। बताय कि जल निगम के अधिकारियों द्वारा वार्ड में पाइप लाइन डालने का आश्वासन लगभग एक वर्ष पहले दिया गया था, लेकिन आज तक काम शुरू नहीं हुआ है। पार्षद ने अपर जिला अधिकारी से आग्रह किया है कि भीषण गर्मी को देखते हुए तुरंत पेयजल की उचित व्यवस्था की जाए।

श्रीहनुमान जयंती महोत्सव श्रंखला : अखिल भारतीय कवि सम्मेलन ने देर रात तक गुदगुदाया

ललितपुर। रचनायें प्रस्तुत करते फनकार।

ललितपुर। श्रीरामलीला हनुमान जयंती महोत्सव समिति के तत्वावधान में चल रहे 8 दिवसीय कार्यक्रमों की श्रंखला में छठवें दिन तुवन मंदिर प्रांगण में अखिल भारतीय विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में देश भर से आए कवियों ने श्रोताओं को देर रात तक बांधे रखा। कवि सम्मेलन का शुभारंभ भगवान श्रीहनुमान एवं माता सरस्वती के चित्र समक्ष मुख्य अतिथि अशोक पटैरिया, रामेश्वर सडैया, अवधबिहारी उपाध्याय एवं डा.दीपक चौबे द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। आयोजन में विदिशा से संतोष सागर, फिरोजाबाद से यशपाल यश, धौलपुर से रामबाबू सिकरवार, भिलाई से नीलम कश्यप, प्रतापगढ़ से हरि बहादुर सिंह हर्ष, मुल्ताई से दीपक साहू, ललितपुर से महेश मास्साब, मंजू कटारे एवं अखिलेश शांडिल्य अखिल सहित कई कवियों ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। कवियों ने हास्य-व्यंग्य, देशभक्ति और सामाजिक सरोकारों से जुड़ी रचनाओं के माध्यम से दर्शकों को खूब हंसाया और भाव विभोर किया। संतोष सागर, दीपक साहू और हरि बहादुर हर्ष की प्रस्तुतियों ने विशेष रूप से तालियां बटोरीं, वहीं स्थानीय कवियों ने भी अपनी सशक्त रचनाओं से समां बांध दिया। कार्यक्रम के दौरान समिति द्वारा अतिथियों एवं कवियों का सम्मान किया गया। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं नगरवासी उपस्थित रहे। इस दौरान समिति अध्यक्ष बृजेश चतुर्वेदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष रमाकांत चौबे, प्रबंधक हरविन्दर सलूजा, कोषाध्यक्ष अमित तिवारी, महामंत्री डा.प्रबल सक्सेना सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। संचालन संतोष सागर एवं विजय शर्मा ने संयुक्त रूप से किया।

खेत में खड़ी फसल को जोतकर नष्ट करने का आरोप

ललितपुर। तहसील पाली के ?ग्राम जिलौनी निवासी संजली दुलैया पत्नी कृपाल सिंह ने शिकायती पत्र के माध्यम से बताया कि वह एक विधवा हैं। उनके गाटा संख्या 204 स्थित 2.50 एकड़ जमीन पर चकबंदी के बाद उन्हें कब्जा दखल दिया गया था। इस वर्ष उन्होंने खेत में मूंग की फसल बोई थी, जिसकी लागत करीब 50 हजार रुपये थी। पीड़िता का आरोप है कि 31 मार्च 2026 को गांव जमौरा निवासी कुछ दबंगों और एक अन्य व्यक्ति खेत पर आए। उन्होंने लेखपाल और कानूनगो से मिलीभगत कर बोई हुई फसल पर जरीब चलाकर उसे पूरी तरह नष्ट कर दिया। जब महिला ने मौके पर मौजूद लेखपाल महेन्द्र यादव से इसका विरोध किया, तो आरोप है कि उन्होंने अभद्रता करते हुए वहां से भाग जाने को कहा।? प्रार्थना पत्र में दी गई जानकारी के अनुसार, दबंगों द्वारा जमीन कब्जाने की नियत और फसल की बर्बादी से आहत होकर प्रार्थिनी का पुत्र पेड़ पर फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश करने लगा। गनीमत रही कि गांव के लोगों ने उसे समय रहते पेड़ से उतार लिया। पीड़ित ने न्याय की गुहार लगायी है।

खेल के प्रति लगन खोलती उन्नति का मार्ग : सुनील शर्मा

खडोबरा में क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आगाज

ललितपुर। प्रतियोगिता मंच पर अतिथि।

ललितपुर। ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पं.रुद्रनारायण त्रिवेणी शर्मा मेमोरियल इंटर कॉलेज खडोबरा के खेल मैदान में क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य आयोजन किया गया। शुभारंभ सीनियर सिटीजन संघ कार्यवाहक अध्यक्ष पं.राजाराम गोस्वामी, महासचिव पं.जयप्रकाश नारायण द्विवेदी, आचार्य रामकिशन शाक्य एवं प्रधानाचार्य आशीष दीक्षित द्वारा दीप प्रज्वलित कर मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण के साथ किया गया।

टूर्नामेंट के पहले मुकाबले में पं.रुद्र नारायण इंटर कॉलेज खडोबरा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीरा टीम को 4 रन से पराजित किया। चीरा ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का निर्णय लिया था, जिसके जवाब में खडोबरा टीम ने 10 ओवर में 104 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करते हुए चीरा टीम 101 रन पर सिमट गई। इस मैच में गुडडू राजा को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मैच में किंग्स ऑफ रोड़ा (टीम ए) ने रजवारा रॉयल्स को 10 रन से हराकर जीत दर्ज की। किंग्स ऑफ रोड़ा ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 10 ओवर में 140 रन का विशाल लक्ष्य रखा, जिसके जवाब में रजवारा रॉयल्स 130 रन ही बना सकी। इस मुकाबले में राज राजा को मैन ऑफ द मैच का खिताब मिला। आयोजक सुनील शर्मा ने कहा कि खेल के प्रति लगन से ही उन्नति का मार्ग खुलता है। जिला क्रिकेट संघ अध्यक्ष शत्रुघ्न यादव ने कहा कि ऐसे टूर्नामेंट ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को निखारने का सशक्त माध्यम हैं। महिला क्रिकेट चैंपियन सुरभि राजा ने छात्राओं को भी खेलों में बढ़-चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किया। मौके पर देवेन्द्र शर्मा, अंजलि बुंदेला, आकांक्षा राजा, संजय राजा, अजय राजा, रवि यादव, अजय यादव, पं. दिनेश्वर राय, राहुल पटैरिया, रामजू यादव, रामसजीवन यादव, सेदपाल यादव, गुडडू राजा, विकास यादव, अर्जुन कबूतरा सहित बड़ी संख्या में खेलप्रेमी उपस्थित रहे।

14 अप्रैल को मनाएंगे बैसाखी उत्सव

ललितपुर। श्रीगुरुसिंह सभा गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के तत्वावधान में गुरुद्वारा साहिब लक्ष्मीपुरा में सिखों के नौवें गुरुश्री तेग बहादुर का प्रकाश पर्व श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ मनाया गया। सुबह स्त्री साध संगत द्वारा नितनेम साहिब के पाठ किए गए। इसके बाद मुख्यग्रंथी ज्ञानी दलजीत सिंह एवं रंजीतसिंह नेगुरबाणी कीर्तन एवं कथा प्रस्तुत कर संगत को निहाल किया। अंत में सर्वजन कल्याण की अरदास की गई तथा प्रसाद वितरण किया गया। वक्ताओं ने गुरु तेग बहादुरजी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया कि उनका जन्म वर्ष 1621 में अमृतसर में हुआ था। वह सिखों के नौवें गुरु थे और हिंद दी चादर के नाम से विख्यात हैं। उन्होंने मानवता, धर्मऔर न्याय की रक्षा के लिए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान दिया था, जो आज भी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरविंदर सिंह सलूजा ने बताया कि 9 अप्रैल को गुरु अर्जुन देवजी का प्रकाश पर्व तथा 14 अप्रैल को खालसा साजना दिवस (बैसाखी) श्रद्धा भाव से मनाया जाएगा। इसके तहत 13 अप्रैल तक प्रतिदिन नितनेम साहिब के पाठ होंगे, जबकि 14 अप्रैल को श्रीअखंड पाठ साहिब की समाप्ति, निशान साहिब की सेवा एवं लंगर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने नगरवासियों से इन धार्मिक आयोजनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। इस अवसर पर कमेटी के अध्यक्ष ओंकार सिंह सलूजा, महामंत्री सुरजीत सिंह सलूजा, जगबीर चड्ढा, महेंद्र अरोरा, अमरजीत सिंह सलूजा, जगजीत सिंह, गुरबीर सिंह सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पात्र किसान पंजीकरण से वंचित नहीं रहना चाहिए : डीएम

■ जिलाधिकारी ने की जूम के माध्यम से फार्मर रजिस्ट्री प्रगति की समीक्षा ■ 15 दिनों में लक्ष्य पूर्ण करने के दिये सख्त निर्देश

चित्रकूट। जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में कैंप कार्यालय में 'फार्मर रजिस्ट्री' अभियान की प्रगति के संबंध में जूम के माध्यम से एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक संपन्न हुई। बैठक में जनपद की सभी तहसीलों में चल रहे पंजीकरण कार्यों की विस्तृत समीक्षा की गई और अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने हेतु निर्देशित किया गया।
समीक्षा के दौरान कृषि उपनिदेशक राजकुमार ने अवगत कराया कि नेटवर्क संबंधी समस्याओं के कारण वर्तमान में सभी तहसीलों को मिलाकर कुल 209 पंजीकरण हुए हैं। जिलाधिकारी ने इस पर निर्देश दिया कि नेटवर्क की सुगमता के अनुसार कार्ययोजना बनाएं और किसानों के आधार विवरण प्राप्त कर रात्रि में डाटा फीडिंग का कार्य करें ताकि प्रगति सुनिश्चित की जा सके। जिन किसानों के विवरण में त्रुटियां हैं, उनका तत्काल संशोधन सुनिश्चित किया जाए। जो किसान पंजीकरण हेतु उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं, सूची में उनके नाम के सम्मुख स्पष्ट कारण दर्ज करें। लेखपालों को गाटावार अवशेष किसानों की सूची उपलब्ध कराई जाए।
उन्होंने कहा कि बड़ी ग्राम पंचायतों में जहां कार्य का दबाव अधिक है, वहां दो से तीन लेखपालों की तैनाती कर पंजीकरण में तेजी लाई जाए। आय, जाति, निवास या खतौनी बनवाने आने वाले किसानों की फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य रूप से जांची जाए। किसानों को अवगत कराया जाए कि शासकीय सेवाओं का लाभ लेने हेतु फार्मर रजिस्ट्री अनिवार्य है। गेहूं खरीद केंद्रों पर आने वाले किसानों की भी फार्मर रजिस्ट्री की जांच की जाए।
जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री जी द्वारा इस अभियान की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही है, अतः इसमें किसी भी प्रकार की शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किए कि वे स्वयं क्षेत्र में भ्रमणशील रहकर कैंपों का निरीक्षण करें एवं प्रतिदिन सायंकाल लेखपालों के कार्यों की समीक्षा करें। राजस्व निरीक्षक एवं तहसीलदार की पोर्टल रिपोर्ट का अवलोकन कर नियमित प्रगति रिपोर्ट मुख्य विकास अधिकारी को प्रेषित करें।
जिलाधिकारी ने समस्त उपजिलाधिकारियों एवं खंड विकास अधिकारियों को 15 दिवस के भीतर शत-प्रतिशत पंजीकरण पूर्ण करने का अल्टीमेटम दिया। उन्होंने कहा कि अभियान की समाप्ति के बाद एक भी पात्र किसान पंजीकरण से वंचित नहीं रहना चाहिए।
बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डीपी पाल, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) चंद्रशेखर, उपजिलाधिकारी कर्वी सुश्री पूजा साहू, कृषि उपनिदेशक राजकुमार, जिला पंचायत राज अधिकारी देवेंद्र सिंह, तहसीलदार चंद्रकांत तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गौरव के पल - होनहारों ने विद्यालय का बढ़ाया मान

प्रबंधक व प्रधानाचार्य ने होनहारों को किया सम्मानित

चित्रकूट। बैजनाथ भारद्वाज सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कालेज बेड़ी पुलिया कर्वी के पीसीएस एवं समीक्षा अधिकारी उ0 प्र0 सचिवालय में चयनित भैय्याओ का वंदना सत्र में विद्यालय के प्रधानाचार्य राघवेन्द्र पाण्डेय और विद्यालय के प्रबंधक श्यामसुंदर मिश्रा के द्वारा सम्मान किया गया।
बताते चलें कि कुछ दिन पूर्व सन 2024 के यूपीपीसीएस परीक्षा का परिणाम घोषित किया गया जिसमें बैजनाथ भारद्वाज सरस्वती विद्या मंदिर बेड़ी पुलिया के तीन भैय्याओ का चयन हुआ। जिसमें योगेंद्र सिंह सन 2012 के छात्र ने 142 रैंक, भैया अभिनव राज सिंह सन 2012 के छात्र तथा भैया अभिषेक सिंह सन 2013 के छात्र 47 वीं रैंक प्राप्त की। वहीं भैय्या दिवाकर सिंह 27 वीं रैंक, भैय्या रावेन्द्र जो 2013 बैच के छात्र रहे उनका चयन समीक्षा अधिकारी उ0 प्र0 सचिवालय में हुआ।
इन भैय्याओ ने न सिर्फ विद्यालय का बल्कि इस कर्वी नगर का तथा अपने माता-पिता एवं गुरुजनों का मान बढ़ाया है। विद्यालय के समस्त आचार्य बंधुओं ने भैय्याओ का माल्यार्पण कर रोली चंदन, पुष्प वर्षा एवं मिष्ठान तथा मेडल पहना करके और अंग वस्त्र भेंट करके सम्मानित किया। सफलता प्राप्त भैया लोगों ने विद्यालय के अनुशासन समय पालन आचार्य की मेहनत आदि की प्रशंसा करते हुए सभी भैया बहनों को बताया कि जिंदगी की सफलता आपके अनुशासन पर निर्भर करती और अनुशासन का पाठ विद्या मंदिर विद्यालय में ही प्राप्त होता है जो सदैव जीवन में आगे बढ़ाने में मदद करता है । विद्यालय की डायरी में कराए गए पालन से आगे बहुत सहायता प्राप्त होती है। विद्यालय के प्रबंधक श्यामसुंदर मिश्रा ने सफलता प्राप्त भैय्याओ को आशीर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि सामने बैठे ये भैय्या बहन भी भविष्य के श्रेष्ठ नागरिक बन कर्वी का अपने अपने क्षेत्र में जरूर नाम रोशन करेंगे। सभी भैय्या बहनों एवं आचार्य बंधु भगिनी में उत्साह एवं उमंग नजर आया।

न्यूज ब्रीफ

सीडीओ ने क्षय रोगियों को वितरित की पोषण किट

चित्रकूट। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर नीति आयोग सभागार में मुख्य विकास अधिकारी डी0पी0 पाल एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 भूपेश द्विवेदी द्वारा इलाज ले रहे क्षय रोगियों को पोषण किट का वितरण किया गया तथा क्षय रोगियों को निरन्तर इलाज लेने की सलाह दी गयी। मुख्य विकास अधिकारी एवं मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा संयुक्त रूप से समस्त विभागों के जनपद स्तरीय तहसील स्तरीय एवं ब्लाक स्तरीय अधिकारियों से यह अपील की गयी कि राज्यपाल द्वारा क्षय रोगियों हेत् प्रारम्भ कराये निक्षय पोषण किट वितरण अभियान में निक्षय मित्र बनकर क्षय रोगियों को पोषण किट वितरित कर अभियान को और अधिक सफल बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें। इस अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी डा0 अरूण कुमार पटेल, डी0पी0सी0 ज्ञान चन्द्रशुक्ला, पी0पी0एम0 विवके कुमार मिश्रा, एस0टी0एल0एस0 मुन्ना प्रसाद मौजूद रहें।

स्कूल चलो अभियान रैली का हुआ आयोजन

चित्रकूट। जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जिला भाजपा अध्यक्ष महेंद्र कोटार्य, अध्यक्ष डिस्ट्रिक्ट को ऑपरेटिव बैंक चित्रकूट-बांदा पंकज अग्रवाल, जिला विद्यालय निरीक्षक रविशंकर, खंड शिक्षा अधिकारी मुख्यालय शशांक सिंह शेखर शुक्ला सहित अधिकारी व अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में स्कूल चलो अभियान की रैली का आयोजन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा जी0जी0आई0सी0 कर्वी में सम्पन्न कराया गया। सर्वप्रथम प्रातः स्कूल चलो रैली की शुरूआत मुख्य विकास अधिकारी द्वारा हरी झण्डी दिखाकर किया गया। स्कूल चलो अभियान रैली में विभिन्न परिषदीय मान्यता प्राप्त स्कूलों के बच्चे, शिक्षक, शिक्षिकायें, जी0जी0आई0सी0 कर्वी से होते हुये धनुष चौराहा कर्वी बाजार होते हुये पुनः जी0जी0आई0सी0 कर्वी पर रैली का समापन हुआ। इस रैली के माध्यम से 6 से 14 आयु वर्ग के बच्चों एवं अभिभावकों को विद्यालय में नामांकन कराने हेतु विभिन्न नारों के माध्यम से अभिप्रेरित एवं जागरूक किया गया।

डीएम ने मुख्यमंत्री अभ्युदय निःशुल्क कोचिंग स्थान के छात्र दिवाकर सिंह को किया सम्मानित

चित्रकूट। जिला अधिकारी कार्यालय में उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित समीक्षा अधिकारी परीक्षा में मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनांतर्गत निःशुल्क कोचिंग संस्थान के छात्र दिवाकर सिंह पुत्र राजबहादुर सिंह निवासी ग्राम बाबूपुर पोस्ट पहाड़ी का चयन हुआ। इस अवसर पर जिला अधिकारी पुलकित गर्ग ने चयनित अभ्यर्थी को सम्मानित किया। जिलाधिकारी ने कहा कि जिले के प्रतियोगी छात्र छात्राएं मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनांतर्गत निःशुल्क कोचिंग संस्थान में प्रवेश लेकर अपनी तैयारी कर अपने लक्ष्य को प्राप्त कर सकते हैं । राजकीय जिला पुस्तकालय में स्थित कोचिंग संस्थान में सिविल एक दिवसीय नीट जेईई की कक्षाएं संचालित हैं। इस अवसर पर समाज कल्याण अधिकारी डॉ0 वैभव त्रिपाठी उपस्थित रहे ।

डॉ. रमणीक अहिरवार बनाये गये राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

मऊरानीपुर (झाँसी) समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के दिशा निर्देश एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी के मिठाई लाल भारती की संस्तुति पर डॉ. रमणीक अहिरवार को समाजवादी बाबा साहब अम्बेडकर वाहिनी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष नामित किया गया। साथ ही आपसे आशा ही नही पूर्ण विश्वास है कि आप मेहनत एवं लगन से पार्टी के लिये कार्य करेगे। और संगठन को और अधिक बल एवं गतिशीलता प्रदान करेगे।

मैनपावर बढ़ाकर निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करें : डीएम

डीएम-एसपी ने निर्माणाधीन संकुल भवन का किया औचक निरीक्षण

चित्रकूट। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक ने निर्माणाधीन संकुल भवन (जिला सूचना कार्यालय) का औचक निरीक्षण किया ।
जिलाधिकारी पुलकित गर्ग एवं पुलिस अधीक्षक अरुण कुमार सिंह द्वारा मंगलवार को संयुक्त रूप से निर्माणाधीन संकुल भवन (जिला सूचना कार्यालय) का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कार्य की गुणवत्ता और समयबद्धता को लेकर कार्यदायी संस्था को कड़े निर्देश दिए।
उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इस भवन के निर्माण हेतु 484.55 लाख रुपये की धनराशि स्वीकृत की गई है। इस महत्वपूर्ण परियोजना का निर्माण कार्य आवास विकास परिषद, बांदा द्वारा कराया जा रहा है।
जिलाधिकारी ने मौके पर लगाए जा रहे ग्रेनाइट की गुणवत्ता की जांच की। ठेकेदार द्वारा आश्वस्त किया गया कि निर्माण में उच्च श्रेणी की सामग्री का उपयोग किया जा रहा है।
जिला सूचना अधिकारी सुरेन्द्र कुमार को निर्देशित किया गया कि भवन में उपयोग होने वाले विद्युत उपकरण (स्विच, बटन, पाइप आदि) मानक के अनुरूप एवं उच्च गुणवत्ता के हों।
जिलाधिकारी ने विशेष रूप से निर्देश दिए कि टॉयलेट की ढलान (स्लोप) सही दिशा में होनी चाहिए, ताकि भविष्य में लीकेज या जलभराव की समस्या उत्पन्न न हो।
जिलाधिकारी ने सख्त निर्देश दिए कि निर्माण कार्य में लगे सभी मजदूरों का श्रम विभाग में पंजीकरण अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जाए।
कार्यदायी संस्था को निर्देश दिया गया कि मैनपावर बढ़ाकर शासन की गाइडलाइन के अनुसार निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण करें। साथ ही, अधूरी बाउंड्री वॉल को भी शासन की मंशा के अनुरूप जल्द पूरा करने के निर्देश दिए गए।
निरीक्षण के समय सहायक अभियंता कृष्ण कुमार, अवर अभियंता रोहित सिंह, ठेकेदार एवं संबंधित अधिकारी मौके पर मौजूद रहे।

विधायक का कबूतरा जाति के लोगों ने किया सम्मान, 44 लाख की लागत से होगा सडक निर्माण कार्य

मऊरानीपुर (झाँसी) विधानसभा मऊरानीपुर के अन्तर्गत आने वाले मढा मन्दिर से कबूतरा डेरा तक 44 लाख की लागत से त्वरित आर्थिक विकास योजना के अन्तर्गत सडक निर्माण कार्य को स्वीकृत होने पर विधायक मऊरानीपुर आवास पर कबूतरा जाति के लोगों ने विधायक डॉ. रश्मि आर्य पप्पू सेठ का माला पहनाकर जोरदार स्वागत सम्मान किया गया। इसी के साथ ही विधायक ने कहा कि आप सभी ऐसे ही अपना स्नेह और विश्वास हम पर बनाये रखे। मऊरानीपुर के सर्वागीण विकास हेतु हम निरन्तर प्रयासरत है और आगे भी इसी प्रकार जनहित के कार्यो को प्राथमिकता देते रहेगे। इस मौके पर भारी संख्या में कबूतरा जाति के पुरुष एवं महिलायें मौजूद रही।

लापता किशोरी का शव कुएँ से बरामद होने पर हत्या की आशंका

मऊरानीपुर (झाँसी) लापता किशोरी का शव कुएँ से बरामद ,हत्या की आशंका। जानकारी के अनुसार उल्दन थाना क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाले ग्राम निमोनी में 5 दिन से लापता किशोरी हर्षिता आर्य का शव कुएँ से बरामद हुआ। शव संदिग्ध हालत में मिलने से हत्या की आशंका जताई गई। क्षेत्र में चर्चा का विषय जोरदार बना हुआ है।
इनका कहना है : एसपी सिटी प्रीति सिंह ने घटना स्थल का निरीक्षण करते हुये बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया गया है और परिजनों के शक के आधार पर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूँछताछ की जा रही है।

भाजपा का 47 वाँ स्थापना दिवस मनाया

मऊरानीपुर। झण्डा फहराने की। एवं माल्यार्पण करने की।

मऊरानीपुर (झाँसी) भारतीय जनता पार्टी का 47 वाँ स्थापना दिवस बडी धूमधाम के साथ मनाया गया। जिसमें महापुरुषों के चित्र पर मार्ल्यापण एवं भारतीय जनता पार्टी का झण्डा फहराकर पदाधिकारियों एवं कार्यकर्त्ताओं ने स्थापना दिवस मनाया। इस मौके पर भाजपा पूर्व जिलाध्यक्ष अशोक गिरी, नगर अध्यक्ष रोहित सोनी, चंचल कंथरिया, प्रमोद चतुर्वेदी, मनोज मिश्रा, सुधान्शु अवस्थी, अजय राजपूत, बालकृष्ण गोस्वामी, आशु भारद्वाज, अजय नायक, विजय नामदेव, रामकुमार सोनी, आकाश गुप्ता, राघवेन्द्र राजपूत, विजय श्रीवास्तव, अखिल ताम्रकार, घनश्याम सोनी, अंकुर अग्रवाल, जीतू रतौसा आदि भारी संख्या में भाजपाई मौजूद रहे।

जिला कॉंग्रेस कमेटी की बैठक सम्पन्न

गुरसरांय । जिला कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक सूरज माते के अहाते में जल जिला अध्यक्ष देशराज रिछारिया (अहिरवार) की अध्यक्षता में संपन्न हुई ,जिसके विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष पिछड़ा वर्ग कांग्रेस लोकेंद्र सिंह यादव तथा जिला उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश चौरसिया रहे।
बैठक में कांग्रेस की नीतियों एवं कार्यक्रमों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया ।बैठक में बताया कि अगली बैठक डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती के उपलक्ष्य में 15 अप्रैल को ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बामोर के तत्वाधान में गरौठा बजरंग धर्मशाला में आयोजित होगी। इस मौके पर जिला अध्यक्ष ने कहा कि टीम भावना से कार्य करने पर ही पार्टी मजबूत होगी। हम हर कार्यकर्ता के सुख दुख में साथ खड़े मिलेंगे ।बैठक को अशोक सेन ,रामसेवक सेनिया ,रामभरोसे पेंटर, प्रफुल्ल तिवारी, मुलायम सिंह रजक ,राजेन्द्र सिंह बुंदेला ,अश्विनी पस्तोर, सूरज ,अमित करोसिया आदि ने भी संबोधित किया ।
इस दौरान सुरेश नगाईच ,वीरेंद्र पाल बबीना ,देवेंद्र सिंह ,हरिमोहन पटेरिया ,रामदास अहिरवार, हारुन खान पार्षद, गया प्रसाद मिस्त्री ,दीनदयाल गुप्ता ,मनीष गौतम, शंभू दयाल कुशवाहा ,आत्माराम अहिरवार, धनु खान, अरविंद सिंह ,श्याम अरजरिया ,आजाद खान मेंबर आदि मौजूद रहे ।

एसडीएम ने गेहूँ खरीद केन्द्र का किया निरीक्षण

मऊरानीपुर (झाँसी) गेहूँ खरीद केन्द्र रानीपुर का उपजिलाधिकारी श्वेता साहू ने निरीक्षण किया। जिसमें उनके द्वारा व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया गया। साथ ही केन्द्र प्रभारी से वार्ता करते हुये केन्द्र प्रभारी ने बताया कि अब तक करीब 70 किसानों से 474 विक्टल गेहूँ की खरीद हो चुकी है। जबकि गोदाम लगभग भर चुका है। इसी के चलते एसडीएम ने व्यवस्थायें संतोषजनक पायी और खरीदे गये गेहूँ के शीघ्र उठान के निर्देश दिये। इस मौके पर नायब तहसीलदार अमित मुदगिल आदि मौजूद रहे।

पुण्यों के प्रभाव से मिलता है सत्संग: जवाहरलाल राजपूत

गुरसरांय। ग्राम विक्रमपुरा सानी में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन गरौठा विधायक जवाहरलाल राजपूत ने आरती पूजन किया।
उन्होंने कहा कि जहां पर धर्म होता है वहीं परमात्मा का निवास होता है।श्रीमद्भागवत कथा कराने एवं सुनने का अवसर भगवान की कृपा एवं पूर्वजों के आशीर्वाद से प्राप्त होता है।
भागवत कथा व्यास आचार्य रामकृष्ण बाल व्यास ने छठवें दिन भगवान कृष्ण की दिव्य महारास लीला का वर्णन करते हुए कहा कि महारास लीला साधारण स्त्री पुरुष का मिलन नहीं है,यह जीवात्मा एवं परमात्मा के मिलन की लीला है।इस लीला में बड़े से बड़े ज्ञानी मोहित हो जाते है।इसलिए पहिले भगवान के स्वरूप को भली भांति समझना चाहिए ,उसके बाद भगवान की महारास लीला सुनने का अधिकार बताया गया है।रुक्मिणी विवाह का वर्णन कर उन्होंने भक्तिरस की गंगा में अवगाहन कराया।
संगीत मयी भागवत कथा में ऑर्गन पर सतीश पटेल,ढोलक पर स्वदेश सविता,पैड पर गोलू कुशवाहा ने संगत की।
भागवत का मूल पाठ आचार्य अश्वनी महाराज रामायणी ने किया।भागवत कथा की आरती कथा परीक्षित श्रीमती माया देवी अर्जरिया एवं सुरेश कुमार अर्जरिया, पत्रकार रामसेवक अरजरिया , जानकी अरजरिया, मुकेश अरजरिया, पंकज अरजरिया ने की।
इस मौके पर मुख्य रूप से मेजर अखिलेश पिपरैया, राम नारायण पस्तोर, प्रदीप कोठारी, ओमप्रकाश मिश्रा मारकुआ, निखिल मिश्रा, प्रमोद त्रिपाठी आमली, भाजपा नेता प्रकाश नारायण अरजरिया,लक्ष्मीचंद शर्मा बड़वार, सूर्यकांत मिश्र छिरौरा, राम प्रताप पटेल नेता जी,कौशल किशोर मिश्रा सेरिया, राम शरण पाठक लठवारा, विनोद कुमार द्विवेदी, विशाल द्विवेदी बचावली,शिवनारायण पटेल,वृषभान पटेल,जयप्रकाश गौतम, जगदीश गौतम,वीरसिंह पटेल,अनिल त्रिपाठी एडवोकेट, लाखन सिंह पटेल, आनंद स्वरूप गौतम,संतोष अरजरिया, श्यामकांत तिवारी,राघवेंद्र अरजरिया, मानवेन्द्र अरजरिया, कैलाश अरजरिया, नरेंद्र देव अरजरिया, हरप्रसाद पटेल नेकेरा, अम्बरीष अरजरिया, अश्वनी अरजरिया, रूपेन्द्र आशुतोष, रविन्द्र गौतम,मुकेश अरजरिया, नीतिका हुंडेत झांसी, रामगोपाल पाठक झांसी,हनुमत शरण दीक्षित सत्यम खेरी, बृजकिशोर गौतम, हरनारायण यादव परसा सहित ग्राम वासी एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल ऑफिसर पद पर चयनित हुए अनुज कौशिक, पनवाड़ी का नाम किया रोशन

पनवाड़ी (महोबा) संवाददाता राम लखन सोनी। कस्बा पनवाड़ी के अग्निहोत्रीपुरा निवासी अनुज कौशिक के एयर ट्रैफिक कंट्रोल ऑफिसर पद पर चयनित होने से पूरे क्षेत्र में खुशी का माहौल है। अनुज कौशिक, राजेश कौशिक के पुत्र एवं अखिलेश कौशिक के भतीजे हैं। उनकी इस महत्वपूर्ण उपलब्धि से परिवार के साथ-साथ कस्बे के लोगों में भी गर्व की भावना देखी जा रही है।
अनुज कौशिक ने कठिन परिश्रम, लगन और निरंतर अध्ययन के बल पर यह सफलता प्राप्त की है। एयर ट्रैफिक कंट्रोल ऑफिसर जैसे महत्वपूर्ण पद पर चयनित होना न केवल उनके परिवार बल्कि पूरे पनवाड़ी क्षेत्र के लिए गौरव की बात मानी जा रही है। इस उपलब्धि को लेकर लोगों ने कहा कि अनुज ने यह साबित कर दिया कि छोटे कस्बों से निकलकर भी युवा बड़े लक्ष्य हासिल कर सकते हैं।

देहदान से बड़ा कोई दान नहीं : मण्डलायुक्त

- नोटो पर पंजीकरण कराकर प्रबुद्ध नागरिक देहदान कर बने इस पुनीत कार्य का हिस्सा
- एड.राम प्रकाश अग्रवाल एवं मधु अग्रवाल ने लिया देहदान का संकल्प
- मण्डलायुक्त, बार संघ अधिवक्ताओं ने आभार व्यक्त कर किया सम्मानित

झांसी जयूसं। मण्डलायुक्त श्री बिमल कुमार दुबे के मुख्य आतिथ्य मेंराम प्रकाश अग्रवाल - एडवोकेट पुत्र कालिका प्रसाद अग्रवाल, 24 रानी महल, झांसी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मधु अग्रवाल -एडवोकेट द्वारा महारानी लक्ष्मीबाई चिकित्सा महाविद्यालय झांसी के शरीर रचना (एनाटॉमी) विभाग को मरणोपरान्त देहदान दिये जाने के सम्बन्ध में इनका सम्मान समारोह एवं आभार व्यक्त कार्यक्रम आयुक्त कार्यालय स्थित बार संघ सभागार में किया गया। इस अवसर पर मण्डलायुक्त सहित उपस्थित बार संघ के अधिवक्तागणों द्वारा देहदान करने वाले एड. राम प्रकाश अग्रवाल एवं मधु अग्रवाल को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। सम्मान समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मण्डलायुक्तबिमल कुमार दुबे ने अपने सम्बोधन में कहा कि भारतीय इतिहास में अनेक दानी हुए, किन्तु मानव कल्याण के लिए अपनी अस्थियों का दान करने वाले मात्र महर्षि दधीचि ही रहे। देवताओं मुख से यह जानकर कि मात्र दधीचि की अस्थियों से निर्मित वज्र द्वारा ही असुरों का संहार किया जा सकता है, महर्षि दधीचि ने अपना शरीर त्यागकर अस्थियों का दान किया था। उन्होंने कहा कि हमारे शरीर के अंग सबसेअधिक मूल्यवान कार्बनिक पदार्थ हैं। भारत सरकार के स्वस्थ्य मंत्रालय ने एक संस्था का गठन किया है, जिसका नाम नोटो (नेशनल ऑर्गेन ऑफ टिशु ट्रांस्प्लांट ऑर्गेनाईजेशन) हैं। कोई भी व्यक्ति नोटो की वेबसाइट पर सम्पर्क कर अपना पंजीकरण कराकर मरणोपरान्त पारिवारिक सदस्यों के माध्यम से अपने शारीरिक अंग दान कर इस पुनीत कार्य का हिस्सा बन सकता है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए इस संसार में देहदान से बड़ा अन्य कोई दान नहीं है। इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल -एडवोकेट ने अपने विचार साझा करते हुये कहा कि हमारे शास्त्रों में 84 लाख योनियां हैं, जिसमें सर्वाधिक विवेकपूर्ण, सामर्थ्यवान एवं समृद्धशाली योनि ''मनुष्य योनि'' है। उन्होंने कहा कि देहदान अत्यधिक पुनीत कार्य है, इस पुनीत कार्य का हिस्सा बनने पर मुझे अत्यधिक सौभाग्यशाली होने का अनुभव हो रहा है। समारोह में राम प्रकाश अग्रवाल -एडवोकेट ने सरल एवं मृदुभाषी स्वभाव के लिए मण्डलायुक्त की प्रशंसा की। कार्यक्रम में देवराज सिंह कुशवाहा, अध्यक्ष डिवीजनल बार एसोसिएशन झांसी ने कहा कि राम प्रकाश अग्रवाल (एडवोकेट) पुत्र कालिका प्रसाद अग्रवाल, 24 रानी महल, झांसी एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मधु अग्रवाल (एडवोकेट) द्वारा 20 मार्च 2026 को महारानी लक्ष्मीबाई चिकित्सा महाविद्यालय झांसी के शरीर रचना (एनाटॉमी) विभाग को देहदान का संकल्प लिया है।राम प्रकाश अग्रवाल एवं उनकी धर्मपत्नी श्रीमती मधु अग्रवाल ने देहदान हेतु लिये गये संकल्प द्वारा इस युग के महर्षि दधीचि के रुप में प्रेरणादायक कार्य से समाज में परोपकार का उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया है। इस पुण्य कार्य हेतु हम सभी उनके अत्यन्त आभारी है। सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान अपर आयुक्त न्यायिक प्रियंका, डिवीजनल बार संघ एसोसिएशन के महामंत्री एड. लक्ष्मी प्रसाद यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष एड. राजीव कुमार मिश्रा, कनिष्ठ उपाध्यक्ष एड.नीरज कुमार यादव, कोषाध्यक्ष एड. तेज सिंह जादौन, सहायक सचिव एड. अशोक कुमार वर्मा, संयुक्त सचिव एड.हरनारायण उपाध्याय, ऑडिटर एड. नूरुद्दीन सिद्दकी सहित कार्यकारी सदस्य एवं अन्य अधिवक्तागण उपस्थित रहे।

जनपद के विकासखंडों में बनेंगे नवाचार कृषि मॉडल फार्म

- कृषि मॉडल फार्मको साकार बनाने, वरिष्ठ अधिकारियों ने किया विचार विमर्श संवाद

झांसी जयूसं। मंडलायुक्त बिमल कुमार दुबे की अध्यक्षता में जलवायु परिवर्तन के संबंध में आवश्यक बैठक आयुक्त सभागार में आयोजित की गई। इस अवसर पर अमित मोहन प्रसाद , सेवा निवृति वरिष्ठ आईएएस, सचिव भारत सरकार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। बैठक में बताया कि मुख्य अतिथि अमित मोहन प्रसाद , वर्तमान में गेट्स फाउंडेशन के सहयोग से पीपीजी मॉडल आधारित फॉर्मर परियोजना÷के प्रधान सलाहकार के रूप में कार्य करते हुए कृषि में नवाचार हेतु जनपद के प्रत्येक विकास खंड में 01 प्रगतिशील कृषक का चयन करते हुए मॉडल फार्म तैयार कराने की पहल कर रहे हैं, जिससे संबंधित क्षेत्र के किसान प्रभावित होकर अन्य किसान भी उक्त मॉडल को अपनाएं। इस मॉडल फार्म में कृषि विभाग के साथ पशुपालन, उद्यान, वन विभाग द्वारा भी सहयोग किया जाएगा, जिससे जलवायु में सुधार हो सके।

बैठक में मंडलायुक्त ने इस मॉडल को तैयार करने और इसमें झांसी में स्थित केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों के मॉडल को तकनीक बनाने में सहयोग, किसान के खेत की मेड पर क्षेत्र के अनुकूल फलों के पौधे लगाने, पशुओं के गोबर का खेती में उपयोग करने के साथ ही उसके अन्य उत्पाद तैयार करने के बारे में सुझाव दिया गया। जिलाधिकारी मृदुल चौधरी ने बताया कि जिले में वर्ल्ड बैंक के सहयोग से इक्कीसेट का प्रोजेक्ट जो हवेली मॉडल पर आधारित है को जलवायु परिवर्तन के मॉडल में शामिल किया जा सकता है। मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद ने बताया कि जनपद में पिछले 05 साल से फसलों का पैटर्न बदल रहा है, जिसको ध्यान में रखते हुए कम पानी की आवश्यकता वाली फसलों को शामिल किया, जिसमें किसान का जोखिम कम रहे और लाभ निश्चित हो। बैठक में योजना को टेक्निकल स्पोर्ट दे रहे प्रत्यूष रंजन द्वारा बिंदुबार जनपद बांदा मॉडल को दिखाते हुए जानकारी दी गई। बैठक में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट, मुख्य वन संरक्षक अधिकारी, संयुक्त कृषि निदेशक धर्मेंद्र कटियार, उप कृषि निदेशक एम पी सिंह, जिला कृषि अधिकारी, डॉ. प्रशांत जिला उद्यान अधिकारी, कुलदीप कुमार मिश्रा,जिला पंचायत राज अधिकारी, श्रीमती भावना नागल, भूमि संरक्षण अधिकारी दीपक कुशवाहा एस एम एस, धनंजय जिला समन्वयक, आदि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

सिख पंथ के नवे गुरू तेग बहादुर साहिब का प्रकाश पर्व उत्साह के साथ मनाया

झाँसी जयूसं। सिख पंथ के नवे गुरु श्री गुरु तेग बहादुर साहिब के प्रकाश पर्व पर गुरुद्वारा गुरु नानक दरबार झोंकनबाग में कीर्तन दिवान सजाया गए और उनकी बाणी श्रवण कराई गई और शाम को विशेष कीर्तन दिवान सजाया गया जिसमें भाई अजीत सिंह बलबीर सिंह जी के जत्थे द्वारा उनके बताए मार्ग पर चलने पर प्रकाश डाला गुरुद्वारा साहिब में दीप जलाए गए इस मौका पर गुरुद्वारा कमेटी के सभी लोग उपस्थित रहे जिसमें प्रधान अमनदीप सिंह भाटिया,प्रबंधक रत्नाकर सिंह बबुआ, भाग सिंह, अमरदीप सिंह, मंजीत आहूजा, गोल्डी अरोरा, सुरेंद्र छाबड़ा, रिंकी सरना, नीटू नागपाल, सतनाम सिंह, महेश प्रेमानी, बिट्टू सेठी, गगन दीप सिंह,कुलविंदर सिंह, नीटू फुलेल, इंदर मोहन सिंह, जेएस सलूजा, जसपाल सिंह जी आदि मौजूद रहे।

अपना दल एस की हुई बैठक

झांसी जयूसं। आज अपना दल एस की मासिक बैठक आतिया तालाब पर एक विवाह घर पर राष्ट्रीय सचिव अपना दल एस कालका प्रसाद पटेल के मुख्य आतिथ्य में व विशेष अतिथि अरविंद पटेल राष्ट्रीय महासचिव, जिला अध्यक्ष भारत सिंह पटेल की अध्यक्षता में बैठक संपन्न हुई। बैठक में वक्ताओं अपने विचार व्यक्त करते हुए अपना दल एस की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आव्हान किया गया जिला नवनियुक्त जिला पदाधिकारी को शपथ ग्रहण कराया गया और उनका फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया इस मौके पर रामप्रसाद मामा जी, देवेंद्र पटेल, सुशील कुमार, धीरज सिंह, परतलाल, आसिफ अंसारी, जितेंद्र पटेल, शाहिद खान, पवन पटेल, अभिषेक, चंदन अहिरवार देवदास कुशवाहा, सत्येंद्र रोहित, आशीष, प्रदीप श्रीवास, लोकेंद्र कुमार, प्रवेश चंद, बलिराम बरार, रुस्तम खान, सोनू पटेल, नरेंद्र कुशवाहा, कल्लू रायकवार, अनीश मंसूरी, हेमंत पटेल, अंशुल पटेल, गजेंद्र पटेल, तेज सिंह, कपिल पटेल आदि सदस्य पदाधिकारी

बैठक का संचालन जिला महासचिव डॉ. सुभाष रायकवार एवंसभी का आभार व्यक्त प्रीतम सिंह प्रेमी ने किया।

जगतगुरु स्वामी पीठाधीश्वर महाराज के सानिध्य में फिल्मी अदाकारा सुधा चंद्रन ने अवॉर्ड देते हुए किया सम्मानित

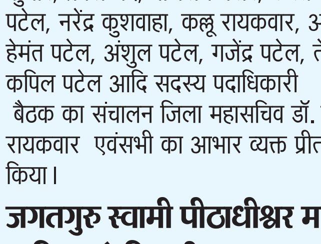

झांसी जयूसं। दिल्ली -श्रीमद् जगतगुरु स्वामी वेदपुत्र जी महाराज भैरव पीठाधीश्वर के सानिध्य में मशहूर फिल्मी अदाकारा एवम् क्लासिकल डांसर सुधा चंद्रन के कर कमलों से वर्ल्ड कल्चरल एंड एजुकेशनल ऑर्गेनाइजेशन अप्रूव्ड बाय गवर्नमेंट ऑफ इंडिया द्वारा दिया सोशल एक्टिविस्ट में ऑनरेरी डॉक्टरेट अवॉर्ड झांसी के अशोक अग्रवाल काका को। इस अवसर पर दिल्ली के असिस्टेंट जेलर सहित कई नामचीन हस्तियां कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से पीड़ित, जरूरतमंदों को सुलभ व सस्ता न्याय दिलाना

आगामी 09 मई को राष्ट्रीय लोक अदालत

झांसी जयूसं। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्रीमती कमलेश कच्छल के मार्गदर्शन में आगामी 9 मई 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों ने जोर पकड़ लिया है। इसी क्रम मेंप्रतीक त्रिपाठी, सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, झांसी ने जनपद के समस्त तहसीलदारों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य राजस्व से संबंधित लंबित मामलों का त्वरित निस्तारण कर आम जनता को राहत पहुँचाना रहा। सचिव प्रतीक त्रिपाठी जी ने सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया कि वे अपनेक्षेत्रों में राजस्व, भूमि अर्जन और अन्य छोटे-मोटे विवादों को चिन्हित करें ताकि उन्हें लोक अदालत के माध्यम से आपसी सहमति से निपटाया जा सके। उन्होंने जोर देकर कहा कि चिन्हित वादों में पक्षकारों को समय रहते नोटिस तामील कराए जाएं, ताकि लोक अदालत के दिन अधिक से अधिक पक्षकार उपस्थित होकर लाभ उठा सकें। तहसील स्तर पर लंबित मामलों के निस्तारण में तकनीक का उपयोग कर प्रक्रिया को सरल बनाने की बात कही गई। उन्होंने तहसीलदारों को निर्देश दिए कि वे ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें ताकि लोगों को पता चले कि लोक अदालत में निस्तारित मामलों की कोई अपील नहीं होती और समय व धन दोनों की बचत होती है। सचिव प्रतीक त्रिपाठी ने स्पष्ट किया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य केवल आंकड़ों को बढ़ाना नहीं, बल्कि पीड़ित और जरूरतमंद व्यक्तियों को सुलभ व सस्ता न्याय दिलाना है। उन्होंने सभी अधिकारियों को टीम भावना के साथ कार्य करने और 9 मई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को ऐतिहासिक रूप से सफल बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर जनपद के विभिन्न तहसीलों के अधिकारी डिजिटल माध्यम से उपस्थित रहे।

भाजपा ने स्थापना दिवस पर स्वच्छ भारत सर्वश्रेष्ठ भारत अभियान चलाया

स्वच्छता हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव लाती है:सुधीर सिंह

झाँसी जयूसं। भारतीय जनता पार्टी महानगर झांसी द्वारा स्थापना दिवस के अवसर पर जिला अध्यक्ष श्री सुधीर सिंह के नेतृत्व में सिविल अस्पताल परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान विभिन्न मंडलों में भी कार्यकर्ताओं ने स्वच्छता अभियान में सक्रिय भागीदारी की । अभियान का उद्देश्य समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना और स्वच्छ भारत – श्रेष्ठ भारत के संकल्प को मजबूत करना रहा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष सुधीर सिंह ने कहा कि – स्वच्छता हमारे जीवन में सकारात्मक बदलाव लाती है। इससे न केवल हमारी संस्कृति का प्रचार होता है, बल्कि राष्ट्र की श्रेष्ठता भी स्थापित होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्वच्छता को राष्ट्रनिर्माण का आधार बताया है, अतः हमें आने वाली पीढ़ी को भी इस दिशा में जागरूक करना चाहिए।

कार्यक्रम में भाजपा महानगर के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे, जिनमें विकास कुशवाहा, राजकंतेश वर्मा, मोनू शिवहरे, संजीव अग्रवाल लाल, विनीत खटीक, बंटी सोनी, अमर सिद्ध, प्रदीप खटीक, अभिषेक जैन, प्रियंका साहू, लखन कुशवाहा, पंकज राय, सुनील विश्वकर्मा, मोनू सिद्दीकी, राहुल कुशवाहा, पन्नालाल प्रजापति आदि शामिल रहे।

व्हाइट टाइगर डिवीज़न ने शिकायत निवारण अभियान चलाया

- ईएसएम, वीर नारियों के बलिदान का सम्मान

झांसी जयूसं। सेना के अपने सैनिकों और उनके परिवारों के साथ ज़िंदगी भर के रिश्ते को दिखाते हुए, व्हाइट टाइगर डिवीज़न नेडीआईए व्ही ,जेड एस बी और ईसीएचएस के साथ मिलकर झांसी में एक बड़ा शिकायत निवारण कैंप लगाया। ÷अपनों का ख्याल रखना, चाहे कुछ भी हो,÷ के पवित्र वादे को दोहराते हुए, यह इवेंट हमारी वीर नारियों, विधवाओं और एक्स-सर्विसमैन को दिल से श्रद्धांजलि थी - जिन्होंने देश की सेवा में अपने सबसे अच्छे साल और अपने प्रियजनों को दिया है। यह पहल सिर्फ़ एक फॉर्मल प्रोसेस नहीं है, बल्कि सेना की दिल को छू लेने वाली आउटरीच पॉलिसी का ही एक हिस्सा है। यह 29 मार्च, 2026 को हमीरपुर, हाथीगंज और झांसी में हुई रैलियों जैसे कई बड़े इवेंट्स के बाद हो रहा है, जिनका मकसद मिलिट्री बिरादरी के ÷अपने लोगों÷ तक पहुंचना था। इस सभा में वेटरन्स और उनके परिवारों की भारी भीड़ उमड़ी, जिनमें से कई उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के दूर-दराज के इलाकों से सपोर्ट मांगने और अपनेपन की भावना को फिर से जगाने आए थे।

जब जनरल ऑफिसर कमांडिंग, 31 आर्मर्ड डिवीजन और कर्नल एसएस मुंडेलिया , डीआईए व्ही ने खुद श्वस्रू वीर नारियों और विधवाओं से बातचीत की, तो माहौल में एक गहरी एकजुटता की भावना भर गई। सभी संबंधित लोगों की शिकायतों का मौके पर ही एक साथ समाधान करना बहुत सुकून देने वाला था, क्योंकि उन्होंने एक्टिव सर्विस के बाद परिवारों की निजी कहानियां और चुनौतियों को सुना। सभा को संबोधित करते हुए, उन्होंने दोहराया कि आर्मी का अपनी वीर नारियों और वेटरन्स के प्रति कमिटमेंट अटूट और हमेशा रहने वाला है, और उन्हें भरोसा दिलाया कि उनकी भलाई सबसे बड़ी प्राथमिकता है।

सीडीओ के टारगेट पर रहे कम कोर्स करने वाले विभाग

- कर्मयोगी पोर्टल, साधना सप्ताह व फार्मर रजिस्ट्री से संबंधित समीक्षा बैठक हुई

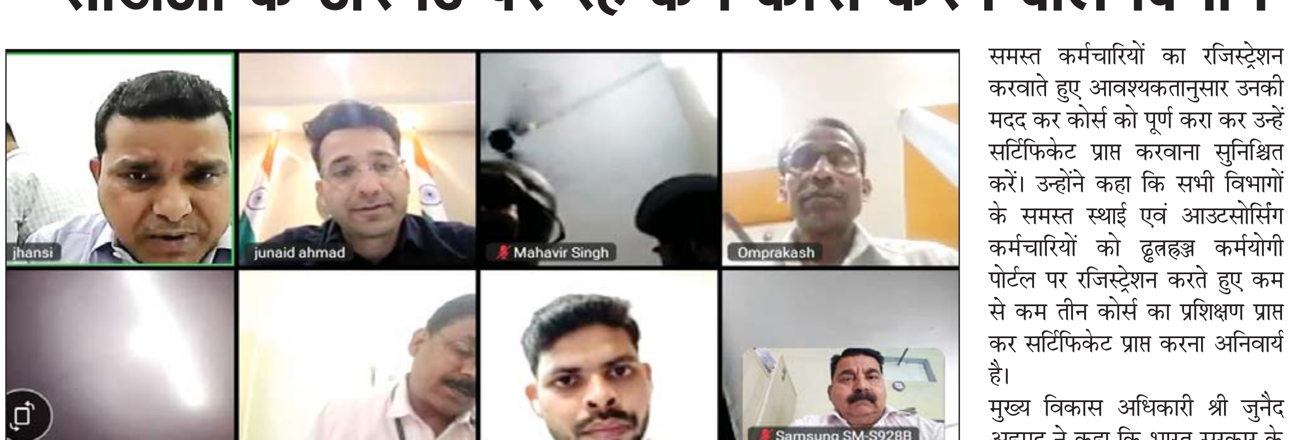

झाँसी जयूसं। मुख्य विकास अधिकारी जुनैद अहमद की अध्यक्षता में जनपद के समस्त विभागों के शत-प्रतिशत अधिकारियों/कर्मचारियों का आईजीओटी कर्मयोगी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन व प्रशिक्षण प्राप्त कर निर्धारित कोर्स को पूर्ण करने व सर्टिफिकेट प्राप्त करने व मिशन कर्मयोगी अंतर्गत 02 अप्रैल से 08 अप्रैल तक चल रहे -साधना सप्ताह, के दौरान प्रशिक्षण प्राप्त करने की प्रगति से संबंधित जूम ऐप के माध्यम से समीक्षा बैठक हुई। मुख्य विकास अधिकारी ने कहा कि समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से ढ्ढत्नह्र्ञ्ज कर्मयोगी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस अथवा मार्केटप्लेस से संबंधित उपलब्ध पाठ्यक्रमों में से कम से कम तीन पाठ्यक्रमों को पूर्ण कर सर्टिफिकेट प्राप्त करना है। उन्होंने जनपद के समस्त विभागाध्यक्षों को निर्देशित किया कि स्वयं और अपने अधीनस्थ समस्त कर्मचारियों का रजिस्ट्रेशन करवाते हुए आवश्यकतानुसार उनकी मदद कर कोर्स को पूर्ण करा कर उन्हें सर्टिफिकेट प्राप्त करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी विभागों के समस्त स्थाई एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को ढ्ढत्नह्र्ञ्ज कर्मयोगी पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन करते हुए कम से कम तीन कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त कर सर्टिफिकेट प्राप्त करना अनिवार्य है।

मुख्य विकास अधिकारी श्री जुनैद अहमद ने कहा कि भारत सरकार के क्षमता निर्माण आयोग द्वारा मिशन कर्मयोगी के अंतर्गत साधना सप्ताह दिनांक 02 अप्रैल से 08 अप्रैल, 2026 तक आयोजित किया जा रहा है। साधना सप्ताह के दौरान निर्धारित कोर्सेज में से कम से कम तीन कोर्स का प्रशिक्षण प्राप्त कर सर्टिफिकेट अवश्य प्राप्त कर लें। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी विभागों द्वारा अपने अधीनस्थ सभी अधिकारियों/ कर्मचारियों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कराई जाए तथा उन्हेंआईजीओटी

कर्मयोगी पोर्टल पर इस साधना सप्ताह के अंतर्गत कम से कम चार घंटे का भूमिका-आधारित अधिगम , को पूर्ण करने हेतु प्रोत्साहित किया जाए। विशेष रूप से कृत्रिम बुद्धिमत्ता एवंआईजीओटी मार्केटप्लेस से संबंधित पाठ्यक्रमों पर ध्यान दिया जाना अपेक्षित है। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जनपद के सभी विकासखंडों में फार्मर रजिस्ट्री की प्रगति की समीक्षा की गई, मुख्य विकास अधिकारी ने कृषि विभाग सहित समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियान चलाकर किसानों का फॉर्मर रजिस्ट्री कराया जाए और उन्हें फॉर्मर रजिस्ट्री से होने वाले लाभों के बारे में अवगत कराते हुए जागरूक किया जाए। मुख्य विकास अधिकारी द्वारा बैठक में जिला कार्यक्रम अधिकारी, लोक निर्माण विभाग, जिला पंचायतराज अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, ग्राम्य विकास, राजस्व एवं होमगार्ड सहित अन्य विभागों के विभागाध्यक्ष को जल्द से जल्द कर्मचारियों को कोर्स कराए जाने के निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में जूम ऐप के माध्यम से अपर जिलाधिकारी, वित्त एवं राजस्व, अपर जिलाधिकारी न्याय, जिला विकास अधिकारी, डीपीआरओ, अधिशासी अभियंता विद्युत ग्रामीण, अधिशासी अभियंता जल निगम सहित समस्त उपजिलाधिकारी तहसीलदार, नायब तहसीलदार, खंड विकास अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक नाथूराम कुशवाहा द्वारा जनता यूनियन प्रेस, शिव परिवार कालोनी, उन्नाव गेट बाहर झाँसी से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक - नाथूराम कुशवाहा*
फोन नं. 0510-2331158 आरएनआई नं. यूपीएचआईएन/2007/22191 समस्त विवादों का निपटारा झाँसी न्यायालय के अधीन होगा। *पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए उत्तरदायी

cmyk